

Daily सच के हक में...

Sara Ali Khan Admits She Felt Jealous Of...

Ranchi Saturday, 29 March 2025 Year : 03 Issue : 73 Ranchi Edition Page : 12 Price : ₹3 www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

: 77,414.92

23,519.35

114.0 (नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

O BRIEF NEWS खुंटी के रीमिक्स फॉल में ड्बकर रांची के दो सगे भाइयों की गई जान

KHUNTI: शुक्रवार को खुंटी जिले के मारंगहादा थाना क्षेत्र स्थित रीमिक्स फॉल में डबकर कोकर, रांची निवासी दो सगे भाइयों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान कोकर निवासी शुभम कुमार यादव और राज कुमार यादव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, रांची के आठ युवक चार पहिया वाहन से घूमने के लिए रीमिक्स फॉल आए थे। दोपहर करीब 12 बजे सभी युवक झरने के पास नहा रहे थे। उसी दौरान शुभम और राज नदी की तेज धारा में बहकर गहरे पानी में चले गए। अन्य युवकों ने शोर मचाया और लोगों से मदद की गुहार लगाई। शोर सुनकर स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ७ अप्रैल को जाएंगे पटना

PATNA: कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अगले महीने सात अप्रैल को संविधान की सुरक्षा विषय पर आयोजित होने वाली एक संगोष्ठी में भाग लेने के लिए बिहार की राजधानी पटना आएंगे। कांग्रेस सचिव सुशील कुमार पासी ने शकवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। कहा कि जननायक राहुल गांधी सात अप्रैल को पटना आएंगे। वह महात्मा गांधी के नमक सत्याग्रह की याद में शहर के श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित होने वाले संविधान सुरक्षा सम्मेलन के दौरान सामाजिक कार्यकताओं से बातचीत करेंगे। हालांकि, उन्होंने इस सवाल को टाल दिया कि क्या यह तिथि इसलिए चुनी गई है, क्योंकि यह राम नवमी (एक ऐसा त्योहार जिसे केंद्र में सत्तारूढ भाजपा धूमधाम से मनाती है) के साथ मेल खाती है। पासी ने कहा, राहुल गांधी को जब भी आमंत्रित किया जाता है, वह उन जगहों पर जाने के लिए तैयार हो जाते हैं। जहां तक भाजपा का सवाल है, यह एक ऐसी पार्टी है, जो धर्मनिरपेक्षता में विश्वास नहीं करती, जो हमारे संविधान के

BANGKOK @ PTI : शुक्रवार को

थाईलैंड और पड़ोसी म्यांमार में 7.7 तीव्रता का भूंकप महसूस किया गया। म्यांमार में 144 लोगों की मौत हो गई व 730 घायल बताए जा रहे हैं। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में निमाणीधीन एक बहुमंजिला इमारत ढह गई और उसके मलबे में दबने से कम से तीन लोगों की मौत हो गई जबिक कई अन्य के दबे रहने की आशंका है।

म्यांमार ने भूकंप की वजह से छह क्षेत्रों और राज्यों में आपातकाल की घोषणा कर दी है।

दोपहर में आए भूकंप का केंद्र म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले के निकट था। मुख्य झटके के बाद भी 6.4 तीव्रता का दूसरा झटका महसूस किया किया। म्यांमार की सैन्य सरकार ने राजधानी नेपीता और मांडले सहित छह क्षेत्रों और राज्यों में आपातकाल की घोषणा



- बैंकॉक में ढह गई निमार्णाधीन एक बहुमंजिला इमारत, मलबे में दबकर तीन लोगों की हुई मौत, 90 लापता
- **»** म्यांमार में की गई आपातकाल की घोषणा
- **»** म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले के निकट था भूकंप का केंद्र

कर दी है। हालांकि, देश में लंबे समय से चल रहे हिंसक गृहयुद्ध के कारण यह स्पष्ट नहीं है कि प्रभावित क्षेत्रों तक सहायता कैसे पहुंचेगी। रेड क्रॉस ने कहा कि बिजली आपर्ति बाधित होने की वजह से मांडले और सागाइंग क्षेत्रों तथा दक्षिणी शान राज्य तक पहुंचने की कोशिश कर रही उनकी टीमों को चनौतियों का सामना करना पड रहा है। रेड क्रॉस ने कहा, शुरूआती जमीनी खबरों से संकेत मिल रहा है

कि भूकंप से काफी नुकसान हुआ है। मानवीय सहायता को लेकर जानकारी जुटाई जा रही है।

थाईलैंड और म्यांमार में अचानक आए शक्तिशाली भूकंप ने मचाई तबाही

धूल का उठता दिखा विशाल गुबार: बैंकॉक में भूकंप की वजह

इमारत के ढहने से धल का विशाल गुबार उठता दिखा। उस समय इमारत पर क्रेन लगी थी। बचावकर्मी सोंगवत वांगपोन ने संवाददाताओं को बताया कि बैंकॉक में एक निर्माण मजदर की तब मौत हो गई जब

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

प्रधानमंत्री मोदी ने जताई चिंता

म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप पर चिंता जताते हुए कहा कि भारत हरसंभव सहायता देने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप के बाद की स्थिति से चिंतित हूं। सभी की सुरक्षा और खुशहाली के लिए प्रार्थना करता हूं। भारत हरसंभव सहायता देने के लिए तैयार है। इस संबंध में, हमने अपने अधिकारियों से तैयार रहने को कहा है। साथ ही विदेश मंत्रालय से म्यांमार और थाईलैंड की सरकारों के साथ संपर्क में रहने को कहा है।

मणिपुर और मेघालय में भी भुकंप के झटके

म्यांमार में आए शक्तिशाली भूकंप के बाद आफ्टर शॉक वेब के तहत भारत में भी भूकंप के झटके लगे हैं। मिणिपुर और मेघालय में भी मध्यम तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। इन भूकंप से हुए नुकसान की अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है। मेघालय के ईस्ट गारो हिल्स जिले में आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.0 दर्ज की गई, जबकि मणिपुर के कामजोंग जिले में 4.3 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया।

भारत के प्रयासों, नवाचारों और विचारों

को आज जो महत्व मिल रहा, वैसा

नहीं था पहले कभी : नरेंद्र मोदी

ढहती इमारत का मलबा उसके टुक पर गिरा, जबिक एक अन्य मजदूर मलबे के नीचे दब गया। रक्षा मंत्री फुमथाम वेचायाचाई ने बताया कि घटनास्थल पर कुल तीन लोगों की मौत हो गई और 90 लोग लापता हैं।

NEW DELHI @ PTI : शुक्रवार

को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने

शुक्रवार को कहा कि भारत के

प्रयासों, नवाचारों और विचारों

को आज जो महत्व मिल रहा है,

वह पहले कभी नहीं था। भारत

आज क्या सोचता है विषय पर

आयोजित एक सम्मेलन को

संबोधित करते हुए मोदी ने कहा

कि भारत न केवल विश्व

व्यवस्था में भाग ले रहा है,

बल्कि उसके भविष्य को सुरक्षित

बनाने में भी योगदान दे रहा है।

उन्होंने कहा, आज दुनिया भी

भारत के विकास के मॉडल को

स्वीकार रही है। आज भारत

सिर्फ सपनों का राष्ट्र (नेशन

ऑफ ड्रीम्स) नहीं है, बल्कि

ऐसा राष्ट है, जो करके दिखाता

उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय

(ईडी) जैसी जांच एजेंसियों की

आलोचना करने के लिए विपक्षी

दलों पर परोक्ष रूप से निशाना

साधते हए कहा कि जिन्होंने

जनता का पैसा लूटा है, उन्हें यह

पैसा लौटाना पड़ा है। उन्होंने

कहा, ईडी को दिन-रात कोसा

जा रहा है। इसने 22,000

करोड़ रुपये से अधिक की

वसली की है। यह पैसा काननी

रूप से उन लोगों को लौटाया जा

रहा है, जिनसे यह लटा गया था।

भविष्य को आकर दे रहा भारत

पीएम ने स्वास्थ्य बीमा, रसोई

गैस सिलेंडर, शौचालय निर्माण

और पाइप से पेयजल आपूर्ति

दुनिया की नजर भारत पर है।

दुनिया जानना चाहती है कि

भारत आज क्या सोचता है।

भारत आज, वर्ल्ड ऑर्डर में

है (नेशन दैट डेलिवर्स)।

उन्होंने चल रहे बचाव प्रयासों के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी, लेकिन मदद के लिए सबसे पहले पहुंचे लोगों ने बताया कि ढही हुई इमारत के बाहर से अब तक सात लोगों को बचाया जा चका है।

>> 'भारत आज क्या सोचता

किया संबोधित

कर रही दुनिया

प्रवर्तन निदेशालय जैसी

जांच एजेंसियों की

देश के विकास मॉडल को

गौर से देखकर स्वीकार

आलोचना करने वालों को

पीएम ने लिया आड़े हाथ

विश्व के देशों से

एकजुट होने का आह्वान

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि

दूसरे विश्व युद्ध के बाद जब भी

कोई वैश्विक संगठन बना. तो

एकाधिकार रहा। उन्होंने कहा,

लेकिन भारत ने एकाधिकार नहीं.

बल्कि मानवता को सर्वोपरि रखा।

प्रधानमंत्री ने वैश्वक चुनौतियों का

सामना करने के लिए दुनिया के

देशों से एकजूट होने का आह्वान

करते हुए ऊर्जा संसाधनों से जुड़े

मुद्दे को रेखांकित किया। उन्होंने

कहा, इससे निपटने के लिए,

हमने अंतर्राष्ट्रीय सौर गढबंधन

की स्थापना की, यह सुनिश्चित

उसमें कुछ ही देशों का

है' विषय पर आयोजित

सम्मेलन को प्रधानमंत्री ने

सीएस ने नेशनल वाटर मिशन एक्शन प्लान पर स्टीयरिंग कमेटी के साथ की मीटिंग, कहा-

जल संरक्षण के लिए नए प्रयोग पर गंभीरता से काम करना जरुरी

शुक्रवार को मुख्य सचिव अलका तिवारी ने झारखंड में जल संरक्षण के लिए नए उपाय अपनाने पर जोर दिया और अधिकारियों से समन्वय बनाकर इस दिशा में कार्य करने का निर्देश दिया। नेशनल वाटर मिशन के तहत राज्य आधारित एक्शन प्लान पर स्टीयरिंग कमेटी की बैठक की वह अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने कहा कि राज्य में पर्याप्त बारिश होती है, लेकिन जल संरक्षण की दिशा में अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है। उन्होंने बताया कि देश के कई हिस्सों में जल संकट एक गंभीर समस्या बन चुका है, हालांकि झारखंड में यह स्थिति नहीं है। फिर भी बढ़ती जनसंख्या और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को

देखते हुए राज्य में जल संकट की

स्थिति धीरे-धीरे उत्पन्न हो सकती

है, जिससे निपटने के लिए पहले

बनाकर काम करने का दिया निर्देश

झारखंड में होती है पर्याप्त बारिश, मगर पानी बचाने के लिए बहुत कुछ करना बाकी

» जनसंख्या बनती जा रही प्रमुख चुनौती



अधिकारियों के साथ बैठक करतीं मुख्य सचिव अलका तिवारी

जल खपत का जुटाएं आंकड़ा, इजरायल और साइप्रस का दिया उदाहरण

मख्य सचिव ने जल संरक्षण के लिए इजरायल और साझ्प्रस जैसे देशों के उपायों को भी उदाहरण के तौर पर लिया। वहां जल संकट के बावजूद तकनीक और संसाधनों के बेहतर प्रबंधन से जल संरक्षण में सफलता मिली है। मुख्य सचिव ने जल खपत के आंकड़ों कों जुटाने के महत्व को भी रेखांकित किया, जो जल संसाधन के प्रबंधन और संरक्षण में सहायक हो संकत है। इस दौरान बताया गया कि राज्य सरकार टाटा और बीकारी स्टाल जैसी बड़ा कपानयों का जल आपति करती है, लेकिन जिन उद्योगों द्वारा भूगर्भ जल का उपयोग किया जाता है उनके आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। इस मुद्दे पर जल्द ही एक्शन प्लान तैयार किया जाएंगा।

मौके पर नगर विकास सचिव सचिव प्रशांत कुमार, कृषि सचिव

से ही प्रयास करना जरूरी है। सुनील कुमार, जल संसाधन अबु बक्कर सिद्दीकी और अन्य

जेसीयू के साथ करार

तहत झारखंड सरकार ने सेंट्रल 1्निवर्सिटी झारखंड के साथ एमओयू किया है, ताकि राज्य के जल संसाधनों का डेटा तैयार किया जा सके। यूनिवर्सिटी विभिन्न विभागों के साथ समन्वय कर इस डेटा को तैयार कर रही है। यूनिवर्सिटी के अध्ययन के अनुसार, झारखंड में जल संरक्षण के लिए बहुत सारे अवसर हैं, क्योंकि राज्य में प्रचुर जल संसाधन मौजद हैं। हालांवि जल संरचनाओं के नवीनीकरण और विभिन्न एजेंसियों के बीच तालमेल की आवश्यकता है। राज्य में जल संकट बढ़ने के संकेत हैं। जलवायु परिवर्तन के साथ बढ़ती जनसंख्या

झारखंड में ६३९ पदों पर पूर्व सैनिकों की

PATNA: झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान को मजबूती देने और जेल, औद्योगिक प्रतिष्ठान तथा थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 639 पदों पर पूर्व

लिए हेमंत सरकार न



होगी नियुक्ति

से मिली जानकारी के अनुसार, राज्य में पर्याप्त सशस्त्र बल उपलब्ध कराने के लिए विशेष सहायक पुलिस (सैप) की

जाएगी। झारखंड

दो बटालियनों का गठन किया गया है। इनमें से एक बटालियन रांची के टाटीसिलवे में और दूसरी जमशेदपुर के हलूदबनी में स्थित है। इन दोनों बटालियनों में भारतीय सेना से भूतपूर्व सैनिकों जैसे सूबेदार, मेजर, नायक, हवलदार, सिपाही, चालक, लिपिक और रसोईयों को अनुबंध के आधार पर अस्थाई नियुक्त किया जायेगा। इन्हें विशेष पुलिस पदाधिकारी का दर्जा दिया जाएगा।



सैनिकों की नियुक्ति की

पुलिस मुख्यालय

लिए आग्रह किया। इस अवसर पर



है और सुरक्षित करने में भी योगदान दे रहा है।

सिर्फ भागीदारी ही नहीं कर रहा,

बल्कि भविष्य को आकार दे रहा

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मिले वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर

PHOTON NEWS RANCHI: शुक्रवार को राज्यपाल-सह-झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के

कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार से राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने राज भवन में मुलाकात की। इस दौरान मंत्री ने राज्यपाल को पलामू के नीलांबर-पीतांबर, भवन निर्माण की गुणवत्ता एवं अनियमितता संबंधी जांच कराने के लिए आभार प्रकट किया। इस अवसर पर उन्होंने जांच में दोषी पाए गए प्रभारी कुलसचिव, सीसीडीसी एवं प्रॉक्टर सहित अन्य दोषी अधिकारियों पर शीघ्र कार्रवाई करने के लिए पहल करने का आग्रह किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के भवन निर्माण की गुणवत्ता एवं अनियमितताओं संबंधी अन्य विषयों की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने के



2024-25 के राजस्व संग्रहण एवं राज्य के विकास योजनाओं के संबंध में भी जानकारी प्रदान की। उल्लेखनीय है कि 13 फरवरी,

2025 को राज्यपाल से वित्त मंत्री ने नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय के भवन निर्माण की गुणवत्ता के संदर्भ में शिकायत की गई थी। राज्यपाल ने इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया, जो स्थल निरीक्षण कर विभिन्न विसंगतियों की जांच कर राज्यपाल के समक्ष अपना प्रतिवेदन समर्पित किया।

न्यायमूर्ति वर्मा के आवास से नकद मिलने पर एफआईआर दर्ज करने की याचिका खारिज



🐆 प्रतिष्ठित जर्नल नेचर

के नतीजे

वलाइमेट चेंज में विस्तार से

प्रकाशित किए गए हैं शोध

🎾 वर्तमान में वैश्विक तापमान

1.5 डिग्री सेल्सियस की

सीमा कर चुका है पार

शक्रवार को सप्रीम कोर्ट ने उस जनहित याचिका को असामयिक बताते हुए खारिज कर दिया, जिसमें दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से कथित तौर पर बड़ी मात्रा में नकद मिलने के मामले में दिल्ली पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था।

इस पीआईएल पर विचार करना अनुचित

न्यायालय के आदेश में आगे कहा गया है, जहां तक तीसरे प्रतिवादी (न्यायमर्ति वर्मा) के बारे में शिकायत का सवाल है, जैसा कि उच्चतम न्यायालयं की वेबसाइट से देखा जा सकता है, तो आंतरिक (जांच) प्रक्रिया चल रही है। (आंतरिक जांच की) रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के बाद प्रधान न्यायाधीश के सामने कई विकल्प खुले होंगे। शीर्ष अदालत ने कहा, इसलिए इस स्तर पर, इस रिट याचिका पर विचार करना उचित नहीं होगा।

न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइंया की पीठ ने कहा कि आंतरिक जांच चल

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और रही है और निष्कर्ष आने के बाद प्रधान न्यायाधीश के सामने कई

न्यू स्टडी

परंपरागत स्रोतों के बदले सौर ऊर्जा के प्रयोग से घटेगी पृथ्वी की गर्मी

तापमान नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं सोलर पैनल

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों के कारण जलवायु परिवर्तन ने बहुआयामी संकट की स्थिति पैदा कर

आदर्शों में से एक है।

दी है। प्रकृति में असंतुलन की वजह से तापमान में वृद्धि होना जीव-जेंतुओं के अस्तित्व पर सवाल खड़ा कर रहा है। ऐसे में तापमान नियंत्रण की जरूरत सर्वाधिक है। हाल के अध्ययन से यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है कि यदि दुनिया की सभी छतों को सोलर पैनल से ढक दिया जाए तो वैश्वक तापमान में कमी आ सकती है। इससे पृथ्वी की गर्मी कम हो सकती है। हालांकि शोधकताओं ने स्पष्ट रूप से रह माना है कि सभी छतों को सोलर पैनलों से कवर करना व्यावहारिक रूप से मुश्किल है, लेकिन उनका अध्ययन यह दशार्ता है कि सौर ऊर्जा को अपनाकर जलवायु संकट को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इस विषय पर चीन के शोधकताओं ने सिंगापुर और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के विशेषज्ञों के साथ मिलकर लंबे समय

तक विशेष अध्ययन किया है। इसके नतीजे प्रतिष्ठित

जर्नल नेचर क्लाइमेट चेंज में प्रकाशित हुए हैं।

बिजली उत्पादन के स्रोतों में परिवर्तन

इस अध्ययन में यह विश्लेषण किया गया कि दुनिया में कुल कितने क्षेत्रफल की छतें मौजूद हैं। उन पर सौर पैनल लगाने से कितनी ऊर्जा उत्पन्न हो सकती है। इसके साथ ही शोधकताओं ने इस बदलाव के पर्यावरणीय लाभों का भी आकलन किया। अध्ययन में यह भी जांचा गया कि यदि कोयला और अन्य जीवाश्म ईंधन से बनने वाली बिजली की जगह सौर ऊर्जा का उपयोग हो तो जलवायु परिवर्तन को रोकने में कितनी मदद मिलेगी।

≫ नई स्टडी में सोलर एनर्जी के पर्यावरणीय लाभों का भी किया गया है

आकलन

नए तरीके से जलवायु संकट को कम करने में मिल सकती है बड़ी सहायता

एमआईटी के विशेषज्ञों के साथ मिलकर चीन के शोधकताओं ने किया विशेष अध्ययन

≫ वैज्ञानिकों ने उस अवधारणा को चुनौती दी है कि क्लाइमेट चेंज को रोकना संभव नहीं

भारत में छतों का कुल क्षेत्रफल 23,087 वर्ग किलोमीटर

वैज्ञानिकों ने उस धारणा को चुनौती दी है, जो मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन को रोकना असंभव है। इसके लिए उन्होंने पूरी दुनिया की छतों को एक सौर ऊर्जा स्रोत के रूप में देखने की कल्पना की और उनकी कुल क्षमता का अनुमान लगाया। शोध में गणना की गई कि दुनियाभर की छतों का कुल क्षेत्रफल लगभग २,८६,३९३ वर्ग किलोमीटर है। यदि इसे देशों के हिसाब से देखें तो चीन में सबसे अधिक 74,426 वर्ग किलोमीटर छतें हैं. जबिक अमेरिका 30,928 वर्ग किलोमीटर के साथ दूसरे और भारत 23,087 वर्ग किलोमीटर के साथ तीसरे स्थान पर है।

दीवार को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प, एक की मौत

गिरिडीह के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बदडीहा में हुई घटना

जमीन विवाद में एक दीवार को लेकर एक ही परिवार के दो पक्षों में हिसंक झड़प हुई है। इसमें एक की मौत हो गई। पिता, पुत्र सहित कई लोग गंभीर रूप से घायल है। सभी का इलाज सदर अस्पताल में

घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बदडीहा गांव की है। मतक की पहचान इसी गांव के अशोक राम ऊर्फ पप्पी राम के रूप में हुई है। घायलो में पप्पी राम का पुत्र और अन्य शामिल है। घटना को लेकर बताया गया कि कि अशोक राम और उसके रिश्तेदार कैलाश राम के बीच एक दीवार को लेकर कई वर्षों से विवाद चल रहा था। दीवार को लेकर हाल के दिनों में विवाद

शुक्रवार को इसी दीवार को लेकर दोनों में भिडंत हो गई। इसके बाद दोनों पक्ष की तरफ से लाठी - डंडे



अस्पताल में जुटे परिजन व अन्य

चले घटना के बाद दूसरे पक्ष के तीन आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मफस्सिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो ने बताया कि दीवार के पराने विवाद को लेकर बदडीहा निवासी अशोक राम और कैलाश राम के

बीच विवाद चल रहा था । इसी विवाद में दोनों पक्षों में मारपीट हो गई ।घटना में अशोक राम और उसके पुत्र को गंभीर चोट लगी। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां अशोक राम ने दम तोड़ दिया।एवं पुत्र को इलाज के लिए

धनबाद रेफर कर दिया गया है। इस मामले में आरोपित कैलाश राम और उसके दो पत्र को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।शव को पोस्टमार्टम के लिए

पे-लोडर जलाने के मामले में एक हुआ गिरफ्तार HAZARIBAG : हजारीबाग के

उरीमारी में पुलिस ने टीपीसी

उग्रवादी को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने पत्रकारों को दी। उन्होंने कहा कि आरोपी राजन गंझू ने न्यू बिरसा प्रोजेक्ट में पेलोडर में आँग लगाने की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस के अनुसार, 19 मार्च को रात 9 बजे देवगढ़ में टीपीसी सदस्यों ने बैठक की। टीपीसी नेता दिवाकर गंझू उर्फ प्रताप जी ने सभी को पेट्रोल, तीन पिस्टल और एक कट्टा दिया। सभी पल्सर बाइक से उरीमारी पहुंचे ।आरोपियों ने कोयला डिपो में 4–5 राउंड फायरिंग की। हाइवा के शीशे तोड़े और पेलोडर मशीन को आग के हवाले कर दिया मौके से टीपीसी का पर्चा मिला, जिसमें टांसपोर्टरों को धमकी दी गई थी। २७ मार्च को पुलिस को सूचना मिली कि देवगढ़ पुलिया के पास कुछ उग्रवादी अवैध वसूली कर रहे हैं। पुलिस ने छापेमारी कर राजन गंझ् को पकड़ा। पूछताछ में उसने घटना में शामिल होने की बात

हाथी ने महिला समेत दो लोगों को उतारा मौत के घाट, तीन लोग हुए घायल

जिले के विभिन्न प्रखंडों में रूक-रूक कर जंगली हाथियों का उत्पात जारी है। इन हाथियों ने जान-माल की हानि पहुंचाते हुए ग्रामीणों को खौफजदा कर दिया है। गुरुवार की शाम जिले के पालकोट प्रखंड के तपकारा व डहुपानी पंचायत में एक जंगली हाथी ने एक महिला समेत दो लोगों को मार डाला। वहीं हाथी के हमले में तीन लोग घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनसार तपकारा पंचायत के बरडीह गांव के दंपति इमिल बॉ (55) व कलारा बॉ (45) अपने गांव के समीप महुआ चुनने गये थे। तभी एक जंगली हाथी वहां आ धमका और इमिल व कलारा पर हमला कर दिया। दोनों पति-पत्नी अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे। इसी दौरान वे गड्ढे में गिर गये। जिससे उनकी जान बच गयी। दोनों घायलो को परिवार वाले ईलाज के लिए बसिया रेफरल अस्पताल से गए। इधर जंगली हाथी पडोस के गांव देवगांव चापा टोली जा पहंचा और गांव



तथ्यहीन खबरों के लिए ग्रुप

के ही 40 वर्षीय युवक अजय मिंज को दौड़ाने लगा। अजय को घायल करने के बाद उसी गांव के खीस्टोफर एक्का (60) जो अपने मवेशियों के लिये पुआल लाने गया था। हाथी ने अपने सूंढ़ से उठाकर पटक दिया। गंभीर रूप से घायल खीस्टोफर को ऐम्बुलेंस द्वारा ईलाज के लिए सदर अस्पताल गमला लाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद वही हाथी पालकोट के जंगल को पार करते हुए डहुपानी पंचायत के तेतर टोली जंगल पहुंच गया। जहां हेमावती देवी(50) नामक एक महिला जंगल में लाह कटाई कर रही थी। हाथी ने

एक गंभीर चुनौती बन गई है। यह न

केवल हमारे समाज की एकता और

सामाजिक सौहार्द को कमजोर

करता है, बल्कि इससे पैनिक की

स्थिति भी उत्पन्न होती रहती है। इन

समस्याओं से हमें जुझना न पड़े

इसलिए उपायुक्त नैन्सी सहाय ने

सभी अधिकृत व अनाधिकृत

पत्रकार और सोशल मीडिया

इनफ्लुएंसर से अपील की है कि वे

प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया

और वेब पोर्टल पर सांप्रदायिक

समाचार न डालें और न ही

अफवाहों को फैलाने में अपना

योगदान दें। तथ्यहीन या धार्मिक

भावना को ठेस पहुंचाने वाली

खबरों के लिए सोशल मीडिया के

हेमावती देवी को पटक कर मार डाला। इधर वन विभाग के टीम अपनी सक्रियता दिखाते हुए सभी घायलों को पांच-पांच हजार रुपये ईलाज के लिए दिया। साथ ही मृतकों के अंतिम संस्कार कराने के लिए और राशि देने की बाते कही। मृतक के आश्रितों को वन विभाग के तरफ से चार-चार लाख रुपए का मुआवजा राशि भी देने का आश्वासन दिया गया। इधर हाथी के हमले से पालकोट वासियों में दहशत व भय का माहौल है। हाथी अभी भी पालकोट प्रखंड के डहुपानी पंचायत के खास डहुपानी गांव के जंगल में डेरा जमाये हुए है।

BRIEF NEWS

कल आम्रेश्वरधाम में होगी भोलेनाथ की विशेष पूजा



मार्च को बाबा आम्रेश्वर धाम में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बाबाधाम परिसर के मंदिरों की आकर्षक साज-सज्जा की जाएगी। आम्रेश्वर धाम के मुख्य पुजारी हरिहर कर की ओर से विशेष पूजा एवं आरती की जाएगी। हिन्दू नववर्ष के शुभ अवसर पर बाबा आम्रेश्वर धाम में होनेवाले विशेष श्रृंगार पुजन,

महाआरती में समिति के पदाधिकारियों के साथ जिला प्रशासन के अधिकारी भी भाग लेंगे। 30 मार्च से वासंतिक नवरात्र भी शुरू हो जाएगा। बाबा आम्रेश्वर धाम परिसर स्थित दुर्गा मंदिर के पुजारी पुरोहित सिच्चिदानंद शर्मा ने बताया कि दुर्गा मंदिर में मेष लग्न में प्रात 6.36 से 8.13 के मध्य कलश स्थापना के बाद अन्य अनुष्ठान और चंडी पाठ शुरू होगा। उन्होंने बताया कि 31 मार्च सोमवार को द्वितीय पूजन सुबह 7 बजे से शुरू होगा। एक अप्रैल मंगलवार को तृतीया पूजन सुबह 6.30 बजे से होगा। दो अप्रैल बुधवार को चतुर्थी पूजन प्रातः 5.30 बजे से, दो अप्रैल बुधवार कों ही पंचमी पूजन अपराहन 3 बजे से, तीन अप्रैल गुरुवार षष्टि पूजन सुबह 7.30 बजे से, चार अप्रैल शुक्रवार को सप्तमी पूजन सुबह सात बजे से, पांच अप्रैल शनिवार अष्टमी पूजन सुबह 6.30 से तथा छह अप्रैल रविवार नवमी पूजन सुबह 6 बजे से होगा। पूर्वाह्न 11 बजे हवन और 12.45 बजे भोग आरती के पश्चात प्रसाद वितरण होगा।

अवैध रैट होल्स को ब्लास्ट कर किया गया बंद



BOKARO: उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर जिला प्रशासन की ओर से लगातार अवैध खनन पर अंकश लगाने के लिए ताबड़ कार्रवाई की जा रही है। गठित कमेटी के सदस्यों ने शुक्रवार को सीसीएल हजारीबाग क्षेत्र के केबीपी परियोजना गोमिया के बगरिया ग्राम में अवस्थित अवैध महानों (रैट हॉल्स) को ब्लास्ट कर ध्वस्त करने का अभियान चलाया गया। प्रथम चरण में अवैध मुहानों को बंद करने के लिए ड्रिलिंग मशीन के माध्यम से 160 होल्स निर्मित कर कंट्रोल ब्लास्टिंग के माध्यम से ध्वस्त किया गया। उक्त अभियान में उपायुक्त की ओर से गठित संयुक्त जांच समिति के सदस्य वन प्रमंडल विभाग के संदीप कुमार, जिला खनन पदाधिकारी रवि कुमार सिंह,सीसीएल के अधिकारी, स्थानीय पुलिस बल एवं जिला बल के जवान आदि शामिल थे।

ई-केवाईसी नहीं कराने पर राशनकार्ड से हटेगा नाम

RAMGARH: आपूर्ति विभाग की ओर से संचालित योजनाओं एवं ई-केवाईसी के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए शुक्रवार को डीडीसी रोबिन टोप्पो, अपर समाहर्ता कमारी गीतांजलि एवं जिला आपर्ति पदाधिकारी रंजीता टोप्पो ने दो जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर जिला समाहरणालय परिसर से रवाना किया। उन्होंने बताया कि 31 मार्च तक ई-केवाईसी नहीं कराने वाले लाभुकों का राशनकार्ड से नाम हटा

खनन टास्क फोर्स ने छापेमारी कर ५५ ईट भट्टों से की 88 लाख रुपये की वसूली

उपायुक्त शशि रंजन ने शुक्रवार को जिला खनन टास्क फोर्स की ऑनलाइन बैठक की। बैठक में जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम में टास्क फोर्स की भूमिका को अहम खननकताओं पर प्राथमिकी दर्ज कराने, गिरफ्तार करने एवं अर्थदण्ड लगाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरूद्ध फरवरी माह में हुए कार्रवाई की गहनता से समीक्षा की। जिला खनन पदाधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि फरवरी 2025 में 34 वाहनों को जब्त किया गया है। वहीं 2 प्राथमिकी दर्ज की गई है। दण्ड के रूप में 16.43 लाख रुपए की वसली की गई है। उन्होंने



समीक्षा बैठक करते उपायुक्त शशि रंजन

बताया कि पत्थर खनिज के रद डीलर अनुज्ञप्ति-क्रशरों की संख्या 13 है। वहीं बालू खनिज के रद डीलर अनुज्ञप्ति-भंडारण की

55 ईंट भट्टेदारों से 88 लाख रुपए दंड राशि के रूप में वसूली की गई है। वहीं पत्थर खनिज के पट्टेधारियों से 72,57,471 रुपए की वसुली की गई है। वन प्रमंडल पदाधिकारी की ओर से अवैध खनन, परिवहन से संबंधित 8 प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिला

• फोटोन न्यूज परिवहन कार्यालय की ओर से 14 वाहनों को जब्त करते हुए 770500 रुपए की वसूली की गई है। वहीं अंचल-थाना स्तर पर 57 वाहनों को जब्त करने संबंधी कार्रवाई की गई है। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि अटैच माइंस से पत्थर उठाव नहीं

करने तथा अवैध उत्खनन कर पत्थरों को लाने वाले क्रशर संचालकों पर कार्रवाई करना सुनिश्चितत करें। उनके खिलाफ संबंधित थानों में प्राथमिकी दर्ज

रोकथाम का निदेश दिया। अवैध बालू भंडारण पर रोक लगाने अंचल-थाना स्तर पर ट्रेंच कटिंग, बैरिकेटिंग कर चौकीदार की प्रतिनियुक्ति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ट्रेंच कटिंग से अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कैटेगरी-1 बालूघाट मुखिया से टैग हैं। छापेमारी कर इसकी अद्यतन स्थिति का जायजा लेना सुनिश्चित करें। उन्होंने अवैध ईंट-भट्टे के

कराएं। अर्थदण्ड लगाते हए वसूली की कार्रवाई करें। उपायुक्त ने अंचल एवं थाना स्तर से अवैध परिवहन, खनन एवं भंडारण के विरूद्ध की गई कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने सख्ती से इसकी संचालन पर भी सख्ती से कार्रवाई

एडमिन होंगे जिम्मेदार : डीसी HAZARIBAG : हमारे समाज में सोशल मीडिया, वेब पोर्टल, प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से फैलने वाली अफवाहों और सांप्रदायिक समाचारों की समस्या

उपायुक्त नैन्सी सहाय

ग्रुप एडमिन जिम्मेदार होंगे। वाट्सएप, फेसबुक व सोशल मीडिया के अन्य साधनों से आपत्तिजनक पोस्ट करने एवं विरूद्ध दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। संचालन करने वाले नागरिक तथा वॉट्सअप ग्रुप एडमिन अपने ग्रुप में धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने वाले संदेश के लिए जिम्मेदार होंगे। अतः वे स्वयं ऐसा कोई विवादास्पद संदेश न तो खुद प्रसारित करें और ना ही अपने ग्रुप

पुलिस ने गोवंश लदे तीन वाहन किए जब्त, तीन हुए गिरफ्तार



ट्रक में लदे गोवंश

• फोटोन न्यूज

GIRIDIH: जिले के डुमरी थाना क्षेत्र के कुलगो टोल प्लाजा के समीप शक्रवार को ग्रामीणों ने दधारू मवेशियों से भरा कंटेनर को पकड कर डमरी पलिस के हवाले किया। ग्रामीणों के अनसार मवेशियों से भरा कंटेनर पहले से खराब खडा था। सबह-सबह कछ लोगों को इस कंटेनर से पशुओं की आवाजें सुनाई दी। जांच किया तो पाया कि कंटेनर खचाखच द्धारू मवेशिओं से भरा हुआ है। ग्रामीणों ने चपचाप डमरी पुलिस को इसकी सूचना दी जिसके बाद मौके पर पहुंची डुमरी पुलिस ने कंटेनर को जब्त कर थाना लेकर पहुंची। इस दौरान पलिस ने कंटेनर में छिपे तीन लोगों को भी पकड़ा है। बताया गया कि यह तीनों चालक, उपचालक और एक सहायक व्यक्ति है। पशुओं से लदा कंटेनर पश्चिम बंगाल जा रहा था। इसी बीच गाड़ी कुलगो टोल प्लाजा के पास खराब हो गई। कुछ देर बाद गोवंश लोड दो और गाड़ियों को भी जब्त किया।

गढ़वा में प्रेम विवाह को लेकर गरमाया माहौल वीडियो वायरल

GARHWA: जिले में एक प्रेम विवाह को लेकर माहौल गरमाया हुआ है। बताया जाता है कि दूसरे समुदाय के युवक ने धर्म छिपाकर युवती को प्रेम जाल में फंसाया। कथित प्रेमी-प्रेमिका गढ़वा शहर में एक ही मकान में अलग– अलग कमरे में रह रहे थे। करीब तीन महीने तक दोनों में प्रेमालाप चलता रहा। इसी बीच लड़के के धर्म का भेद उजागर हो गया, जिससे युवती भड़क गई। युवती ने पड़ोसियों से आपबीती सुनाई। इंसके बाद पड़ोसियों ने उस युवक को पकड़ कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। इसे लेकर इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, युवक एवं युवती खरौंधी थाना क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। दोनों में पहले से ही जान-पहचान थी। लडकी ने जब पढाई करने के लिए गढ़वा शृहर में एक मकान में किराए पर कमरा लिया। उस दौरान उस युवक ने भी अपना नाम बदल कर उसी मकान में किराए पर एक कमरा ले लिया। इस दौरान युवक की गतिविधि पर लड़की को शक नहीं हुआ था। इस घटना को लेकर पुलिस अधीक्षक गढवा दीपक कुमार पांडेय ने बताया कि उन्हें भी इंसकी जानकारी मिली है।

कोयला चोरी रोकने को सिरका परियोजना के सुरक्षा प्रहरियों ने रामगढ़ थाने से लगाई गुहार

जिले के बेहद महत्वपूर्ण सिरका परियोजना में कोयला चोर दबंगई दिखा रहे हैं। वे ना तो सरक्षा प्रहरी से डरते हैं और ना ही किसी और का खौफ उनकी आंखों में नजर आता है। सैकड़ो की संख्या में चोर सिरका परियोजना के खुली खदान, नया कोयला स्टॉक. सीएचपी कोयला स्टॉक, ओबी अपयार्ड में अवैध तरीके से घसते हैं और जबरन कोयले की चोरी करते हैं। जब भी कोयला चोरों को रोकने का प्रयास किया जाता है सैकड़ो लोग सुरक्षा कर्मियों पर ही टूट पड़ते हैं। कोयला चोरी रोकने में असमर्थ सुरक्षा प्रहरी राजू राम ने रामगढ थाने से सहयोग मांगा है। उन्होंने रामगढ़ थाना प्रभारी को आवेदन देकर कोयला चोरी पर लगाम लगाने और चोरों पर कार्रवाई करने की मांग की है।



सिरका परियोजना के डिपो में कोयला चुनते मजदूर

दर्जनों गांवों के लोग झुंड बनाकर करते हैं चीरी सुरक्षा प्रहरी राजू राम ने पुलिस को बताया कि सिरका परियोजना के आसपास कई गांव मौजूद हैं। यहां सिरका बुध बाजार, बेदिया टोला, भूली क्वार्टर, कहवा बेडा, उरांव टोला, चानक बस्ती, बडकाटांड, तेलियाटांड, सिरका, अरगड्डा के सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण सिरका परियोजना के खुली खदान, नया कोयल स्टॉक, सीएचपी कोयला स्टॉक एवं ओबी अपयार्ड में अवैध एवं अनाधिकृत रूप से जबरन प्रवेश करते हैं। यह लोग बड़े पैमाने पर कोयले की चोरी कर रहे हैं। कोयला चोर चारों तरफ से झुंड बनाकर कोयला स्टॉक में प्रवेश करते हैं और जबरन कोयले की चोरी कर चले जाते हैं।

कभी भी हो सकती है बडी दुर्घटना

सुरक्षा प्रहरी ने बताया कि उन सभी पोस्ट पर भारी मशीनों का परिचालन भी होता रहता है। कोयला चोरी के दौरान दुर्घटना होने की भी संभावना बनी रहती है। राजू राम ने पुलिस को बताया कि वहां सुरक्षाकर्मियों द्वारा कोयला चोरी रोकने का प्रयास किया जाता है तो कोयला चोर उन्हें गाली गलौज व मारपीट करते हैं।

गलत तस्वीर सोशल मीडिया में किया वायरल नाबालिग ने फंदे पर लटक कर दे दी जान ईद पर धूम मचाएगा ईरानी शीर खुर्मा व बंगाली लच्छा

AGENCY PALAMU: पलाम् जिले के मनात् थाना क्षेत्र के वंशीखुर्द पंचायत क्षेत्र में फोटो-वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल करने पर एक नाबालिग लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी डेड बॉडी घर से 700 मीटर दूर जंगल में सखुआ के पेड़ में फंदे से लटका मिला।

सूचना मिलने पर एसआई अनीश राज मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमआरएमसीएच में भेज दिया है। पूरे मामले में जांच की जा रही है। इस सिलसिले में नाबालिंग लड़की की मां की ओर से एफआइआर दर्ज करायी

आवेदन के अनुसार वंशीखुर्द पंचायत क्षेत्र के 20 वर्षीय दिलावर खां पिता स्व.मुखिया खां ने क्षेत्र की नाबालिग लड़की



का जबरदस्ती गलत तरीके से फोटो-वीडियो बना लिया था और सोशल मीडिया में वायरल कर दिया था, जब नाबालिग लड़की ने वायरल वीडियो-फोटो को देखा तो उसकी मानसिक स्थिति गड़बड़ा गयी। परिवार एवं समाज में बदनामी को देखते हुए उसने फांसी लगाकर इहलीला समाप्त कर ली।

जानकारी के अनुसार घटना शुक्रवार सुबह 10 बजे की है।

घटना के वक्त नाबालिग घर पर अकेली थी। उसके परिजन महुआ चुनने के लिए जंगल में गए हुए थे।

मां के अनुसार दिलावर और उसकी चचेरी बहन 19 वर्षीर्या जीनत खातून पिता शहजाद खां वीडियो-फोटो के बल पर उसकी बेटी पर जबरदस्ती शादी करने के लिए दबाव बना रहे थे। उसकी बेटी शादी नहीं करना

इसी कारण वीडियो को वायरल कर दिया। परिजनों ने पूरे मामले में जांच पड़ताल कर दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की अपील की है।

थाना प्रभारी निर्मल उरांव ने बताया कि एफआइआर दर्ज कर ली गयी है। घटना के बाद से आरोपी दिलावर और जीनत खातून फरार हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर

MUJTABA RIZVI @ JSR:

लौहनगरी में ईद की तैयारी तेज हो गई है। चांद के हिसाब से ईद 31 मार्च या एक अप्रैल को होगी। अधिक संभावना है कि 31 मार्च को ईद हो जाएगी। जमशेदपुर में ईद का बाजार सज गया है। मानगो के दो नंबर रोड और ओल्ड पुरुलिया रोड पर हर साल लगने वाला ईद का खास बाजार लग गया है। यहां दुकानों की भरमार है। कपड़े, सेवइयां, लच्छे, फुटवियर, बर्तन, सजावट का सामान, नकाब, टोपी आदि ईद को लेकर खरीदी जाने वाली सभी चीजों की दुकानें यहां खुल गई हैं। ईद के मौके पर सेवइयों की खरीदारी शुरू हो गई है और इस बार खास तौर पर ईरानी शीर खुर्मा सेवईं की धूम है। यह सेवईं पाकिस्तान के कराची होते हुए जमशेदपुर पहुंची है। शीर खुरमा सेवई की मांग बहुत बढ़ गई है।



लौहनगरी में सेवइयों के पर्व की तैयारी जोर-शोर से शुरू, बाजारों में आई रौनक

साकची में सेवई बेचते दुकानदार

बगाल के लच्छों की मांग अधिक साकची के एक दुकानदार बताते हैं कि लच्छे तो कई राज्यों से जमशेदपुर लाए

गए हैं। मगर, बंगाल के लच्छे काफी जायकेदार होते हैं। इसलिए बंगाल के लच्छों की शहर में खास डिमांड है। यह लच्छे देशी घी के भी बनाए जाते हैं।

स्थानीय और ब्रांडेड सेवइयों के साथ-साथ पाकिस्तान में तैयार शीर खुरमा सेंवई शहर के हर सेवईं दुकान में उपलब्ध है। इस विशेष सेंवई की कीमत अधिक है और यह 180 ग्राम के पैकेट में 140 रुपये में उपलब्ध है। इसमें कई प्रकार के ड्राई फ्रुट्स होते हैं

और यह पूरी तरह से तैयार होती है, जिसे केवल दुध में मिलाकर पकाया जा सकता है। कितनी सेंवई में कितना दुध मिलाना है यह इसके पैकेट पर लिखा होता है। इसका स्वाद बहुत ही लाजवाब है, यही कारण है कि इसकी मांग

वारणसी से आई खास सेवडयां भी उपलब्ध

मानगो में सेंवइयां बेच रहे अराफात बताते हैं कि उनकी दुकान में वाराणसी से आई खास किरम की सेंवई मौजूद है। यह सेवई विशेष आर्डर देकर बनवाई गई है। उनका कहना है कि उनके यहां देशी घी के लच्छे भी मौजूद हैं। अराफात ने बताया कि इस बार ईद पर सेवइयों की खूब बिक्री हो रही है। किमामी सेवई और लच्छे खूब खरीदे जा रहे हैं। उनकी दुकान पर कराची का शीर खुर्मा भी मौजूद है।

खुब खरीदा जा रहा अफलातून लच्छा

इसके अलावा, बाजार में अफलातून लच्छा सेवई भी तेजी से लोकप्रिय हो रही है। यह पहली बार बाजार में आई है और दुकानदार सैयद अख्तर के मुताबिक, इसे खासतौर पर सभी वर्गों के लिए तैयार किया गया है। कम खर्च करने वाले ग्राहकों के लिए रिफाइन और देसी घी मिलाकर 240 रुपये किलो और शुद्ध देसी घी वाली सेवई ४०० रुपये किलो की दर से उपलब्ध है।

पंजाबी सेवर्ड भी बनी लोगों की पसंद

वहीं, माकुटी और पंजाबी सफेद और पंजाबी भूरा सेवई की सबसे ज्यादा मांग हो रही है, जो 160 से 180 रुपये किलो की दर से बिक रही है। पटनहिया सेवई, जो लड़ के आकार में होती है, 140 रुपये किलो में बिक रही है। स्पेशल मशीन हैंडमेड सेवई 180 रुपये किलो में मिल रही है।

दाम में हुई है अच्छी खासी वृद्धि

इस साल सेवइयों की कीमतों में 15 से 20 फीसदी तक वृद्धि हो चुकी है, जिसका कारण शुद्ध घी, डालडा, रिफाइन और मैदा की कीमतों में इजाफा है। किमामी सेवई, जो पहले 80 रुपये किलो बिकती थी, अब 100 रुपये किलो हो गई है। इसके अलावा, ब्रांडेड सेवइयों में भी अलग–अलग फ्लेवर उपलब्ध हैं, जिनकी कीमत 260 रुपये किलो है। साकची में नकाब, स्ट्राल, इत्र, टोपी आदि की भी खासी बिक्री हो रही है। महिलाएं नए नकाब और स्ट्राल खरीद रही हैं। नमाजी नए जानमाज और टोपी ले रहे हैं। इंडोनेशिया, बांग्लादेश, तुर्की आदि देशों की टोपियां बेची जा रही हैं।











CITY



राज्य में बालू की बढ़ती

कीमतों को लेकर बाबूलाल ने सरकार पर बोला हमला

Saturday, 29 March 2025

नगर निगम सरहुल-ईद को लेकर चलाएगा विशेष सफाई अभियान

PHOTON NEWS RANCHI : नगर निगम ने सरहुल और ईद के मद्देनजर शहर में व्यापक सफाई अभियान शुरू किया है। निगम की सूची के अनुसार, 53 वार्डों में स्थित 298 अखड़ा और सरना स्थलों पर विशेष सफाई व्यवस्था की जा रही है।



तीन शिफ्ट में चलेगा अभियान

नगर निगम द्वारा सफाई अभियान तीन शिफ्टों में संचालित किया जा रहा है। इसमें सड़क स्वीपिंग, घास कटाई, ब्लिचिंग पाउडर का छिडकाव और स्टोन इस्ट की आपर्ति शामिल है।जहां से सरहुल शोभा यात्रा निकलेगी, उन मार्गी पर सात चालान शौचालय लगाए जाएंगे, वहीं 32 स्थानों पर पेयजल आपूर्ति के लिए वॉटर टैंकर की व्यवस्था की गई है।

प्रमुख सरना स्थलों पर विशेष ध्यान

नगर निगम ने प्रमुख सरना स्थलों जैसे सिरम टोली, शाहजानंद चौक, करमटोली चौक और फातमा बस्ती में सफाई व्यवस्था को प्राथमिकता दी है। जुलूस वाले संपर्क पथों को मैकेनिकल स्वीपिंग मशीन और पानी के टैंकर से धोकर स्वच्छ बनाया जाएगा।

ब्लीचिंग पाउडर का होगा छिड़काव

ईद को देखते हुए शहर की मस्जिदों और ईदगाहों में भी विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इन स्थानों पर मैकेनिकल स्वीपिंग मशीन से सफाई की जाएगी, साथ ही सड़क स्वीपिंग और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया जाएगा। नगर निगम के इस विशेष सफाई अभियान का उद्देश्य शहरवासियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है, ताकि त्योहारों का उल्लास बिना किसी असुविधा के मनाया जा सके।

रांची, जमशेबपुर, धनबाब और चाईबासा सिहत अन्य जगहों पर की गई छापेमारी

मार्च में जेबीवीएनएल ने दर्ज किए बिजली चोरी के 31511 मामले

झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) ने राज्य भर में बिजली चोरी रोकने की पहल के तहत मार्च महीने में 5,157 लोगों के खिलाफ बिजली चोरी मामले में एफआईआर दर्ज कराई है। मुख्यालय की एंटी-पावर थेफ्ट (एपीटी) इकाई के नेतृत्व में जेबीवीएनएल ने इस महीने में आठ बार राज्यव्यापी छापेमारी की। अभियान के दौरान क्षेत्रीय और मख्यालय स्तर के अधिकारियों की 119 टीमों ने बिजली चोरी के संदिग्ध 31511 परिसरों में छापेमारी की। इनमें से 5157 बिजली चोरी के मामले चिन्हित किए गए। इसके बाद भारतीय विद्युत अधिनियम 2003 के तहत उल्लंघन करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। जेबीवीएनएल के अधिकारियों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य न केवल घाटे की भरपाई करना है, बल्कि भविष्य में उल्लंघन को

जेबीवीएनएल के एंटी पावर थेफ्ट के महाप्रबंधक श्रवण कुमार ने कहा कि यह पहल बिजली चोरी के व्यापक मुद्दे के खिलाफ कानूनी उपायों को सुदृढ़ करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है, जो राज्य के बिजली वितरण नेटवर्क को

क्षेत्रीय और मख्यालय स्तर इस माह एक साथ कई जिलों ≫ लिए ५१५७ लोगों के खिलाफ ≫ में चलाया गया बिजली चोरी ≫ के अधिकारियों की ११९ टीमों की गर्ड एफआईआर के विरुद्ध अभियान ने लगातार किया काम वॉट्सएप से दें बिजली चोरी की सूचना जेबीवीएनएल ने लोगों से आग्रह किया है कि वे वाट्सएप या एसएमएस के माध्यम से महाप्रबंधक (एपीटी) को 94311–35515 पर सूचना देकर बिजली चोरी को रोकने में सहायता करें। सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। निगम नागरिकों से अपील करता है कि वे पूरे राज्य में निर्बाध और निष्पक्ष बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ऐसे प्रयासों में सक्रिय रूप से भाग लें।

रांची में ४६५ प्राथमिकियां

रांची में कुल 4039 छापे मारे गए, जिसके परिणामस्वरूप ४६५ एफआईआर दर्ज की गई। इनकी अनुमानित जुमार्ना राशि 60.81 लाख रुपये है। जमशेदपुर में 3,316 छापे और 408 एफआईआर दर्ज किए गए। इससे 56.60 लाख रुपये का मूल्यांकन हुआ। वहीं धनबाद में 3,101 जगहों पर छापा के बाँद 326 एफआईआर दर्ज किए गए। चाईबासा में 3,381 छापे और 271 एफआईआर दर्ज किए गए।

प्रभावित कर रहा है। गहन जांच अनिधकृत उपयोग का पता चलने के बाद बिजली के बड़े पैमाने पर के बाद एफआईआर दर्ज की गई।

यहां अदा कराई गई नमाज

रांची की जामा मस्जिद में अलविदा जुमा की नमाज मुफ्ती तलहा,

हववारी मस्जिद में शहर काजी मुफ्ती कमर आलम कासमी, राइन

मस्जिद में मुफ्ती अनवर कासमी, मस्जिद जाफरिया में मौलाना सैयद

मस्जिद में कारी अंसारुल्लाह, बड़ी मस्जिद में मुफ्ती इमरान नदवी,

मक्का मस्जिद में मौलाना तल्हा नदवी, छोटी मस्जिद में कारी एहसान,

इकरा मस्जिद में मौलाना मोहम्मद ने अदा कराई। इसके पूर्व अब्दुल्लाह

मस्जिद, डोरंडा वाली मस्जिद, हांडा मस्जिद समेत रांची शहर के सभी

मस्जिदों में अलविदा जुमा की नमाज अपने अपने समय पर मजिस्द के

तहजीबुल हसन् रिजवी, पत्थलकुदवा में मुफ्ती अब्दुल्ला अजहर, मदीना

जिससे कंपनी को कानूनी कार्रवाई करने के लिए कहा गया।

अनिल टाइगर के परिजनों से मिले बाउरी

भानु और नवीन

RANCHI: पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, भावनाथपुर के पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही, हटिया विधायक नवीन जायसवाल और भाजपा रांची महानगर अध्यक्ष वरुण साह ने शुक्रवार को भाजपा रांची ग्रामीण जिला के महामंत्री, रामनवमी समिति, कांके के अध्यक्ष और पूर्व जिला परिषद सदस्य दिवंगत अनिल महतो टाइगर के आवास पर उनके परिजनों से मुलाकात की। मौके पर सभी ने परिजनों को आश्वस्त किया कि भाजपा परिवार इस दख की घडी में उनके साथ है और पार्टी अनिल महतो टाइगर के हत्यारे को कड़ी

सजा दिला कर रहेगी।

झारखण्ड प्रदे

PHOTON NEWS RANCHI:

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबुलाल मरांडी ने झारखंड में बालू की किल्लत और बढ़ती कीमतों को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि बालू के अवैध कारोबार में सरकार, खनन माफिया, टांसपोर्टर, अधिकारी और दलालों की मिलीभगत है, जिससे आम जनता को भारी कीमत चुकानी पड रही है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि राज्य में बालू के लिए हाहाकार मचा हुआ है और आम जनता की जेब से मनमानी कीमत वसूली जा रही है। मरांडी ने कहा है कि रांची में निर्माण कार्य के लिए इस्तेमाल होने वाला बालू मुख्यत सिल्ली, बुंडू और सोनाहातू से लाया जाता है। बालू घाट से निकलने पर इसकी कीमत लगभग 5,000 रुपये होती है, लेकिन रांची पहुंचते-पहुंचते कीमत 45,000 के पार

चली जाती है। बाबूलाल ने इस 60 किमी की दूरी में बालू की कीमत में नौ गुना इजाफे को एक संगठित अवैध कारोबार का नतीजा बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस अवैध कारोबार में मुख्यमंत्री, खनन माफिया, ट्रांसपोर्टर, अधिकारी और दलालों का

गठजोड़ शामिल है। बालू घाट पर अवैध एंट्री, परिवहन के दौरान अवैध पासिंग और ब्लैक मार्केटिंग के माध्यम से भारी रकम वसूली जा रही है। झारखंड में लगभग 440 बाल घाटों में से केवल 31 कानूनी रूप से संचालित हैं, जिसके दामों पर बाल खरीदना पड़ रहा को कम किया जा सके।

अपराधियों को संरक्षण नहीं दें सीएम : मरांडी

RANCHI: भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा हमला बोला है। मरांडी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राजधानी रांची में बीते दो दिनों में दो लोगों की नृशंस हत्या हुई, लेकिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रमजान की इफ्तार और ईद की बधाइयों में व्यस्त हैं। उन्होंने सरकार से इन हत्याओं की जिम्मेदारी लेने की मांग की बाबूलाल ने आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन की ओर से पोषित अपराधियों का वार इतना घातक हो गया है कि आम जनता असमय काल के गाल में समा जा रही है। उन्होंने कहा कि सुहागिनों का सिंदूर मिट रहा है, बच्चे अनाथ हो रहे हैं और पूरे परिवार उजड़ जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से कानून व्यवस्था को सुधारने की अपील की और चेतावनी दी कि अगर सरकार डायलॉगबाजी छोड़कर एक्शन नहीं लेती, तो विपक्ष भी पलटवार करने में

है। मरांडी ने इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि वे झारखंड में चल रहे हजारों करोड़ के अवैध बालू कारोबार तंत्र को ध्वस्त करें, ताकि आम जनता को सस्ती कीमत पर पर्याप्त बालू उपलब्ध कारण आम आदमी को महंगे हो सके और राजस्व के नुकसान

सक्षम है।

BRIEF NEWS तीन माह का वेतन मिलने से एचईसी कर्मियों में खुशी, जताया आभार



एक साथ तीन माह का वेतन मिलने से उनमें खुशी का माहौल है। केंद्र सरकार ने एचईसी के आकांक्षा परियोजना के एवज में कुल 43.95 करोड़ रुपये एचईसी को भगतान किया है। इसमें से एचईसी की ओर से कर्मियों के वेतन के मद में 24 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। वहीं एचईसी मजदुर संघ के महामंत्री रामाशंकर प्रसाद ने कहा कि कर्मियों को वेतन दिलाने में एचईसी प्रबंधन के अलावा केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और भाजपा नेता विनय जायसवाल की महती भूमिका रही है। उन्होंने एचईसी कर्मियों की ओर से उपर्युक्त नेताओं के प्रति आभार प्रकट किया है। उल्लेखनीय है कि एचईसी पर कर्मियों का तीन वर्षों का बकाया वेतन है। बकाया वेतन नहीं मिलने से कर्मियों में काफी निराशा थी, लेकिन गुरुवार को वेतन का भगतान होने से उनमें नई आशा का संचार हुआ है। और कर्मचारी बेहतर भविष्य को लेकर आशान्वित हैं।

हाथों में काली पट्टी बांधकर अदा की गई अलविदा जुमे की नमाज

PHOTON NEWS RANCHI: शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय के पवित्र माह रमजानुल मुबारक महीने के आखिरी जुमे की नमाज रांची की सभी मस्जिदों में अपने अपने निर्धारित समय पर अदा की गई। राजधानी रांची के लगभग सभी मस्जिदों में मुसलमानों ने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, जमीयत उलेमा-ए-हिंद और इमारत शरिया के आह्वान पर वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ हाथों पर काली पट्टी बांध कर नमाज अदा की। इस महीने का अलविदा जुमा होने के कारण बच्चों में जहां उत्साह था, वहीं बड़े बुजुर्ग केंद्र सरकार के वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ नजर आए। सभी ने एक



आवाज में कहा हमें वक्फ संशोधन बिल मंजूर नहीं। हम ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, जमीयत उलेमा-ए-हिंद, इमारत शरिया के साथ खड़े हैं। रमजानुल मुबारक महीने के बारे में

विस्तार से जामा मस्जिद के खतीब

मुफ्ती तलहा नदवी, हववारी मस्जिद के खतीब मुफ्ती कमर आलम कासमी, राइन मस्जिद के खतीब मफ्ती अनवर कासमी ने कहा है कि रमजान का महीना बड़े ही रहमतों और बरकतों का महीना होता है। इसमें तीन असरे होते हैं। महत्वपर्ण होता है।

पेश इमाम ने अदा कराई।

एक असरा रहमत का, दसरा मगफिरत का और तीसरा आग से खलासी का जो अभी चल रहा है। इस आखरी असरे में कुरान पाक नाजिल हुआ था। इसलिए यह आखरी असरा काफी अहम और

३५ पोल के बिजली तार की चोरी, किसानों ने थाने में की शिकायत

RANCHI: नरकोपी थाना क्षेत्र के सेरो टोली एरगोरो गांव में गुरुवार की रात में अज्ञात चोरों ने सिंचाई के लिए लगे बिजली तार की चोरी कर ली। चोर ट्रांसफार्मर से जुड़े 35 पोल के एलटी तार को काटकर ले गए, जिससे पूरे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। बताया जा रहा है कि यह तार किसानों की सिंचाई व्यवस्था के लिए लगाया गया था, लेकिन हाल के दिनों में बारिश होने के कारण खेतों में आवाजाही कम थी। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने इस घटना को अंजाम दिया। चोरी की इस घटना से प्रभावित 42 किसानों ने नरकोपी थाना में मामला दर्ज कराया है और प्रशासन से जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

हत्या के विरोध में झिरी चौक के पास सड़क जाम, लोगों ने किया प्रदर्शन

PHOTON NEWS RANCHI पंडरा ओपी क्षेत्र के रवि स्टील के पास स्थित विशाल फटवियर दुकान के संचालक और आजसू पार्टी के रात प्रखंड उपाध्यक्ष भपल साह की हत्या के विरोध में शुक्रवार को झिरी चौक के पास सड़क जाम कर दिया गया। घटना से आक्रोशित लोगों ने सडक पर बांस-बली लगाकर रास्ता जाम कर दिया और टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आसपास की दुकानों को भी बंद करा दिया।

घटना की सूचना मिलते ही पंडरा पुलिस मौके पर पहुंची है और



आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर कर जाम हटाने का प्रयास किया। आरोपितों के गिरफ्तारी की मांग को लेकर स्थानीय लोग सड़क पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पंडरा के रवि स्टील के समीप स्थित विशाल फुटवियर नामक दुकान के संचालक और आजसू पार्टी के रातू प्रखंड के उपाध्यक्ष भुपल साह का अपराधियों ने गला रेत दिया था। जख्मी हालत में उन्हें रातू के सिमलिया रिंग रोड स्थित इस्टर्न अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां गुरुवार देर रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी थी।

पिटोरिया थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैटक, इफ्तार का भी हुआ आयोजन

पिठोरिया थाना परिसर मे शांति समिति सह इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इस आयोजन मे प्रशासनिक अधिकारी के साथ शांति समिति के सदस्य और प्रतिनिधि शामिल हए। मौके पर थाना प्रभारी अभय कुमार ने कहा कि इस वर्ष एक साथ ईद, सरहल और रामनवमी का त्योहार हम सभी मनाने जा रहे हैं। यह बहुत ही खशी की बात है। हम त्योहार को त्योहार की तरह मनाएं और इस पर कोई खलल डालने की कोशिश

करता है, तो उसपर प्रशासन सख्त



कार्रवाई करेगा। हम सबकी जिम्मेदारी है कि शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार को संपन्न कर क्षेत्र के लिए एक मिसाल कायम कर सकें। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन हर वक्त आपके लिए खड़ा है। अगर

कहीं से भी किसी तरह का संदेह हो तो पलिस को तरंत खबर करे साथ ही थाना प्रभारी ने हिदायत देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर ऐसे मैसेज न डालें, जिससे किसी अन्य समुदाय को ठेस पहुंचे।

बेड़ो में अलविदा जुमे की नमाज के लिए

मस्जिदों में उमड़ी भीड़ RANCHI: शुक्रवार को बेड़ो प्रखंड के कई गांवों में अलविदा जुम्मा को अकीदत, एहतराम और भाईचारे के साथ मनाया गया। सुबह से ही मस्जिदों में रोजेदारों की भीड़ उमड़ पड़ी। प्रखंड के करांजी जामा मस्जिद, जराटोली मदीना मस्जिद, घाघरा, केशा, चचकोपी, नरकोपी, महरू, बिल्टी, तुको, दिघिया, टंगराटोली, भोगलाटोली व चान्हो गांव की मस्जिदों में लोगों ने नमाज अदा की। मस्जिदें रोजेदारों से भर गईं। नमाज के दौरान मस्जिद के इमाम ने अमन, चैन और इंसानियत का संदेश दिया। अलविदा जुम्मा की नमाज के बाद लोगों ने खुदा से देश-दुनिया में शांति, तरक्की और इंसानियत के लिए दुआ मांगी। मस्जिद कमेटियों ने अलविदा जुम्मा की नमाज के लिए बेहतरीन इंतजाम किए।

आचरण और भाषा से बच्चों का करें मूल्यांकन : प्राचार्य

कांके रोड स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल सीसीएल गांधीनगर के जुनियर विंग में शुक्रवार को एलकेजी और यूकेजी के नए छात्रों के लिए संस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों के साथ अभिभावक भी होकर यज्ञ,आशीर्वाद और संस्कार कार्य में शामिल हुए। इस अवसर पर अभिभावकों को डीएवी की मान्यताओं और उद्देश्यों से परिचित कराया गया। कार्यक्रम में स्कूल के प्राचार्य प्रदीप कुमार झा ने कहा कि अभिभावकों को चाहिए कि बच्चों की ओर से प्राप्त किए गए अंकों के आधार पर ही उनका मुल्यांकन न करें, बल्कि उनके आचरण, उनकी भाषा और व्यवहार भी



देखें। प्राचार्य ने कहा कि मौजूदा समय में देश को ऐसे नागरिकों की जरूरत है जिनमें ज्ञान, विज्ञान, कला, व्यापार के साथ चरित्र, अनशासन. संवेदनशीलता और देशभक्ति जैसे गुण हों। हमारा देश चरित्र प्रधान देश रहा है। शिक्षा के साथ चरित्र का समन्वय योग्य नागरिकों को जन्म देता है जो मानवता की कसौटी भी है। उन्होंने कहा कि बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराने पर अभिभावकों का उत्तरदायित्व और भी बढ़ जाता है।

सीईओ के रवि कुमार ने जिलों के निर्वाचन अधिकारियों के साथ की बैठक, बोले-

निर्वाचन की गाइडलाइंस को ध्यान में रखकर करें काम

PHOTON NEWS RANCHI: मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के रवि कुमार ने शक्रवार को निर्वाचन से जुड़े निर्वाचन जिला पदाधिकारी-सह-उपायुक्तों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से महत्वपूर्ण बैठक की। जिसमें उन्होंने चुनाव प्रक्रिया को सही तरीके से संचालित करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कहा कि

प्रकार के शॉर्टकट से बचें। राजनीतिक दलों के साथ करें बैठक: सीईओ ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने सभी के जिला निर्वाचन

निर्वाचन के गाइडलाइंस के

अनुसार कार्य करें, किसी भी

शॉर्टकट के लिए कोई जगह नहीं इनकी रही मौजूदगी



पदाधिकारियों और ईआरओ को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठक करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक

दलों से प्राप्त सुझावों को

निर्वाचन के कानूनी प्रावधानों के

अनुसार क्रियान्वित करना आवश्यक है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यदि राजनीतिक दलों या मतदाताओं द्वारा मतदाता पहचान पत्र से संबंधित कोई मामला सामने आता है, तो उसका ससमय निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रमों में किए गए सुधारों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि मतदाताओं के

बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन

पदाधिकारी सुबोध कुमार, सहायक

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास

सुनील कुमार सहित सभी जिलों के

संबंधित अधिकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग

जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–

उपायुक्त, ईआरओ, उप निर्वाचन

पदाधिकारी और अन्य निर्वाचन

के माध्यम से उपस्थित थे।

दत्ता, अवर निर्वाचन पदाधिकारी

गलतियां हो सकती हैं, जो चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता को प्रभावित कर सकती हैं। विधानसभा निर्वाचन की पुस्तिका का विमोचन : बैठक के दौरान के रवि कुमार ने विधानसभा निर्वाचन 2024 से संबंधित एक पुस्तिका का विमोचन भी किया। जिसमें

पंजीकरण के दौरान भारत

गाइडलाइंस को ध्यान में रखते

हुए कंप्यूटर ऑपरेटरों को

कार्य करने की सलाह दी।

उन्होंने चेतावनी दी कि

शॉर्टकट का इस्तेमाल करने से

आयोग

विधानसभा चुनाव से जुड़े आंकड़े और अन्य जानकारी

साझा की गई है।

आज डिमना से निकलेगी

भव्य हिंदू नववर्ष यात्रा

समाचार सार

शहादत दिवस पर याद किए गए अब्दुल बारी



शुक्रवार को झामुमो के संपर्क कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा हुई। इसमें साथ मजदुर के मसीहा भी

थे। मऊभंडार मजदूर यूनियन, मुसाबनी माइंस मजदूर यूनियन व टाटा वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष थे। आज ही के दिन महात्मा गांधी की एक सभा में शामिल होने पटना जा रहे थे कि ट्रेन में ही उनकी हत्या कर दी गई थी। इस अवसर पर कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष सत्यजीत सीट सहित

बोलानी के जंगल में मिला लापता बुजुर्ग का शव



60 वर्षीय अरुण झा के रूप में हुई, जो 24 मार्च की सुबह से लापता थे। परिजन उनकी लगातार तलाश कर रहे थे। शव की बरामदगी के बाद परिजनों का रो-रो कर

किरीबुरु निवासी अरुण झा रविवार को तड़के करीब 3 बजे अपने घर से अचानक निकल गए थे और वापस नहीं लौटे। बेटे मुनटुन झा ने बताया कि उनके पिता को भूलने की बीमारी थी और इससे पहले भी वह दो-तीन बार रास्ता भटक चके थे. मगर हर बार वापस लौट आए थे या खोज लिए गए थे। इस बार उनकी तलाश नाकाम रही। शुक्रवार को दोपहर में किरीबुरु से कुछ युवक बकरी चराने के लिए जंगल गए थे। उन्होंने ही झाड़ियों के पास एक शव पड़ा देखा। उन्होंने किरीबुरु लौटकर मुखिया पार्वती किड़ो को जानकारी दी। मुखिया पार्वती किड़ो ने तुरंत अरुण झा के पुत्र मुनटुन झा को सूचना दी।

कुमारडुंगी की तीरंदाजों ने जीते 2 रजत पदक



जुनियर नेशनल प्रतियोगिता में कुमारडुंगी, चाईबासा की दो तीरंदाज अंजली पुरती एवं सलवंती गोडसोरा ने रिकर्व टीम में रजत पदक जीता, वहीं व्यक्तिगत स्पर्धा में अंजलि पुरती ने रजत पदक

बालक तीरंदाज मंगल सिंह लागुरी ने टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इसके लिए जिले के उपायुक्त कुलदीप चौधरी, जिला खेल पदाधिकारी रूपा रानी तिर्की सहित सभी प्रशिक्षक एवं खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर जयपाल सिरका का स्वागत

CHAIBASA: अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर जयपाल सिरका के चाईबासा



आगमन पर आदिवासी हो समाज युवा महासभा सहित विभिन्न स्पोर्ट्स जगत से जुड़े लोगों ने जोरदार स्वागत

कप 2025 में भाग लेकर चाईबासा लौटे हैं। इस प्रतियोगिता में 16 देशों ने भाग लिया था। इसमें भारतीय टीम को 18 वर्षों के बाद मौका था, लेकिन नॉकआउट में जगह नहीं बना पाई। लेकिन, जयपाल सिरका ने अपनी पहचान बना ली।

विहंगम योग की स्वर्वेद यात्रा कल

JAMSHEDPUR : हिंद नववर्ष पर विहंगम योग संत समाज द्वारा विश्वशांति कामनार्थ राष्ट्रीय स्तर पर पूरे देश में 30 मार्च को स्वर्वेद यात्रा निकाली जाएगी। विहंगम योग टाटा आश्रम ८, जुबिली रोड, बिष्टुपुर से प्रातः 8 बजे यह यात्रा प्रारंभ होकर मोदी पार्क डायमंड गोलचक्कर होते हुए जुस्को कार्यालय होकर पुनः विहंगम योग आश्रम आकर समाप्त होगी। यात्रा के उपरांत विश्वशांति वैदिक महायज्ञ होगा।

टाटा मोटर्स में रविवार को होगा काम

JAMSHEDPUR: टाटा मोटर्स कंपनी में 30 मार्च (रविवार) को साप्ताहिक अवकाश के दिन कामकाज होगा। जनरल ऑफिस भी खुला रहेगा। रविवार को कामकाज के बदले कंपनी ने 1 अप्रैल को छुट्टी दी है। वहीं 31 मार्च को ईद को लेकर छुट्टी घोषित की है। ऐसे में रविवार को कंपनी में कामकाज होगा। सोमवार और मंगलवार दो दिन कर्मचारियों को छुट्टी मिलेगी। इस सबंध में टाटा मोटर्स के प्लांट हेड सुनील कुमार तिवारी के हस्ताक्षर से सर्कुलर जारी कर दिया गया है।

टाटा मोटर्स में निकली 225 बाइसिक्स कर्मचारियों की सूची

JAMSHEDPUR: टाटा मोटर्स के अस्थायी कर्मियों (बाइसिक्स) के स्थायीकरण की प्रक्रिया जारी है। इसी क्रम में शुक्रवार को 225 कर्मियों की सची जारी की गई है। टाटा मोटर्स लेबर ब्यरो के सचना पट पर आवश्यक निदेशों के साथ उन सभी कर्मचारियों की सची लगा दी गई है ,जो नियमानुसार स्थायी होंगे। स्थायी होने वाले कर्मचारियों का यह छठा बैच है, जिनकी सूची जारी की गई है।

'मिड डे मील' खाने के बाद 20 बच्चे हुए बीमार, एक की मौत 🎒

गंभीर हालत में एक छात्रा को लाया गया सदर अस्पताल, गांव में नहीं पहुंची मेडिकल टीम

पश्चिमी सिंहभम जिले के जगन्नाथपर विधानसभा क्षेत्र के जेटेया पंचायत स्थित नयागांव में मिड डे मील खाने के बाद 20 से अधिक बच्चे बीमार हो गए, जबिक एक मासूम की मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। कुछ बच्चों का इलाज जगन्नाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। अन्य का उपचार चंपुवा स्थित निजी अस्पतालों में किया जा रहा है। गुरुवार को प्राथमिक विद्यालय नयागांव ओड़िया स्कूल में नियमित रूप से पढाई कर रहे बच्चों ने दोपहर का मिड डे मील भोजन किया। कुछ ही देर बाद बच्चों में उल्टी-दस्त की शिकायत होने लगी। हालात बिगड़ने पर 6 वर्षीय आयुषी गोप की शाम को मृत्यु हो गई। अन्य

PHOTON NEWS CHAIBASA:

पश्चिमी सिंहभूम में सुरक्षाबलों ने संयुक्त अभियान में टोन्टो थाना क्षेत्र के जंगलों में

नक्सिलयों द्वारा छिपाए गए हथियार और

अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है।

सुरक्षाबलों ने गुप्त सूचना के आधार पर

तलाशी अभियान के दौरान 28 आईईडी, 23

डेटोनेटर, 25 किलो यूरिया, 1 किलो गन

पाउडर, 50 फीट वायर, 250 मीटर कॉर्डेक्स

वायर, 150 मीटर सेफ्टी फ्यूज सहित अन्य

दैनिक उपयोग की सामग्री शामिल बरामद

किए। सुरक्षा बलों ने बरामद विस्फोटकों को

मौके पर ही निष्क्रिय कर दिया। पुलिस

अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के संयुक्त

अभियानों से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति

स्थापित करने में मदद मिलेगी। इस संयुक्त

अभियान में जिला पुलिस और सीआरपीएफ

197 बटालियन के जवान शामिल थे। पश्चिमी

सिंहभूम के एसपी आशुतोष शेखर ने कहा

कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि

क्षेत्र में नक्सिलयों के नेटवर्क को पूरी तरह

JAMSHEDPUR : मानगो के

आजादनगर रोड नंबर-२० में २१

वर्षीय अरमान अली नामक

युवक पर अज्ञात हमलावरों ने

चापड से जानलेवा हमला कर

दिया। अरमान कपाली के चांदनी

चौक का रहने वाला है और

हाल ही में हैदराबाद से घर लौटा

था। घटना गरुवार की देर रात

लगभग 3 बजे की है, जब

अरमान शब-ए-कद्र की रात

(लैलतुल कद्र) में इबादत करने

उसने घर में कहा था कि वह

सहरी के समय से पहले घर

पहुंच जाएगा और घर में ही

सहरी करेगा। तभी कुछ युवकों ने

अरमान पर चापड़ से हमला कर

उसे लहूलुहान कर दिया। उसे

तुरंत टीएमएच ले जाया गया।

घटना की जानकारी मिलने के

बाद परिजन अस्पताल पहुंचे।

घर से निकला था।

आजादनगर में युवक पर किया

जानलेवा हमला, हालत गंभीर

अस्पताल में इलाजरत घायल

यहां उसकी गंभीर हालत को

देखते हुए, डॉक्टरों ने उसे रांची

के राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ

मेडिकल साइंसेज (रिम्स) रेफर

कर दिया है। घटना के बाद से

इलाके में दहशत का माहौल है।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू

कर दी है और हमलावरों की

तलाश जारी है। हमले का कारण

अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।



सदर अस्पताल में छात्रा का इलाज करते चिकित्सक

जगन्नाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। यहां डॉ. ब्रजमोहन हेस्सा की देखरेख में उनका इलाज जारी है। सभी बच्चों को स्लाइन चढ़ाया जा रहा है। गंभीर रूप से बीमार बच्चों में 9 वर्षीय दीपांजलि गोप. 8 वर्षीय आरोही गोप और 10 वर्षीय अनीष कुमार गोप शामिल हैं। सभी बच्चे नयागांव गोप टोला के

सुरक्षाबलों ने बरामद किए 28 आईईडी

व २३ डेटोनेटर सहित कई सामान

जंगल से बरामद विस्फोटक सामग्री व अन्य

इन नक्सलियों को खिलाफ चल रहा अभियान

प्रतिबंधित भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के शीर्ष नेता

मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय

महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटू लोहरा, चंदन लोहरा,

अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत, रापा मुंडा अपने दस्ता

सदस्यों के साथ सारंडा,कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के

अभियान में ये रहे शामिल

पुलिस, कोबरा 203 बीएन, 209 बटालियन, झारखंड जगुआर

एवं सीआरपीएफ 26. 60, 134, 174, 193 व 197 बटालियन

१३ से २६ अप्रैल तक रह

रहेगी गीतांजलि एक्सप्रेस

JAMSHEDPUR : बिलासपुर रेल

मंडल में विकास कार्यों के कारण ट्रेन

नंबर-12859 मंबई-हावडा गीतांजील एक्सप्रेस को 11 से 24 अप्रैल तक रह

करने की सूचना जारी की गई थी। इस

सर्कुलर में सुधार करते हुए अब इसे 13

अप्रैल से 26 अप्रैल के बीच रद्द करने की

घोषणा हुई है। इतने लंबे समय तक

गीतांजलि एक्सप्रेस के रद्द होने से मुंबई,

नागपुर, रायपुर से टाटानगर, खड़गपुर

और हावड़ा जॉने वाले यात्रियों को परेशानी

होगी। मालम हो कि गीताजलि एक्सप्रेस

झाङ्ग्राम-धनबाद- झाङ्ग्राम

आद्रा रेल मंडल में विकास कार्यों के

कारण टाटानगर से होकर चलने वाली

ट्रेन नंबर- 18019/18020 झाडग्राम-

धनबाद–झाडग्राम एक्सप्रेस ३ अप्रैल को

रद्द रहेगी। वहीं ट्रेन नंबर- 68056

टाटा-आसनसोल मेम् १ से ६ अप्रैल के

बीच आद्रा में शॉर्ट टॉर्मिनेट होगी। यह

ट्रेन आसनसोल तक नहीं जाएगी। वहीं

दुसरी ओर ट्रेन नंबर– 18601 टाटा–

हॅटिया मेमू 2 अप्रैल को बदले मार्ग से

चलेगी। यह ट्रेन चांडिल-गुंडाबिहार-

मुरी के बदले चांडिल- पुरुलिया-

कोटशिला– मुरी के रास्ते चर्लेगी।

हावड़ा–मुंबई रूट की प्रमुख ट्रेन है।

३ अप्रैल को रहेगी कैंसिल

की टीमों का एक संयुक्त दल गठित कर लगातार अभियान

नक्सिलयों का खिलाफ चल रहे हैं अभियान में चाईबासा

निवासी हैं। इनमें से एक बच्चे को बताया जा रहा है कि करीब 20-25 बच्चे डायरिया की चपेट में आ चुके हैं, जिनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। गांव के मुखिया संजित कुमार तिरिया ने

सूचना मिलने के बावजूद अब तक कोई मेडिकल टीम गांव नहीं पहुंची है, जिससे ग्रामीणों में भय और आक्रोश है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से केवल एएनएम भेजी गई हैं, जो डायरिया की जगह मलेरिया का परीक्षण कर रही हैं। इस लापरवाही को लेकर स्थानीय लोगों में रोष

• फोटोन न्यूज

काव्य निर्झर ने सोनारी में किया कवि सम्मेलन



JAMSHEDPUR: साहित्यिक मंच काव्य निर्झर ने शुक्रवार को सोनारी स्थित आर्किड रेसीडेंसी में काव्य संध्या का आयोजन किया। अध्यक्षता कवि मामचंद्र अग्रवाल उर्फ बसंत जमशेदपुरी ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रुप में तुलसी भवन के मानद महासचिव डॉ. प्रसेनजित तिवारी तथा विशिष्ट अतिथि अनिता सिंह एवं साहित्य समिति सचिव डॉ. अजय ओझा मंचासीन रहे। कार्यक्रम में रीना सिन्हा ने अपनी भावपूर्ण गजल से श्रोताओं का दिल जीत लिया, सुष्मिता मिश्रा 'सलिलात्मजा' की हास्यपूर्ण रचना सुन तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार गूंज उटा। इसी प्रकार डॉ. लता मानकर 'प्रियदर्शिनी' ने भी सुमधुर स्वर में गीत गाकर श्रोताओं के मन में रस घोल

दिया। अंकिता सिन्हा, रिम्मी वर्मा, डॉ.

वीणा पांडेय 'भारती'. डॉ . संध्या सिन्हा

व उपासना सिन्हा ने भी गीत-कविताओं

मां ने बताई आपबीती

चाईबासा सदर अस्पताल में भर्ती 5 वर्षीय इतिश्री गोप की मां शकुंतला गोप ने बताया कि उनकी बेटी ने स्कूल में भोजन करने के बाद इल्टी–दस्त की शिकायत की, जिसके बाद उसे जगन्नाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। हालत बिगड़ने पर उसे चाईबासा रेफर कर दिया गया, जहां उसकी स्थिति गंभीर

प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग पर उठ रहे सवाल

इस घटना के बाद प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अब तक प्रभावित क्षेत्र में न ही चिकित्सा टीम पहुंची और न ही पीड़ितों को समुचित इलाज मिल पा रहा है। स्थानीय लोग जल्द से जल्द उचित चिकित्सा सहायता और समस्या के समाधान की मांग

JAMSHEDPUR: हिंदू उत्सव समिति द्वारा शनिवार को मानगो के डिमना चौक से हिंद नववर्ष यात्रा निकलेगी। यह यात्रा मानगो चौक होते हुए मानगो बस स्टैंड गोलचक्कर से होते हए बंगाल क्लब के रास्ते साकची स्थित सुभाष (आमबगान) मैदान तक जाएगी। यहां २१ पुरोहितों-पंडितों द्वारा व हजारों रामभक्तों द्वारा भारत माता की भव्य आरती होगी। इसमें आकर्षण के केंद्र श्रीराम की 21 फीट ऊंची प्रतिमा, श्रीराम दरबार, शिव परिवार अघोरी नत्य व रामगढ का डंका. बानर सेना आधुनिक भव्य डीजे आदि होंगे। उक्त जानकारी शुक्रवार को डिमना चौक स्थित होटल सन इंटरनेशनल में पत्रकारों को दी गई जिसमें हिंदू उत्सव समिति के संरक्षक उपेंद्र कुमार सिंह उर्फ मस्तान, डॉ. कविता परमार, मुकेश मित्तल, शंकर रेड्डी, अधिवक्ता राजहंस तिवारी, रथ यात्रा के अध्यक्ष बापी पात्रो, धर्मेंद प्रसाद, समिति के अध्यक्ष अधिवक्ता रवि पकाश यात्रा संयोजक मत्यंजय सिंह, पवन सिंह, बाला प्रसाद, प्रिंस राम, धीरज, सुखदेव, अश्वनी, गौ रक्षा से अवतार सिंह परमार,अक्षय

कोडा आदि ने दी।

मुखिया कार्यशाला में बताई गई नए वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना



कार्यक्रम में शामिल डीडीसी अनिकेत सचान व मुखिया

JAMSHEDPUR : जिला प्रशासन एवं पिरामल फाउंडेशन द्वारा शुक्रवार को साकची स्थित होटल केनेलाइट में एक दिवसीय मुखिया कार्यशाला हुई, जिसमें उन्हें नए वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना से अवगत कराया गया। आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत पंचायतों को सक्षम बनाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं पंचायती राज प्रक्षेत्रों में संचालित योजनाओं के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 की

सुझाव भी लिए गए। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में उपविकास आयुक्त अनिकेत सचान शामिल हुए, जबकि पोटका, मुसाबनी, पटमदा एवं बोड़ाम प्रखंड के मुखिया शामिल थे। कार्यशाला के माध्यम से उपस्थित मुखिया को जानकारी दी गई कि स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायत क्षेत्र का समग्र विकास किया जा सकता है तथा इसमें मुखिया की

से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्ययोजना तैयार करने के संबंध में क्या भूमिका एवं जिम्मेदारी होगी। पुलिस ने किया दंगा से निपटने का पूर्वाभ्यास

गोलमुरी पुलिस लाइन में मॉक ड्रिल के दौरान दागे गए आंसू गैस के गोले

PHOTON NEWS JSR:

आगामी त्योहारों के मद्देनजर शांति और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए गोलमुरी पुलिस लाइन में शुक्रवार को पुलिस ने मॉक ड्रिल किया। इसमें पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़ने, भीड़ नियंत्रित करने के उपायों, स्टेन बम के प्रयोग और अग्निशमन यंत्र चलाने का अभ्यास किया। मॉक ड्रिल में मार्गदर्शन कर रहे एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि आगामी त्योहारों को देखते हुए पिछले दस दिनों से पलिस तैयारियों में जुटी है। अगले दस दिनों में सरहुल, हिंदू नववर्ष, रामनवमी और ईद जैसे महत्वपूर्ण त्योहार मनाए जाएंगे। इस दौरान सड़कों पर जुलूस निकलेगा और धार्मिक उत्साह के साथ लोग अपने त्योहारों का आयोजन करेंगे। ऐसे में विधि व्यवस्था बनाए



गोलमुरी स्थित पुलिस लाइन में मॉक ड्रिल करते पुलिस के जवान

रखने के लिए पलिस परी तरह से तैयार है। पर्व के दौरान पुलिस ने संवेदनशील इलाकों में सीसीटीवी कैमरा लगाने और ड्रोन के माध्यम से निगरानी रखने की योजना बनाई है। संवेदनशील स्थलों पर मजिस्टेट तैनात किए जाएंगे। पुलिस बल की भी तैनाती होगी। एक क्यूआरटी भी गठित की गई

है। इसके अलावा, उपद्रवियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) के तहत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस कर्मियों को दंगा नियंत्रण के कानूनी पहलुओं की जानकारी भी दी गई। मॉक ड्रिल में एसपी कुमार शिवाशीष सहित अन्य पलिस अधिकारी भी मौजूद थे।

वक्फ बिल का किया गया विरोध, मानगो से लेकर कीताडीह तक पुलिस का रहा सुरक्षा पहरा

काली पट्टी बांध कर अदा की गई रमजान के अलविदा जुमा की नमाज

PHOTON NEWS JSR:

आखिरी जुमे की नमाज अदा करने के लिए शुक्रवार को मस्जिदों में भीषण गर्मी के बाद भी रोजेदारों की भीड़ रही। शहर में 39 डिग्री पर पारा रहा मगर, नमाजी टस से मस नहीं हुए। नमाज पढ़ने के लिए मस्जिदों में पहुंचे लोगों ने बांहों पर काली पट्टी बांध रखी थी। नमाजियों ने बताया कि वह वक्फ बिल का विरोध कर रहे हैं। वक्फ के साथ छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वक्फ को लेकर सरकार की नीयत ठीक नहीं है। मानगो की बारी मस्जिद समेत शहर की कई मस्जिदों में नमाजी धूप में सड़क पर खड़े होकर नमाज पढ़ रहे थे। साकची जामा मस्जिद में 10 हजार के आसपास नमाजियों ने जुमा की नमाज अदा की। रोजेदारों ने नम आखों से रमजान को अलविदा



बांह पर काली पट्टी बांधे मुस्लिम समुदाय के लोग

यहां पढ़ी गई अलविदा जुमा की नमाज

अलविदा जुमा की नमाज साकची जामा मस्जिद, मस्जिद-ए-रहमान साकची, आमबगान मस्जिद, धतकीडीह मस्जिद, मक्का मस्जिद, शास्त्रीनगर की फारुखी मस्जिद, शास्त्रीनगर की अहले ह़दीस मस्जिद, मानगो में बारी मस्जिद, मदीना मस्जिद, जाकिर नगर की शिया उम्मे खलील जामा मस्जिद, इमाम हुसैनी मस्जिद, ओल्ड पुरुलिया रोड की अहले हदीस मस्जिद, एकरा कॉलोनी मस्जिद, कपाली की मस्जिद-ए-हाजरा, बागानशाही मस्जिद, शबीना मस्जिद, मस्जिद-ए-उम्मे जमील कपाली आदि में पढी गई। जुमा के खुतबे में उलेमा ने ईद का त्योहार अमन और खुशी के साथ मनाने की अपील रोजेदारों से की।

कहा। सब को रमजान के विदा होने परवरदिगार आलम अगले साल ये का अफसोस था। दुआ हुई कि

पाक महीना फिर सबको अता

ईद पर जरूर निकालें फितरे की रकम

धतकीडीह की मक्का मस्जिद में पेश इमाम ने अलविदा जुमा की नमाज अदा कराई। उन्होंने रोजेदारों को बताया कि ईद के दिन फितरे की रकम नमाज से पहले निकालें। इस रकम को जितनी जल्दी हो सके गरीब तक पहुंचा दें ताकि वो परिवार भी ईद का इंतजाम कर सके। फितरे की रकम निकालना बेहद जरूरी है। मानगो की बारी मस्जिद में मौलाना ने नमाजियों को समझाया कि वो आपस में हुस्न-ए-सुलूक से रहा करें। किसी पर जुल्मों सितम ना करें। इस्लाम इंसानियत सिखाता है। मुसलमान वही है, जो दूसरे इंसानों के साथ नरमी से बर्ताव करे। उन्होंने मुल्क और काम की सलामती के लिए दुआ कराई।

इस महीने हम निजात हासिल कर पाए या नहीं

शिया जामा मस्जिद के पेश इमाम मौलाना जकी हैदर ने खुतबे में लोगों से कहा कि हम यह देखें कि इस पाक महीने में हम अपनी निजात और मगफिरत करा पाए या नहीं। हमने कितने रोजे रखे। कितनी नमाजें पढ़ीं। हमने यह काम अल्लाह के लिए किया या फिर दुनिया को दिखाने के लिए। अल्लाह के लिए इबादत की है तो इसका सवाब मिलेगा। दुनिया को दिखाने के लिए किया है तो फिर यह समझ लीजिए कि आमाल का सवाब आपकी नीयत के हिसाब से होता है।

फरमाए। शेर पढ़ा गया अलविदा उलेमा ने बताया कि ईद एकता का माहे रमजान अलविदा। खुतबे में

अंचल कार्यालय में हुई दावत-ए-इफ्तार

GHATSILA: अंचल कार्यालय परिसर में शुक्रवार को दावत-ए-इफ्तार का आयोजन किया गया। इसमें अनुमंडल पदाधिकारी सुनील चंद्र, डीसीएलआर नित निखिल सुरीन, कार्यपालक दंडाधिकारी अमन कुमार, अंचलाधिकारी निशांत अंबर सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।



• फोटोन न्यूज

अमन चैन की मांगी दुआएं

सभी मस्जिदों में जुटी भीड़

मस्जिद में नमाज अदा करते लोग

GHATSILA: मुस्लिम समुदाय का पाक और मुबारक महीना रमजान उल मुबारक अब रुखसत होने वाला है। चंद दिनों में यह खत्म हो जाएगा। परंतु इससे पहले शुक्रवार को अलविदा जुमा की नमाज क्षेत्र की विभिन्न मस्जिदों में हजारों लोगों ने अदा की। इस सभी मस्जिद दोपहर से ही गुलजार नजर आ रहे थे। नए-नए कपड़े पहनकर जवान बूढ़े बुजुर्ग बच्चे सभी

मस्जिदों की ओर जा रहे थे। हालांकि गर्मी के कारण लोगों को घर से निकलने में काफी परेशानी

इस मौके पर अपने मुल्क व दुनिया में अमन-चैन व खुशहाली की दुआ मांगी। इस महीने में दिल खोलकर गरीबों के बीच मुस्लिम समुदाय के लोग फितरा, जकात खैरात करते हैं। इसे बरकतों का महीना भी कहा जाता है।

सामान्य रूप से छोटे-छोटे भूरे रंग के कीड़े होते हैं। तथा बहुत बड़ी संखया में एकत्र होकर पौधों के रस को चूसते हैं। साथ ही वाइरस जनित रोग के फैलाने में सहायक भी होती है। इसके नियंत्रण के लिए इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर

लीफ माइनर के प्रकोप होने पर पत्तियों पर पीले रंग के

धब्बे दिखाई पड़ने लगते हैं। इसके गिडार पत्तियों में अन्दर

ही अन्दर हरे भाग को खाते रहते हैं और पत्तियों पर सफेद

धारियाँ सी बन जाती हैं। इसका प्यूपा भूरे लाल रंग का होता

है इससे फसल की काफी हानि हैं। सकती हैं। मादा कीट

छोटे तथा चमकीले रंग के होते हैं मुलायम तनों पर अण्डा देती है। इसकी रोकथाम के लिए इमिडाक्लोरपिड 1

मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल छिड़काव कर देना

मूंगफली को बहुत ही क्षति पहुँचाने वाला कीट है। यह

बहुभोंजी कीट है इस कीट की ग्रव अवस्था ही फसल को काफी नकसान पहँचाती है। लट मुखय रूप से जड़ों एवं

पत्तियों को खाते हैं जिसके फलस्वरूप पौधे सुख जाते हैं।

मादा कीट मई-जून के महीनें में जमीन के अन्दर अण्डे

देती है। इनमें से 8-10 दिनों के बाद लट निकल आते हैं।

और इस अवस्था में जुलाई से सितम्बर-अक्टूबर तक बने

रहते हैं। शीतकाल में लट जमीन में नीचे चले जाते हैं और

प्युपा फिर गर्मी व बरसात के साथ ऊपर आने लगते हैं।

क्लोरोपायरिफास से बीजोपचार प्रारंभिक अवस्था में

पौधों को सफेद लट से बचाता है। अधिक प्रकोप होने पर

खेत में क्लोरोपायरिफास का प्रयोग करें । इसकी रोकथाम

फोरेट की 25 किलोग्राम मात्रा को प्रति हैक्टर खेत में

मूंगफली का बीज उत्पादन हेतु खेत का चयन

महत्त्वपूर्ण होता है। मूंगफली के लिये ऐसे खेत चुनना चाहिए

जिसमें लगातार 2-3 वर्षों से मृगंफली की खेती नहीं की गई

हो भूमि में जल का अच्छा प्रबंध होना चाहिए। मूंगफली के

बीज उत्पादन हेतु चुने गये खेत के चारों तरफ 15-20 मीटर

तक की दूरी पर मूंगफली की फसल नहीं होनी चाहिए। बीज

उत्पादन के लिये सभी आवश्यक कृषि क्रियायें जैसे खेत की

तैयारी, बुवाई के लिये अच्छा बीज, उन्नत विधि द्वारा बुवाई,

खाद एवं उर्वरकों का उचित प्रयोग, खरपतवारों एवं कीड़े एवं

बीमारियों का उचित नियंत्रण आवश्यक है। अवांछनीय पौधों

की फूल बनने से पहले एवं फसल की कटाई के पहले

निकालना आवश्यक है। फसल जब अच्छी तरह पक जाय

तो खेत के चारों ओर का लगभग 10 मीटर स्थान छोड़कर

फसल काट लेनी चाहिए तथा सुखा लेनी चाहिए। दानों में 8-

10 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं होनी चाहिए। मूंगफली को

ग्रेडिंग करने के बाद उसे कीट एवं कवक नाशी रसायनों से

बुवाई से पहले भुरका कर की जा सकती है।

बीज उत्पादन

मूंगफली की माह्

पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए

लीफ माइनर

सफेदलट



निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

म्ंगफली भारत की मुखय महत्त्वपूर्ण तिलहनी फसल है। यह गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, तिमलनाडू तथा कर्नाटक राज्यों में सबसे अधिक उगाई जाती है। अन्य राज्य जैसे मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान तथा पंजाब में भी यह काफी महत्त्वपूर्ण फसल मानी जाने लगी है।

भूमि एवं उसकी तैयारी

मूंगफली की खेती के लिये अच्छे जल निकास वाली, भुरभुरी दोमट व बलुई दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। मिट्टी पलटने वाले हल तथा बाद में कल्टीवेटर से दो जुताई करके खेत को पाटा लगाकर समतल कर लेना चाहिए।जमीन में दीमक व विभिन्न प्रकार के कीड़ों से फसल के बचाव हेत् क्विनलफोस 1.5 प्रतिशत 25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से अंतिम जुताई के साथ जमीन में मिला देना चाहिए।

बीज एवं बुवाई

मूंगफली की बुवाई प्रायः मानसून शुरू होने के साथ ही हो जाती है। उत्तर भारत में यह समय सामान्य रूप से 15 जून से 15 जुलाई के मध्य का होता है। कम फैलने वाली किस्मों के लिये बीज की मात्रा 75-80 कि.ग्राम. प्रति हेक्टर एवं फैलने वाली किस्मों के लिये 60-70 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर उपयोग में लेना चाहिए बुवाई के बीज निकालने के लिये स्वस्थ फलियों का चयन करना चाहिए या उनका प्रमाणित बीज ही बोना चाहिए। बोने से 10-15 दिन पहले गिरी को फलियों से अलग

बीज को बोने से पहले 3 ग्राम थाइरम या 2 ग्राम मेन्कोजेब या कार्बेण्डिजम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहिए। इससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है तथा प्रारम्भिक अवस्था में लगने वाले विभिन्न प्रकार के रोगों से बचाया जा सकता है। दीमक और सफेद लट से बचाव के लिये क्लोरोपायरिफास (20 ई.सी.) का 12.50 मि.ली. प्रति किलो बीज का उपचार बुवाई से पहले कर लेना चाहिए। म्ंगफली को कतार में बोना चाहिए। गुच्छे वाली/कम फैलने वाली किस्मों के लिये कतार से कतार की दूरी 30 से.मी. तथा फैलने वाली किस्मों के लिये 45 से.मी.रखें। पौधों से पौधों की दूरी 15 से. मी. रखनी चाहिए। बुवाई हल के पीछे, हाथ से या सीडड्रिल द्वारा की जा सकती है। भूमि की किस्म एवं नमी की मात्रा के अनुसार बीज जमीन में 5-6 से.मी. की गहराई पर

खाद एवं उर्वरक

उर्वरकों का प्रयोग भूमि की किस्म, उसकी उर्वराशक्ति, मूंगफली की किस्म, सिंचाई की सुविधा आदि के अनुसार होता है। मूंगफली दलहन परिवार की तिलहनी फसल होने के नाते इसको सामान्य रूप से नाइट्रोजनधारी उर्वरक की आवश्यकता नहीं होती, फिर भी हल्की मिट्टी में शुरूआत की बढ़वार के लिये 15-20 किग्रा नाइट्रोजन तथा 50-60 कि.ग्रा. फास्फोरस प्रति हैक्टर के हिसाब से देना लाभप्रद होता है। उर्वरकों की पूरी मात्रा खेत की तैयारी के समय ही भूमि में मिला देना चाहिए। यदि कम्पोस्ट या गोबर की खाद उपलब्ध हो तो उसे बुवाई के 20-25 दिन पहले 5 से 10 टन प्रति हैक्टर खेत में बिखेर कर अच्छी तरह मिला देनी चाहिए। अधिक उत्पादन के लिए अंतिम जुताई से पूर्व भूमि में 250 कि.ग्रा.जिप्सम प्रति हैक्टर के हिसाब से मिला देना चाहिए।

नीम की खल का प्रयोग

नीम की खल के प्रयोग का मूंगफली के उत्पादन में अच्छा प्रभाव पड़ता है। अंतिम जुताई के समय 400 कि.ग्रा. नीम खल प्रति हैक्टर के हिसाब से देना चाहिए। नीम की खल से दीमक का नियंत्रण हो जाता है तथा पौधों को नत्रजन तत्वों की पूर्ति हो जाती है। नीम की खल के प्रयोग से 16 से 18 प्रतिशत तक की उपज में वृद्धि, तथा दाना मोटा होने के कारण तेल प्रतिशत में भी वृद्धि हो जाती है। दक्षिण भारत के कुछ स्थानों में

HUDCACO 381786



फसल चक

रोग नियंत्रण

असिंचित क्षेत्रों में सामान्य रूप से फैलने वाली किस्में ही

उगाई जाती हैं जो प्रायः देर से तैयार होती है। ऐसी दशा में

सामान्य रूप से एक फसल ली जाती है। परन्तु गुच्छेदार तथा

शीघ्र पकने वाली किस्मों के उपयोग करने पर अब साथ में दो

फसलों का उगाया जाना ज्यादा संभव हो रहा है। सिंचित क्षेत्रों

में सिंचाई करके जल्दी बोई गई फसल के बाद गेहूँ की

उगते हुए बीज का सड़न रोगः कुछ रोग उत्पन्न करने वाले

कवक (एर्स्पर्जिलस नाइजर, एर्स्पर्जिलस फ्लेवस आदि)

जब बीज उगने लगता है उस समय इस पर आक्रमण करते हैं।

इससे बीज पत्रों, बीज पत्राधरों एवं तनों पर गोल हल्के भूरे रंग

के धब्बे पड़ जाते हैं। बाद में ये धब्बे मुलायम हो जाते हैं तथा

पौधे सड़ने लगते हैं और फिर सड़कर गिर जाते हैं। फलस्वरूप

खेत में पौधों की संखया बहुत कम हो जाती है और जगह-

जगह खेत खाली हो जाता है। खेत में पौधों की भरपूर संखया

के लिए सामान्य रूप से मुंगफली के प्रमाणित बीजों को बोना

चाहिए। अपने बीजों को बोने से पहले 2.5 ग्राम थाइरम प्रति

किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहि।

खासकर देरी से बोई जाने वाली किस्में उगाई जा सकती हैं।

अधिक उत्पादन के लिए जिप्सम भी प्रयोग में लेते हैं।

सिंचाई

मूंगफली खरीफ फसल होने के कारण इसमें सिंचाई की प्रायः आवश्यकता नहीं पड़ती। सिंचाई देना सामान्य रूप से वर्षा के वितरण पर निर्भर करता हैं फसल की बुवाई यदि जल्दी करनी हो तो एक पलेवा की आवश्यकता पड़ती है। यदि पौधों में फूल आते समय सूखे की स्थिति हो तो उस समय सिंचाई करना आवश्यक होता है। फलियों के विकास एवं गिरी बनने के समय भी भूमि में पर्याप्त नमी की आवश्यकता होती है। जिससे फलियाँ बड़ी तथा खूब भरी हुई बनें। अतः वर्षा की मात्रा के अनुरूप सिंचाई की जरूरत पड़ सकती है।

मूंगफलों की फलियों का विकास जमीन के अन्दर होता है। अतः खेत में बहुत समय तक पानी भराव रहने पर फलियों के विकास तथा उपज पर बुरा असर पड़ सकता है। अतः बुवाई के समय यदि खेत समतल न हो तो बीच-बीच में कुछ मीटर की दूरी पर हल्की नालियाँ बना देना चाहिए। जिससे वर्षा का पानी खेत में बीच में नहीं रूक पाये और अनावश्यक अतिरिक्त जल वर्षा होते ही बाहर निकल जाए।

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण का इस फसल के उत्पादन में बड़ा ही महत्त्व है। मूंगफली के पौधे छोटे होते हैं। अतः वर्षा के मौसम में सामान्य रूप से खरपतवार से ढक जाते हैं। ये खरपतवार पौधों को बढ़ने नहीं देते। खरपतवारों से बचने के लिये कम से कम दो बार निराई गुड़ाई की आवश्यकता पड़ता है। पहला बार फूल आने के समय दूसरा बार 2-3 सप्ताह बाद जबिक पेग (नस्से) जमीन में जाने लगते हैं। इसके बाद निराई गुड़ाई नहीं करनी चाहिए। जिन खेतों में खरपतवारों की ज्यादा समस्या हो तो बुवाई के 2 दिन बाद तक पेन्डीमेथालिन नामक खरपतवारनाशी की 3 लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टर छिड़काव कर देना चाहिए।

रोजेट (गुच्छरोग) मूंगफली का एक विषाणु (वाइरस) जनित रोग है इसके प्रभाव से पौधे अति बौने रह जाते हैं साथ पत्तियों में ऊतकों का रंग पीला पड़ना प्रारम्भ हो जाता है। यह रोग सामान्य रूप से विषाणु फैलाने वाली माहूँ से फैलता है अतः इस रोग को फैलने से रोकने के लिए पौधों को जैसे ही खेत में दिखाई दें, उखाड़कर फेंक देना चाहिए। इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 3 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए।

टिक्का रोग

रोजेट रोग

यह इस फसल का बड़ा भयंकर रोग है। आरम्भ में पौधे के नीचे वाली पत्तियों के ऊपरी सतह पर गहरे भरे रंग के छोटे-छोटे गोलाकार धब्बे दिखाई पड़ते हैं ये धब्बे बाद में ऊपर की पत्तियों तथा तनों पर भी फैल जाते हैं। संक्रमण की उग्र अवस्था में पत्तियाँ सूखकर झड़ जाती हैं तथा केवल तने ही

इससे फसल की पैदावार काफी हद तक घट जाती है। यह बीमारी सर्कोस्पोरा परसोनेटा या सर्कोस्पोरा अरैडिकोला नामक कवक द्वारा उत्पन्न होती है। भूमि में जो रोगग्रसित पौधों के अवशेष रह जाते हैं उनसे यह अगले साल भी फैल जाती है इसकी रोकथाम के लिए डाइथेन एम-45 को 2 किलोग्राम एक हजार लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से दस दिनों के अन्तर पर दो-तीन छिड़काव करने चाहिए।

कीट नियंत्रण

रोमिन इल्ली पत्तियों को खाकर पौधों को अंगविहीन कर देता है। पूर्ण विकसित इल्लियों पर घने भूरे बाल होते हैं। यदि इसका ओक्रमण शुरू होते ही इनकी रोकथाम न की जाय तो इनसे फसल की बहुत बड़ी क्षति हो सकती है। इसकी रोकथाम के लिए आवश्यक है कि खेत में इस की ड़े के दिखते ही जगह-जगह पर बन रहे इसके अण्डों या छोटे-छोटे इल्लियों से लद रहे पौधों या पत्तियों को काटकर या तो जमीन में दबा दिया जाय या फिर उन्हें घास-फूँस के साथ जला दिया जाय। इसकी रोकथाम के लिए क्रिनलफास 1 लीटर कीटनाशी दवा को 700-800 लीटर पानी में घोल बना प्रति हैक्टर छिड़काव

उपचारित करके बोरों में भर लेना चाहिए। इस प्रकार उत्पादित बीज को अगले वर्ष की बुवाई के लिये उपयोग में लिया जा सकता है।

कटाई एवं गहाई

सामान्य रूप से जब पौधे पीले रंग के हो जायें तथा अधिकांश नीचे की पत्तियाँ गिरने लगे तो तरंत कटाई कर लेनी चाहिए। फलियों को पौधों से अलग करने के पूर्व उन्हें लगभग एक सप्ताह तक अच्छी प्रकार सुखा लेना चाहिए। फलियों को तब तक सुखाना चाहिए जब तक उनमें नमी की मात्रा 10 प्रतिशत तक न हो जायें क्योंकि अधिक नमी वाली फलियों को भंडारित करने पर उस पर बीमारियों का खासकर सफेद फंफ़्दी का प्रकोप हो सकता है।

उपज एवं आर्थिक लाभ

उन्नत विधियों के उपयोग करने पर मूंगफली की सिंचित क्षेत्रों में औसत उपज 20-25 क्विण्टल प्रति हेक्टर प्राप्त की जा सकती है। इसकी खेती में लगभग 25-30 हजार रुपये प्रति हेक्टर का खर्चा आता हैं। मूंगफली का भाव 30 रुपये प्रतिकिलो रहने पर 35 से 40 हजार रुपये प्रति हेक्टर का शुद्ध लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

ग्वार की खेती देश के पश्चिमी भाग के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में किसानों की आय बढ़ाने के लिए ग्वार एक अति महत्वपूर्ण फसल है। यह सूखा सहन करने के अतिरिक्त अधिक तापक्रम को भी सह लेती है। भारत में ग्वार की खेती प्रमुख रूप से राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात व उत्तर प्रदेश में की जाती है। सब्जी वाली ग्वार की फसल से बुवाई के 55-60 दिनों बाद कच्ची फलियां तुड़ाई पर आ जाती हैं। अतः ग्वार के दानों और ग्वार चूरी को पशुओं के खाने और प्रोटीन की आपूर्ति के लिए भी प्रयोग किया जाता है। ग्वार की फसल वायुमंडलीय नाइट्रोजन का भूमि में स्थिरीकरण करती है। अतः ग्वार जमीन की ताकत बढ़ाने में भी उपयोगी है।

फसल चक्र में ग्वार के बाद ली जाने वाली फसल की उपज हमेशा बेहतर मिलती है। ग्वार खरीफ ऋतु में उगायी जाने वाली एक बहु-उपयोगी फसल है। ग्वार कम वर्षा और विपरीत परिस्थितियों वाली जलवायु में भी आसानी से उगायी जा सकती है। ग्वार की एक प्रमुख विशेषता यह भी है कि यह उन मृदाओं में आसानी से उगायी जा सकती है जहां दूसरी फसलें उगाना अत्यधिक कठिन है। अतः कम सिंचाई वाली परिस्थितियों में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती

ग्वारकी उन्नतशील खेती

है। भारत विश्व में सबसे अधिक ग्वार की फसल उगाने वाला देश है। दलहनी फसलों में ग्वार का भी विशेष योगदान है। यह फसल राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात,हरियाणा प्रदेशो में ली

उन्नतशील प्रजातियाँ

बुन्देल ग्वार-1, बुन्देल ग्वार-2, बुन्देल ग्वार-3, आर.जी.सी.-986, आर.जी.सी.-1002 एवं आर.जी.

बुआई का समय

जुलाई के पहले पखवाड़े/या मानसून प्रारम्भ के बाद।

भूमि का चुनाव

अच्छे जलनिकास व उच्च उर्वरता वाली दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। खेत में पानी का उहराव फसल को भारी हानि पहुँचाता है।

खेतकी तैयारी

से 2-3 जुताई अथवा हैरो से करना उचित रहता है।

प्रति हैक्टर 20 किग्रा नाइटरोजन, 40-60 किग्रा फास्फोरस की आवश्यकता होती है।

बीजशोधन

मृदाजनित रोगों से बचाव के लिए बीजों को 2 ग्राम थीरम व 1 ग्राम कार्वेन्डाजिम प्रति कि0ग्राम अथवा 3 ग्राम थीरम प्रति कि0ग्राम की दर से शोधित करके बुआई करें। बीजशोधन बीजोपचार से 2-3 दिन पूर्व करें।

बीजोपचार

राइजोबियम कल्चर से बीजोपचार करना फायदेमन्द रहता

पंक्ति से पंक्ति - 45 सेमी (सामान्य) 30 से.मी. (देर से बुआई करने पर पौध से पौध - 15-20 सेमी

बीजदर

15-20 किग्रा प्रति हे.।

सिंचाई एवं जल निकास लम्बी अवधि तक वर्षा न होने पर 1-2 सिंचाई

आवश्यकतानुसार।

खरपतवार नियंत्रण

खुरपी से 2-3 बार निकाई करनी चाहिए। प्रथम निकाई बोआई के 20-30 दिन के बाद एवं दूसरी 35-45 दिन के बाद करनी चाहिए। खरपतवारों की गम्भीर समस्या होने पर वैसलिन की एक कि.ग्रा. सक्रिय मात्रा को बोआई से पूर्व उपरी 10 से.मी. मृदा में अच्छी तरह मिलाने से उनका प्रभावी नियन्त्रण किया जा

ग्वार की फसल को खरपतवारों से पूर्णतया मुक्त रखना चाहिए। सामान्यतः फसल बुवाई के 10-12 दिन बाद कई तरह के खरपतवार निकल आते हैं जिनमें मौथा, जंगली जूट, जंगली चरी (बरू) व दूब-घास प्रमुख हैं। ये खरपतवार पोषक तत्वों, नमी, सूर्य का प्रकाश व स्थान के लिए फसल से प्रतिस्पर्धा करते हैं। परिणामस्वरूप पौधे का विकास व वृद्धि ठीक से नहीं हो पाती है। अतः ग्वार की फसल में समय-समय पर निराई-गुडाई कर खरपतवारों को निकालते रहना चाहिए।



इससे पौधें की जड़ों का विकास भी अच्छा होता है तथा जड़ों में वायु संचार भी बढ़ता है। दाने वाली फसल में बेसालिन 1.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में बुवाई से पूर्व मृदा की ऊपरी 8 से 10 सेंमी सतह में छिड़काव कर खरपतवारों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके अलावा पेंडिमिथेलीन का 3 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के दो दिन बाद छिड़काव करना चाहिए। इसके लिए 700 से 800 लीटर पानी में बना घोल एक हेक्टेयर के लिए पर्याप्त होता है।

फसल सुरक्षा

जैसिड एवं बिहार हेयरी कैटरपिलर यह मुख्य शत्रु हैं। इसके अतिरिक्त मोयला, सफेद मक्खी,

हरातैला द्वारा भी फसल को नुकसान हो सकता है। मोनोक्रोटोफास 36 डब्ल्यूएससी (0.06 प्रतिशत)

का छिड़काव एक या दो बार करें।

ब्याधि नियन्त्रण

खरीफ के मौसम में बैक्टीरियल ब्लाइट सर्वाधिक नुकसान पहुँचाने वाली बीमारी है। एल्टरनेरिया

लीफ स्पाट एवं एन्थ्रैकनोज अन्य नुकसान पहुँचाने वाली बीमारियाँ हैं। एकीकृत ब्याधि नियन्त्रण हेतु निम्न उपाय अपनाने चाहिए।

रोग प्रतिरोधी प्रजातियों का प्रयोग।

बैक्टीरियल ब्लाइट के प्रभावी नियन्त्रण हेतु 56 डिग्री से0 पर गरम पानी में 10 मिनट तक बीजोपचार करना

एन्थ्रैकनोज एवं एल्टरनेरिया लीफ स्पाट पर नियन्त्रण हेतु डायथेन एम-45 (0.2प्रतिशत) का 15 दिन के अन्तराल पर एक हजार लीटर पानी में 2 कि.ग्रा. सिक्रय अवयव/है. के हिसाब से छिड़काव करना चाहिए।

उन्नत विधि से खेती करने पर 10-15 कुन्तल प्रति हे0



अन्य देशों में रह रहे हिंदूओं के साथ खड़े रहने की आवश्यकता



प्रहलाद सबनानी भारत के पड़ौसी देशों बाग्लादेश, पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान में भारतीय मूल के नागरिकों, विंशेष रूप से हिंदुओं की जनसंख्या लगातार कम हो रही है। बाग्लादेश मे तो वर्ष 1951 में कुल आबादी में हिंदुओं की आबादी 22 प्रतिशत थी वह आज घटकर ८ प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। लगभग यही हाल पाकिस्तान का भी है। बाग्लादेश में तो हाल ही के समय में सत्ता पलट के पश्चात हिंदुओं सहित वहां के अल्पसंख्यक समुदायों पर कातिलाना हमले किए गए हैं।

ज लगभग 4 करोड़ से अधिक भारतीय मूल के नागरिक विश्व के अन्य देशों में शांतिपूर्ण तरीके से रह रहे हैं एवं इन देशों की आर्थिक प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। कई देशों में तो भारतीय मूल के नागरिक इन देशों के राजनैतिक पटल पर भी अपनी उपयोगिता सिद्ध कर रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, आदि विकसित देश इसके प्रमाण हैं। आस्ट्रेलिया में तो भारतीय मूल के नागरिकों को राजनैतिक क्षेत्र में सिक्रय करने के गम्भीर प्रयास स्थानीय स्तर पर किए जा रहे हैं, क्योंकि अन्य देशों में भारतीय मूल के नागरिकों की इस क्षेत्र में सराहनीय भूमिका सिद्ध हो चुकी है। राजनैतिक क्षेत्र के अतिरिक्त आर्थिक क्षेत्र में भी भारतीय मूल के नागरिकों ने अपनी उपयोगिता सिद्ध की है जैसे अमेरिका के सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आज भारतीयों का ही बोलबाला है। अमेरिका में प्रतिवर्ष लगभग 85,000 एच वन-बी वीजा जारी किए जाते हैं, इसमें से लगभग 60,000 एच वन-बी वीजा भारतीय मूल के नागरिकों को जारी किए जाते हैं। इसी प्रकार अमेरिका की प्रमुख बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भारतीय मूल के नागरिक बन रहे हैं। आज अमेरिका एवं ब्रिटेन में प्रत्येक 7 चिकित्सकों में 1 भारतीय मूल का नागरिक हैं। न केवल उक्त वर्णित विकसित देशों बल्कि खाड़ी के देशों यथा, बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में भी भारतीय मूल के नागरिक भारी संख्या में शांतिपूर्ण तरीके से रह रहे हैं एवं इन देशों के आर्थिक विकास में अपनी प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, कई देशों यथा सिंगापुर, गुयाना, पुर्तगाल, सूरीनाम, मारीशस, आयरलैंड, ब्रिटेन, अमेरिका आदि के राष्ट्राध्यक्ष (प्रधानमंत्री अथवा राष्ट्रपति/उपराष्ट्रपति) भारतीय मूल के नागरिक रहे हैं एवं कुछ देशों में तो अभी भी इन पदों पर आसीन हैं। साथ ही, 42 देशों की सरकार अथवा विपक्ष में कम से कम एक भारतवंशी रहा है।

दूसरी ओर, भारत के पड़ौसी देशों बांग्लादेश, पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान में भारतीय मूल के नागरिकों, विशेष रूप से हिंदुओं की जनसंख्या लगातार कम हो रही है। बांग्लादेश में तो वर्ष 1951 में कुल आबादी में हिंदुओं की आबादी 22 प्रतिशत थी वह आज घटकर 8 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। लगभग यही हाल पाकिस्तान का भी है। बांग्लादेश में तो हाल ही के समय में सत्ता पलट के पश्चात हिंदुओं सहित वहां के अल्पसंख्यक समुदायों पर कातिलाना हमले किए गए हैं। केवल बांग्लादेश ही क्यों बल्कि विश्व के किसी भी अन्य देश में हिंदुओं के साथ इस प्रकार की घटनाओं का कड़ा विरोध होना चाहिए। भारतीय मूल के नागरिक सनातन संस्कृति के संस्कारों के चलते बहुत ही शांतिपूर्वक तरीके से इन देशों के विकास में अपनी भागीदारी निभाते हैं। इसके बावजूद भी यदि भारतीयों पर इस प्रकार के आक्रमण किए जाते हैं तो इसकी निंदा तो की ही जानी चाहिए एवं विश्व समुदाय से इस संदर्भ में सहायता भी मांगी जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। बांग्लादेश में हिंदूओं सहित अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर



हुए घातक हमलों की अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डॉनल्ड टम्प ने भी भर्त्सना की थी. इसी प्रकार के विचार अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने भी प्रकट किया थे। परंतु, आज आवश्यकता इस बात की है कि भारतीय हिंदू समाज भी विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के नागरिकों के साथ खड़ा हो। इसी संदर्भ में, दिनांक 21 मार्च से 23 मार्च 2025 को बंगलूरू में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में बांग्लादेश के हिंदू समाज के साथ एकजुटता से खड़े रहने का आह्वान किया गया है एवं इस संदर्भ में निम्नलिखित एक विशेष प्रस्ताव भी पास किया गया है।

'अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा, बांग्लादेश में हिंदू और अन्य अल्प संख्यक समुदायों पर इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों द्वारा लगातार हो रही सुनियोजित हिंसा, अन्याय और उत्पीड़न पर गहरी चिंता व्यक्त करती है। यह स्पष्ट रूप से मानवाधिकार हनन का गम्भीर विषय है।

बांग्लादेश में वर्तमान सत्ता पलट के समय मठ मंदिरों, दुर्गा पूजा पंडालों और शिक्षण संस्थानों पर आक्रमण, मूर्तियों का अनादर, नृशंस हत्याएं, सम्पत्ति की लूट, महिलाओं के अपहरण और अत्याचार, बलात मतांतरण जैसी अनेक घटनाएं सामने आ रही हैं। इन घटनाओं को केवल मुंह मोड़ने जैसा होगा, क्योंकि अधिकतर पीड़ित, हिंदू और अन्य अल्प संख्यक समुदायों से ही हैं।

बांग्लादेश में हिंदु समाज, विशेष रूप से अनुसुचित जाति तथा जनजाति समाज का इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों द्वारा उत्पीड़न कोई नई बात नहीं है। बांग्लादेश में हिंदुओं की निरंतर घटती जनसंख्या (1951 में 22 प्रतिशत से वर्तमान में 7.95 प्रतिशत) दशातीं है कि उनके सामने अस्तित्व का संकट है। विशेषकर, पिछले वर्ष की हिंसा और घृणा को जिस तरह सरकारी और संस्थागत समर्थन मिला, वह गम्भीर चिंता का विषय है। साथ ही, बांग्लादेश से लगातार हो रहे भारत विरोधी वक्तव्य दोनों देशों के सम्बन्धों को गहरी हानि पहुंचा सकते हैं।

कुछ अंतरराष्ट्रीय शक्तियां जान बूझकर भारत के पड़ौसी क्षेत्रों में अविश्वास और टकराव का वातावरण बनाते हुए एक देश को दूसरे के विरुद्ध खड़ा कर अस्थिरता फैलाने का प्रयास कर रही हैं। प्रतिनिधि सभा, चिन्तनशील वर्गों और अंतरराष्ट्रीय मामलों से जुड़े विशेषज्ञों से अनुरोध करती हैं कि वे भारत विरोधी वातावरण, पाकिस्तान तथा डीप स्टेट की सक्रियता पर दृष्टि रखें और इन्हें उजागर करें। प्रतिनिधि सभा इस तथ्य को रेखांकित करना चाहती है कि इस सारे क्षेत्र की एक सांझी संस्कृति, इतिहास एवं

अगले साल तक कैसे खत्म हो पाएगा लाल आतंक

सामाजिक सम्बंध हैं जिसके चलते एक जगह हुई कोई भी उथल पुथल सारे क्षेत्र में अपना प्रभाव उत्पन्न करती हैं। प्रतिनिधि सभा का मानना है कि सभी जागरूक लोग भारत और पड़ौसी देशों की इस सांझी विरासत को दृढ़ता देने की

यह उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश के हिंदू समाज ने इन अत्याचारों का शांतिपूर्ण, संगठित और लोकतांत्रिक पद्धति से साहसपूर्वक विरोध किया है। यह भी प्रशंसनीय है कि भारत और विश्वभर के हिंदू समाज ने उन्हें नैतिक और भावनात्मक समर्थन दिया है। भारत सहित शेष विश्व के अनेक हिंदू संगठनों ने इस हिंसा के विरुद्ध आंदोलन एवं प्रदर्शन किए हैं और बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा व सम्मान की मांग की है। इसके साथ ही विश्व भर के अनेक नेताओं ने भी इस विषय को अपने स्तर उठाया है।

भारत सरकार ने बांग्लादेश के हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के साथ खड़े रहने और उनकी सुरक्षा की आवश्यकता को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई है। उसने यह विषय बांग्लादेश की आंतरिक सरकार के साथ साथ कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी उठाया है। प्रतिनिधि सभा भारत सरकार से अनुरोध करती है कि वह बांग्लादेश के हिंदू समाज की सुरक्षा, गरिमा और सहज स्थिति सुनिश्चित करने के लिए वहाँ की सरकार से निरंतर संवाद बनाएँ रखने के साथ साथ हर सम्भव प्रयास जारी रखे।

प्रतिनिधि सभा का मत है कि संयुक्त राष्ट्रसंघ जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों व वैश्विक समुदाय को बांग्लादेश में हिंदु तथा अन्य अल्प संख्यक समुदायों के साथ हो रहे अमानवीय व्यवहार का गम्भीरता से संज्ञान लेना चाहिए और बांग्लादेश सरकार पर इन हिंसक गतिविधियों को रोकने का दबाव बनाना चाहिए। प्रतिनिधि सभा हिंदू समुदाय एवं अन्यान्य देशों के नेताओं से तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से आह्वान करती है कि बांग्लादेशी हिंदू तथा अन्य अल्पसंख्यक समाज के समर्थन में एकजुट होकर अपनी

यह प्रथम बार नहीं है कि भारत के किसी सांस्कृतिक संगठन ने विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के नागरिकों के हित में आवाज उठाई है। बल्कि, पूर्व में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, बांग्लादेश में हिंदुओं एवं अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे अत्याचार की बात विभिन्न मंचों पर करता रहा है। क्योंकि, यह पूरे विश्व के हित में है कि हिंदू सनातन संस्कृति को पूरे विश्व में फैलाया जाय ताकि पूरे विश्व में ही शांति स्थापित हो सके। इसके साथ ही, वैश्विक पटल पर भी संघ का कार्य द्वृत गति पकड़ता दिखाई दे रहा है। विश्व के अन्य देशों में हिंदू स्वयंसेवक संघ कार्य कर रहा है। आज विश्व के 53 देशों में 1,604 शाखाएं एवं 60 साप्ताहिक मिलन कार्यरत हैं। पिछले वर्ष 19 देशों में 64 संघ शिक्षा वर्ग लगाए गए। विश्व के 62 विभिन्न स्थानों पर संस्कार केंद्र भी कार्यरत हैं। जर्मनी से इस वर्ष 13 विस्तारक भी निकले हैं। इस प्रकार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उक्त प्रयासों की जितनी प्रशंसा

संपादकीय

भाषाई शालीनता

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के स्तन छूने वाले विवादित फैसले पर रोक लगा दी: जिसमें कहा गया था, पीडिंता के स्तन छना और पायजामे की डोरी तोडऩे को बलात्कार या बलात्कार की कोशिश नहीं है। बेंच ने इस फैसले को पूरी तरह असंवेदनशील व अमानवीय ठहराते हुए कहा कि यह फैसला अचानक नहीं सुनाया गया है बल्कि चार माह तक सुरक्षित रखने के बाद फैसला आया है। इसका मतलब है, जज ने उचित विचार-विमर्श करके और दिमाग लगाकर यह फैसला दिया है। पीठ ने कहा ऐसे कठोर शब्दों के प्रयोग पर हमें खेद है। शीर्ष अदालत ने इस पर केंद्र व उप्र सरकार को नोटिस भी भेजा। हाईकोर्ट का यह फैसला उप्र के कासगंज के मामले में दिया, जिसमें 2021 में 14 साल की किशोरी की मां का लड़की के निजी अंगों को छूने और पायजामे का नाड़ा तोड़ऩे का आरोप लगाया था। मामले में पॉस्को के अतिरिक्त बलात्कार व अपराध करने के प्रयास वाली धाराएं लगाड़ गई थीं। हाईकोर्ट की इस टिप्पणी पर नेटीजनों ने गहरी निराशा व्यक्त की थी तथा यह फैसला सोशल मीड़िया में वायरल भी हुआ था। 2021 में सबसे बड़ी अदालत ने नागपुर बेंच के बॉम्बे हाईकोर्ट के ऐसे ही फैसले को पलटते हुए कहा था, बच्चे के निजी अंगों को यौन इरादे से छूने को पॉस्को अधिनियम की धारा ७ के अंतर्गत यौन हिंसा माना जाएगा। नाबालिगों के साथ होने वाले यौन शोषण को लेकर पॉस्को सरीखे कानून बनने के बाद भी इस तरह के असंवेदनशील व स्त्रीविरोधी फैसलों का आना, बेहद विराचणीय है। यहां तक की सॉलीसिटर जरनल ने भी कहा कि इस फैसले पर मैं गंभीर आपत्ति जताता हूं। बलात्कार न भी हुआ हो तो किसी किशोरी को अंधेरी जगह में ले जाकर उसकी देह को नोंचना, छूना या उसके कपड़ों को उतारने के प्रयास को मामुली तो नहीं माना जा सकता। वहीं उक्त मामले के दो प्रत्यक्षदर्शी भी हैं जिन्हें आरोपियों ने तमंचा दिखाया। ऐसे में जब सारी दुनिया बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों को महामारी से भयानक मान रही है, जिस पर सरकारों को गंभीरतापर्वक काम करने की जरूरत है। सम्मानित अदालतों से बच्चों के अधिकारों की रक्षा की उम्मीद की जाती है। भाषा व शब्दों के चयन को लेकर इतनी संवेदना बनाये रखना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इसका असर दूर तलक जाता है।

चिंतन-मनन

दूर करें अध्यात्म विद्या का अभाव

अध्यात्म विद्या के विषय में अधिकांश भौतिक विद्वान शिक्षा को ही विद्या मान बैठते हैं। वे विद्या और शिक्षा के अंतर को भी समझने में असमर्थ हैं जबिक विद्या और शिक्षा में धरती और आसमान का अंतर है। इस विषय को स्पष्ट करते हुए महात्मा परमचेतनानंद ने अपने प्रवचन में कहा कि शिक्षा शब्द शिक्ष धातु से बना है जिसका अर्थ है सीखना। भौतिक शिक्षा अनुकरण के द्वारा सीखी जाती है जिसका संबंध ज्ञानेन्द्रियों, कर्मेद्रियों व मन बुद्धि तक सीमित है। इसके अतिरिक्त विद्या शब्द विद् धातु से बना है जिसका अर्थ है जानना अर्थात् वास्तविक ज्ञान।

यह ज्ञान स्वयं अंदर से प्रकट होता है, इसे ही अध्यात्म ज्ञान कहा जाता है। इसे आत्मा की गहराई में पहुंचने पर ही जाना जाता है। शिक्षा के विद्वान अहंकार से ग्रसित होते हैं, उनमें विनम्रता का अभाव होता है जबिक विद्या का प्रथम गुण विनम्रता है। विद्या वास्तव में मानव की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है।

इस अध्यात्म विद्या से मानव निष्काम कर्म योगी बनता है जो सभी को समान भाव से देखता है। पहले निष्काम कर्म योगी को ही प्रजा अपना राजा चुनती थी। वे अपने पुत्र तथा अन्य प्रजा के साथ समान रूप से न्याय करते थे। आज के असमय में अध्यात्म विद्या का अभाव होने के कारण राजा और प्रजा दोनों ही अशांत हैं फिर भी इसे ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जबिक अध्यात्म विद्या के वेत्ता तत्वदर्शी संत आज भी मौजूद हैं।



से संयोग कहें या कुछ और, बीते 21 मार्च को जब छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर में सुरक्षा बलों के हाथों तीस नक्सली मारे गए, उसा वक्त कद्राय गृहमत्रा आमत शाह संसद म नक्सलवाद के सफाए का ऐलान कर रहे थे। अमित शाह का कहना था कि अगले 375 दिनों में नक्सलवाद का सफाया हो जाएगा। अगर तारीखों के हिसाब से कहें तो केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2026 तक कभी लाल आतंक के नाम से कुख्यात रहे नक्सलवाद के सफाए का लक्ष्य रखा है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या सचमुच नक्सलवाद आखिरी सांसे ले रहा है और जल्द ही आतंक का पर्याय रही ये विचारधारा अतीत बन जाएगी। साल 2025 के अभी तीन महीने ही गुजरे हैं, लेकिन इस बीच नक्सलवाद को लेकर जो आंकड़े सामने हैं, उनसे तो लगता यही है कि नक्सलवाद अब गिने-चुने दिनों की ही बात है। केंद्रीय गृहमंत्रालय के आंकड़ों पर भरोसा करें तो बीते तीन महीनों में ही सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 119 नक्सली मारे जा चुके हैं। नक्सिलयों के खिलाफ सुरक्षा बलों को यह कामयाबी सिर्फ 10 मुठभेड़ों में ही मिली हैं। बीते साल यानी 2024 में मुठभेड़ों में 239 नक्सली

मारे गए थे। यानी सिर्फ सवा साल की अवधि में ही 358 नक्सली मारे जा चुके हैं। इतने नक्सलियों का मारे जाने और भारी संख्या में नक्सलियों के आत्म समर्पण करने का संकेत साफ है कि अब नक्सलियों की कमर टुटती जा रही है। शायद यही वजह है कि अमित शाह संसद में पूरे आत्मविश्वास के साथ ऐलान कर रहे हैं कि नक्सलवाद देश में आखिरी सांसे गिन रहा है। साल 2010 के आंकड़ों के हिसाब से देश के तकरीबन छठवें हिस्से में नक्सलवाद का प्रभाव था। झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश तक नक्सलवाद फैला हुआ था। गृहमंत्रालय के आंकड़ों के हिसाब से तब देश के 96 जिलों में आतकवाद का खूना पंजा फला हुआ था। यू ता हर सरकार नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाती रही है, लेकिन इसमें तेजी केंद्र में मोदी सरकार के आने के बाद आई। नक्सलवाद को ज्यादातर सरकारें कानून और व्यवस्था का मामला मानती रहीं, उसके जिम्मेदार सामाजिक कार्यों को किनारे रखा जाता रहा। मोदी सरकार ने इसे कानून और व्यवस्था का मामला तो माना, लेकिन उसके साथ ही इसे सामाजिक नजरिए से भी देखना शुरू किया। नक्सलवाद को लेकर कहा जाता रहा है कि जहां विकास नहीं पहुंचा, जहां शोषण की अर्थव्यवस्था रही, वहीं नक्सलवाद को पनपने का ज्यादा मौका मिला। शायद इसी वजह से नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास के पहिये को तेजी से दौड़ाने की तैयारी हुई। सड़कों और रेल लाइन की पहुंच नक्सल प्रभावित इलाकों में बढाने की शुरूआत हुई। बीते आठ वर्षों में 10718 करोड़ की लागत से नक्सल प्रभावित इलाकों में करीब 9356 किमी

सड़कों का निर्माण किया गया। इन इलाकों में तैनात

केंद्रीय बलों तैनात केंद्रीय बलों द्वारा स्थानीय आबादी के लिए जहां स्वास्थ्य शिविर लगाए जाने शुरू हुए, वहीं उन्हें मुफ्त में जरूरी दवाएं दी जाने लगीं। इसी तरह उन इलाकों में पेयजल सुविधा बढ़ाने, सोलर लाइट की सुविधा देने के साथ ही खेती के उपकरण और बेहतर बीच आदि देने की कोशिश तेज हुई। गृहमंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, साल 2014 से अब तक इन मदों में नक्सल प्रभावित इलाकों में करीब 140 करोड़ रुपये के काम किए जा चुके हैं। डाक विभाग ने 90 नक्सलप्रभावत प्रभावित जिलों में, तकरीबन हर तीन किलोमीटर पर सिर्फ आठ वर्षों में ही 4903 नए डाकघर खोले हैं। इसी तरह अप्रैल-2015 से लेकर अब तक 30 सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिलों में 1258 नई बैंक शाखाएं और 1348 एटीएम लगाए गए हैं। नक्सल प्रभावित इलाकों में संचार की सुविधा बढ़ाने के लिए पहले चरण में 4080 करोड़ रुपए की लागत से 2343 मोबाइल टावर लगाए गए तो दूसरे चरण में 2210 करोड़ से 2542 मोबाइल टावर लगाए जा रहे हैं। इन इलाकों में 245 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बनाने की तैयारी है,जिनमें 121 काम शुरू कर चुके हैं। इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि नक्सल उग्रवाद ऐसे क्षेत्रों में तेजी से पनपा, जहां गरीबी ने जड़ें जमा रखी थी। नक्सली विचार प्रभवित समुहों ने इन इलाकों के लोगों के असंतोष को खाद पानी के रूप में इस्तेमाल किया और इस तरह उग्रवाद को बढ़ावा मिला। इन समूहों को स्थानीय समर्थन मिलने के कारण सुरक्षा संस्थाओं को अपना काम करने में कई समस्याओं का सामना करना पड़ता था, परन्तु 2014 के बाद हालात बदले। दूसरी तरफ उग्रवादी समूहों को हो रही फंडिंग पर रोक लगाने के लिए चौकसी बढ़ाई गई। इसके तहत नक्सल

प्रभावित राज्यों ने जहां 22 करोड़ की संपत्ति जब्त की,वहीं प्रवर्तन निदेशालय ने तीन और एनआईए ने पांच करोड़ की संपत्ति जब्त की। नक्सली हिंसा की जांच के लिए एनआईए में अलग से एक सेक्शन बनाया गया। जिसे अब तक 55 मामलों की जांच सौंपी जा चुकी है। इसी तरह विशेष कार्रवाई के लिए विशेषज्ञ सुरक्षा बलों पर जोर दिया गया और सूचनाओं को साझा करने का नेटवर्क विकसित किया गया। नक्सलरोधी ऑपरेशन के लिए केंद्रीय और राज्यों विशेष ऑपरेशन टीमें बनाई गईं। सुरक्षा बलों और नक्सिलयों पर निगाह के लिए तकनीक को बढ़ावा भी दिया गया। इसके तहत लोकेशन मोबाइल फोन और दूसरी तकनीक सुरक्षा बलों को मुहैया कराई गईं। द्रोण कैमरों से नक्सलियों पर निगाहबानी शुरू कैजुअल्टी या विशेष ऑपरेशन के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की गई। शायद यही वजह रही कि संसद में नक्सल ऑपरेशन को लेकर गृहमंत्री अमित शाह बेहद आत्मविश्वास में नजर आ रहे थे। उन्होंने कहा, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में प्रमुख जगहों पर सीआरपीएफ और इसकी विशेष इकाई 'कोबरा' ही माओवादियों से लोहा ले रही है। इन बलों ने ऐसी रणनीति बनाई है, जिसमें नक्सलियों के पास दो ही विकल्प. 'सरेंडर' करो या 'गोली' खाओ, बचे हैं। अब ऐसा कोई इलाका नहीं बचा है, जहां सुरक्षा बलों की पहुंच न हो। वे महज 48 घंटे में 'फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस' स्थापित कर आगे बढ़ रहे हैं। अब नक्सिलयों के लिए जंगलों में अधिक दूरी तक पीछे भागना भी संभव नहीं हो रहा। उनकी सप्लाई चेन कट चुकी है। नक्सलियों की नई भर्ती तो पूरी तरह बंद हो चुकी है। इतना ही नहीं, घने जंगलों में स्थित नक्सिलयों के ट्रेनिंग सेंटर भी तबाह

किए जा रहे हैं।

हास्य-व्यंग्यः कसौटी पर नेताओं की सहनशक्ति



मारा देश विविधताओं का देश है, और इस विविधता में एक बात जो हर काल और हर कोने में समान रूप से पाई जाती है, वह है। नेताओं पर व्यंग्य। चाहे वह गली-मोहल्ले की चाय की दुकान हो या सोशल मीडिया का चहचहाता मंच, नेताओं को लेकर हास्य और तंज का सिलसिला कभी थमता नहीं। लेकिन सवाल यह है कि क्या हमारे नेता इस व्यंग्य को सहन कर पाते हैं? या फिर यह हास्य उनके लिए एक कड़वी गोली बन जाता है, जिसे न निगलते बनता है और न उगलते? बीते दिनों एक और व्यंग्य को लेकर एक और विवाद हुआ जिससे यह विषय फिर से चर्चा में आ गया कि नेताओं और व्यंग्य का यह रिश्ता कितना गहरा और कितना नाजुक है। नेताओं पर व्यंग्य कसना कोई नई कला नहीं है।

प्राचीन काल से ही साहित्यकार, कवि और नाटककार शासकों और नेताओं की किमयों को उजागर करने के लिए हास्य रस का सहारा लेते आए हैं। भारत में चाणक्य से लेकर कबीर तक, और फिर आधुनिक युग में प्रेमचंद से लेकर हरिशंकर परसाई तक, व्यंग्य ने सत्ता को आईना दिखाने का काम किया है। परसाई जी ने तो अपनी रचनाओं में नेताओं की चालाकी, ढोंग और वादों की हवा को इस तरह उड़ाया कि पाठक हंसते-हंसते गंभीर सवालों पर ठिठक जाए। मसलन, उनकी एक कहानी में नेता चुनावी सभा में कहता है, 'मैं आपके लिए जान दे दूंगा,' और भीड़ तालियां बजाती है, लेकिन परसाई पूछते हैं, 'क्या वह अपनी जान देगा या आपकी जान लेगा?' आज के दौर में व्यंग्य का रूप बदल गया है। अब यह किताबों से निकलकर मीम, कार्टून और स्टैंड-अप कॉमेडी तक पहुंच गया है। सोशल मीडिया पर हर दिन नेताओं के बयानों को तोड़-मरोड़ कर ऐसे चुटकुले बनते हैं कि आम आदमी हंसते-हंसते लोटपोट हो जाए। मगर इन चुटकुलों के पीछे एक कड़वा सच भी छिपा होता है। नेता जो जनता के सामने बड़े-बड़े वादे करते हैं, उनकी करनी और कथनी में काफी अंतर होता है। वहीं यदि नेताओं की सहनशक्ति की बात करें तो लोकतंत्र में हर नागरिक को अपनी बात रखने का अधिकार है, और व्यंग्य भी अभिव्यक्ति का एक रूप है, लेकिन जब बात नेताओं पर तंज कसने की आती है, तो कई बार उनकी प्रतिक्रिया हैरान करने वाली होती है। कुछ नेता इसे हंसकर टाल देते हैं, तो कुछ इसे अपनी शान के खिलाफ मानकर कानूनी नोटिस भेजने से भी नहीं चूकते। वहीं कुछ नेताओं के कार्यकर्ता इस व्यंग्य को लेकर हिंसा करने में भी नहीं चूकते। उदाहरण देखए-जब एक स्टैंड-अप कॉमेडियन ने किसी नेता के 'विकास' के दावों पर चुटकी ली। कॉमेडियन ने कहा, 'नेता जी कहते हैं कि उन्होंने गांव में सड़क बनवाई, पर गांव वाले कहते हैं कि सड़क तो बन गई, बस गांव गायब हो गया!' यह सुनकर दर्शक हंसे, लेकिन नेता जी ने इसे ह्यचरित्र हनन' करार देकर उस कॉमेडियन पर मुकदमा ठोक दिया। सवाल यह है कि क्या नेताओं को यह समझ नहीं कि जनता का हंसना उनके खिलाफ विद्रोह नहीं. बल्किअपनी भड़ास निकालने का एक तरीका है? दूसरी ओर, कुछ नेता ऐसे भी हैं जो व्यंग्य को खेल की भावना से लेते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी इसका बेहतरीन उदाहरण थे। उनकी कविताओं और हास्यबोध ने न केवल जनता का दिल जीता, बल्कि यह भी दिखाया कि एक नेता व्यंग्य को न सिर्फ सहन कर सकता है, बल्कि उसे अपने पक्ष में भी इस्तेमाल कर सकता है। एक बार संसद में उन पर तंज कसा गया, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'मैं बुरा नहीं मानता, क्योंकि सच सुनने की आदत जो पड़ गई है।' एक स्वस्थ लोकतंत्र में व्यंग्य सिर्फ हंसाने का जरिया नहीं, बल्कि समाज का दर्पण भी है। यह नेताओं को याद दिलाता है कि वे अजेय नहीं हैं, और जनता उनकी हर हरकत पर नजर रखे हुए है। जब नेता कोई अव्यावहारिक वादा करते हैं, जैसे 'हर घर में सोने की चिड़िया लाएँगे', तो व्यंग्य के जरिए जनता पूछती है, 'क्या चिड़िया अंडे भी देगी, या सिर्फ उड़ान ही भरेगी?' यह हास्य सत्ता को जवाबदेह बनाए रखने का एक तरीका है, लेकिन व्यंग्य की यह ताकत तब कमजोर पड़ती हैंङ्क जब उसे दबाने की कोशिश की जाती है। कई बार नेताओं के समर्थक या सरकारें व्यंग्यकारों को 'राष्ट्रद्रोही' तक करार दे देती हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या हमारा लोकतंत्र इतना कमजोर है कि एक हंसी भी उसे हिला दे? नेताओं को यह समझना होगा कि व्यंग्य उनकी आलोचना नहीं, बल्कि उनकी लोकप्रियता का पैमाना है। नेताओं पर व्यंग्य और उसे सहन करने की क्षमता एक सिक्के के दो पहलू हैं। जहाँ व्यंग्य लोकतंत्र को जीवंत बनाता है, वहीं उसे सहन करने की कला नेताओं को जनता के करीब लाती है। यह न तो नेताओं को कमजोर करता है और न ही जनता को बेकाबू। यह बस एक संतुलन है, हंसी और गंभीरता का, सत्ता और जवाबदेही का। तो अगली बार जब कोई नेता मंच से बड़े-बड़े दावे करे, और जनता उस पर चुटकुला बनाए, तो दोनों को चाहिए कि इसे हंसकर टाल दें। आखिर, हंसी में जो ताकत है, वह गुस्से में कहां?

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

As Shakespeare said, there's 'something rotten'

Let us focus on the fundamental hopes and expectations of 1.4 billion people from the judges in the country's highest court of appeal. One may go incognito to the court campus to hear what the thousands of litigants, their friends and relatives have to say on various issues of democratic India's judiciary on a given day. How is the high priest in the highest court seen and assessed, irrespective of the verdicts that come out of the courtroom? It's important that a judge be ascetic-like, but not mendicant, and be a recluse of sorts, far from the madding crowd. Once a judge, he/she has to be detached, fair, objective and aloof from all allurements and glitz and glitches of society. Immersed in books, papers and thoughts, he/she must avoid partying, lecturing in public fora, issuing press statements or be photographed with high-profile public figures. That would cut deep into this oft-quoted adage: Justice must not only be done but also appear to have been done. Thus, image, credibility and probity must be an inalienable part of the judges in office, while deciding the fate of millions of people. They must be likened to the quote "Caesar's wife must be above suspicion." Not only performance, but also visibility, behaviour, utterances and body language, all combined, make a judge a judge.

Trust, faith and confidence of the people on the highest judiciary mustn't be allowed to be shaken or broken at any cost. And that can only be done by self-regulatory means and self-controlled mechanisms, adopted by the judges themselves.

That would bring us to the moot point of the appointment of judge(s). Article 124 (2) of the Constitution stipulates: "Every Judge of Supreme Court shall be appointed by the President." Plainly, the President of India still is central to the appointment of the Supreme Court judges, and the jurists of the apex court play a helping role vis-àvis the appointment of their colleagues to the Bench, through "consultation". The makers of our Constitution rightly and wisely drafted the legal words. Hence, the best of legal brains, like Ashoke K Sen, could be the President of Supreme Court Bar Association as well as a brilliant Law Minister from 1957 to 1966 and 1984-1987.

Those days — from 1947 to the 1990s — the executive rightly and legally held the key to the appointment of judges. However, a few deplorable happenings between 1973 and the 1990s pertaining to judges irreversibly damaged the reputation, image and credibility of both the executive (the appointing arm) and the apex court (the appointed). It marked an embarrassing period of struggle for mastery between the judiciary and the executive on the issue of apex court appointments. The Indian system honestly adopted and deftly adapted itself by finding a via media between the US system of judicial supremacy and the British principle of parliamentary supremacy. At the same time, it also empowered the judiciary to declare a law unconstitutional if it was perceived as going beyond the competence of the legislature, according to the distribution of powers, as enshrined in the Constitution. Thus, in the landmark 13-judge Bench (April 24, 1973) verdict on Kesavananda Bharati vs Kerala, the doctrine of the "Basic Structure of the Constitution" formed the basis of power of the judiciary to review and override amendments to the Constitution enacted by Parliament.In this background, when the executive gravely erred in appointing junior judge Ray as the Chief Justice of India (two days after the Kesavananda Bharati April 24 case) on April 26, 1973, jumping over three of his seniors (Shelat, Hegde and Grover), a protracted tussle between the two arms of the state became inevitable. Things worsened with the repeat bypassing of seniormost Justice Khanna by his junior jurist MH Beg in January 1977.

Eradicating naxalism requires more than firepower

While the policy of the government to deal with naxalite activities is comprehensive, setting a timeline to eliminate violence in a low-intensity conflict is best avoided.

The Central government has reiterated in multiple forums since early 2024 that left-wing extremism (LWE) would be eradicated from the country by March 31, 2026. It has asserted that the entire ecosystem of naxalism would have to be destroyed with a ruthless approach. Interestingly, the Director General of Police, Odisha, emphasised this deadline on the Police Commemoration Day last year: "I am confident that Odisha police is capable of meeting this deadline." He added that the LWE activities were now limited to very few pockets of the state and they would be eliminated soon.

Such an assertion by the government can, at best, be taken as a political statement intended to influence a targeted audience in a specific context. However, it is disconcerting to note this deadline being repeated by security forces personnel at the apex level, responsible to direct the anti-naxal campaign in the affected areas.

Undoubtedly, the security forces combating LWE in the eastern parts of India need to be complimented for the recent notable successful operations against the naxals, especially in targeting their leadership. On March 20, in two separate encounters in Chhattisgarh's Bastar region, security forces gunned down 30 Maoists, taking the total to 113 this year so far. As per a statement in Parliament by the MoS Home, LWE in the country has been contained in a significant manner in the last one decade in that the number of affected districts has come down to 38 from 126 in 2013 and violence-related incidents have reduced by 73 per cent since 2010. Irrespective of the recent successes notched up by the security forces, a realistic assessment of the conflict is imperative so as to avoid knee-jerk reactions by the security establishment. A number of LWE outfits have been operating in remote and poorly connected eastern areas of the country for decades. While LWE is a socio-economic problem, aimed to bring in a revolutionary democracy, it had assumed alarming proportions after 1999. The naxals had acquired significant capabilities to launch multiple coordinated attacks, executed with military precision by a large strength of cadres after detailed planning, reconnaissance and notable synergy. In April 2009, hundreds of cadres had even hijacked a train in Jharkhand. The attack on Nayagarh town in Odisha (February 15, 2008), when naxals overran three police stations and killed 13 policemen and two civilians and decamped with 1,100 weapons should not be forgotten.

They still have IED manufacturing units to maintain a continuous supply and wreak havoc on the civilians as well as security forces in the affected areas. An IED blast at Bijapur in Chhattisgarh on March 23 is a reflection of this capability. Destruction of infrastructure, levying of taxes and cess on narcotics plantation are being resorted



to with impunity. The naxals are also known to have domestic, regional and international linkages. The current volatile situation in Bangladesh and the increasing influence of Pakistan in its domestic and foreign policies can further complicate the situation. It is only a matter of time before the ISI steps in to exploit the situation to its advantage, with the aim of achieving its objective of destabilising India.

We need to remember that conflicts get transformed over a period of time with very significant evolutionary effects, which may lead to changes in the original goals of the movement, public attitude, external support, intensity levels and methods of operation of extremist cadres. An analysis of the current trends of naxalism is also indicative of the profound changes that have occurred in the very character of this conflict. It is imperative to identify and understand such a process so that the state response to the conflict can be suitably adapted.

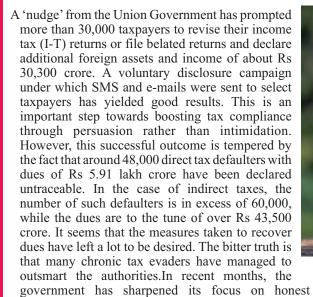
It is apparent that the factors which gave rise to naxalism the extent of poverty, uneven development, poor governance, neglect of land reforms, rising unemployment and tribals getting a raw deal — are, unfortunately, very much present today also. Land reforms, an important facet of countering left wing extremism, have not been taken up by the states. Unless these basic issues are sincerely addressed, a securitycentric approach by itself would not be enough to deal with the problem. The employment of the security forces is but one element of the integrated government response

to deal with the problem of LWE. It entails the concurrent application of all elements of national power to address the root causes over a protracted period of time. Imaginative application of the security forces constitutes an indispensable component of the national strategy for creating secure conditions that are conducive for other elements of national power to function. Security and development are interlinked and inseparable. In the long term, a fine balance between the two has to be maintained as a way forward. While the policy and approach of the government to deal with naxalite activities are multipronged and comprehensive, setting a timeline to totally eliminate violence in a low intensity conflict is best avoided. Pressure on units at the functional level can lead to violation of human rights and collateral damage.

We need to expect and plan for a long struggle, despite the reduction in violence levels. It takes time to develop organisations and formulate and implement the policies necessary for the campaign, which now have matured after a long period of evolution. The process of identifying and rooting out the naxal infrastructure and locating and bringing them to battle is long and drawn out. The security forces have a critical role to see that the situation is not reversed and continue to relentlessly pursue further improvement in the security situation. The gains of the last few years need to be consolidated. Dramatic action to create a short-term effect or give the impression of decisive action usually proves counterproductive in such situations.

Focus on taxpayers

Govt outreach aimed at boosting compliance





taxpayers, giving them huge relief in the Union Budget. The Finance Bill, 2025, is another initiative aimed at

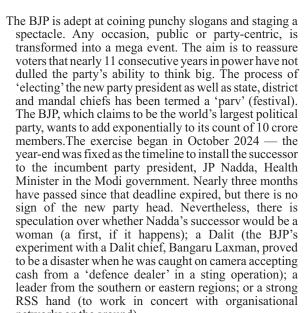
recognising the contribution of the middle class, which has traditionally been an important vote bank for the BJP. The underwhelming performance in the 2024 Lok Sabha elections appears to have spurred the ruling party to reach out to the tax-burdened public. This approach has already paid dividends in last month's Delhi Assembly elections.

A new challenge for the government is to firm up the recently introduced Income Tax Bill, which is being examined by a Select Committee of the Lok Sabha. The Bill seeks to achieve tax clarity by rationalising several provisions; minimising the scope for litigation is a key objective. Simplicity and transparency should be at the core of this legislation so that more and more taxpayers come forward to do their bit in the

best interests of Indian economy.

Govt's shadow looms over BJP polls

The party organisation has been playing second fiddle to the ruling establishment



networks on the ground). Nadda became the party president in 2020 in place of Amit Shah, who was arguably the most successful chief the BJP has had after LK Advani. The three-year term prescribed in the party's constitution was extended in Nadda's case. Indeed, when he was designated as a working chief soon after Shah relinquished presidency, there were murmurs that the move was not in sync with the constitution. Critics were told that the BJP's constitution existed because of the party and not the other way around. In the 'New BJP', which has emerged as the country's pre-eminent political force with no real challenger in the foreseeable future, the party organisation is an underling and the ruling establishment, ensconced in the South and North Blocks, the supreme authority whose writ must not be questioned. Above all, the constitution, quoted as gospel

by party old-timers when it was expedient, is no longer sacrosanct. The extension granted to Nadda ended in June last year when the Lok Sabha elections got over. But a recent amendment in the constitution, for whatever it's worth, empowered the apex body, the parliamentary board, to take a call on the president's tenure in 'emergency' situations. The latest round of Assembly elections which culminated in the BJP's victory in Delhi after the triumphs in Haryana and Maharashtra was cited for first going slow on the party polls and then for celebrating Nadda's 'organisational success'.

Although the membership drive was launched to enhance the atmospherics before the organisational polls, which sometimes get tangled in infighting at the grassroots level, the scenario was not as perfect as expected of the Modi-Shah regime. In Goa, a BJP-ruled state, complaints poured in against 'elected' mandal presidents who were proteges of ministers or MLAs. In Madhya Pradesh, consensus on the choice of district chiefs remained elusive because of disagreements among state leaders. Former CM Shivraj Singh Chouhan, who ruled MP long and strong and is now a Union minister, was reluctant to let his grip loosen.

Ittar Pradesh, the topmost state on Modi-Shah's radar, called for deft handling because of CM Yogi Adityanath - who is still regarded as a power unto himself despite the BJP's reversals in the state in the 2024 Lok Sabha polls — and the tricky caste equations. Adityanath held on to his post despite the setback and felt emboldened to intervene in the organisation elections. He apparently named his choice for the state president, even as Delhi wanted a backward caste person or a Brahmin to try and balance the CM's pro-Rajput policies and appointments. Power flows from a centralised command in Delhi — this is obvious from the fact that the BJP parliamentary party has not met once even nine months after the Lok Sabha polls. Even under the PM's gaze, a few MPs had once summoned courage to ask disconcerting questions on agriculture and the economy. The NDA MPs met in June last year, a subtle gesture to please the BJP's valuable allies in the minority government.

The BJP parliamentary board, whose stamp on crucial decisions is a must, rarely meets. CMs are picked by the top leadership, and the decision is communicated to the legislators, as was evident after the elections in Rajasthan, MP, Chhattisgarh and Delhi. Even the central election committee that selects candidates for the polls has not met often. In Delhi, the first list of 29 names was announced without a meeting of this committee; for the Jharkhand and Maharashtra polls, the body met just once, although there were multiple lists of candidates. How does the RSS which continues to retain the title of an 'ideological parent' to the BJP — deal with the concentration of power in the Modi-Shah duopoly? To the RSS, like the BJP, Modi's charisma and oratory remain sure-

fire guarantees in elections. Hence, it's unlikely that the Sangh will disturb the prevailing order unless there is an extreme provocation. And Modi, a die-hard pracharak who moderates his hardline stance only under duress, is unlikely to alienate the RSS. The PM is scheduled to visit the RSS headquarters in Nagpur on March 30. He is expected to meet Sarsanghchalak Mohan Bhagwat and thrash out the issues holding up the completion of the organisational poll process. In the past, the RSS 'loaned' quite a few pracharaks to the BJP; they served as the eyes and ears of the Sangh. It even tasked one of its senior officials to liaise with the BJP's organisational secretary, who has always been a former pracharak. The RSS has not replaced its former coordinator, Krishna Gopal; so, the post has effectively been disbanded. A sign of the

Sensex, Nifty fall in early trade over Trump tariff threats; Infosys down 2%

New Delhi. Benchmark stock market indices opened lower on Friday, as investor sentiment largely remains cautious due to uncertainty over Donald Trump's reciprocal tariff threats. Auto and IT sector stocks dragged the market down in early trade.

The S&P BSE Sensex lost 282.59 points to 77,323.84, while the NSE Nifty50 was down 84.70 points to 23,507.25 as of 9:42 am.Dr. VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Investments Limited, said, "The market's resilience, despite Trump's reciprocal tariff threats, comes from the renewed buying by FIIs and the confidence this has given to the bulls. The bears are currently on the back foot and this market construct may continue unless Trump announces something very nasty."In today's morning trading session on Sensex, Nestle India emerged as the top gainer, surging an impressive 1.92%. Hindustan Unilever followed closely, rising 1.67%, while ITC gained 1.17%. Kotak Bank and Asian Paints completed the top gainers' list, climbing 0.78% and 0.67% respectively. Mahindra & Mahindra took the biggest hit, plummeting 3.41%, followed by Infosys dropping 1.78%. Powergrid and Sunpharma shares also dropped by 1.22% each.

HCLTech also witnessed selling pressure as it fell 1.10%."Apart from the tariffs the market will be looking forward to the April 9th monetary policy and after that the Q4 results. The US PCE inflation data expected today may give an indication of the inflation trend in the US. But more important than that would be the inflationary expectations from Trump tariffs," said Vijayakumar. In this time of heightened uncertainty investors should remain calm and wait for the dust to settle down. FII buying will keep fairly valued largecaps resilient," he added.

Stocks: Infosys, Tata Motors, BEL, Adani Power, HCLTech and more

New Delhi. The benchmark indices on Dalal Street are expected to continue their positive momentum on Friday, March 6, with benchmark indices likely to open on a strong note. Investors are keeping an eye on ongoing trade negotiations between Indian and

Sensex and Nifty closed in the green in the previous session, with gains across multiple sectors. Gift Nifty trends suggest that the positive momentum may

Here are some stocks likely to be in focus today:

BEL Bharat Electronics has bagged fresh orders worth Rs 1,385 crore since its last update on March 12, 2025. The orders include radar spares, voting machines, simulators, navigation systems, stabilisers for tanks, fire control systems for naval decoys, and communication gear. Adani Power The company has resumed power supply to Bangladesh after a nearly four-month halt due to unpaid dues. Bangladesh is making monthly payments of \$90-95 million, but outstanding amounts remain unpaid, sources said.Adani Energy Solutions The company announced the acquisition of Mahan Transmission (MTL) via a share purchase agreement with REC Power Development and Consultancy on March 26. This gives it complete ownership of the SPV.

BPCL Saudi Aramco is reportedly in talks to invest in two refineries in India, seeking a stable crude outlet. The discussions involve BPCL's planned Andhra Pradesh refinery and an ONGC refinery in Gujarat, as per Reuters sources.

Auto, Pharma Stocks Fall Up To 6% In 3 Sessions On US Tariff Fears; What Investors **Should Know**

New Delhi. There's noticeable anxiety among investors in the pharma and auto sectors ahead of the April 2 deadline, when US President Donald Trump's tariffs are set to take effect. This has been reflected in the performance of these stocks, which declined for the third consecutive session on Thursday.

In early trade on Friday, these stocks dropped by as much as 3%, with the Nifty Auto and Nifty Pharma indices trading lower by 0.9% and 0.7%, respectively. Despite the 6% drop in some stocks over the past three sessions, market experts believe the panic is overblown, as they remain optimistic about the long-term prospects for both sectors.

While the market had anticipated tariff hikes, Trump's recent 25% tariff announcement on Wednesday for automobiles exported to the US caused a shift in sentiment. A White House official later clarified that the tariff would apply to auto and auto parts companies, along with additional duties and fees, and a 25% tariff will be added to the existing 25% levy on light trucks. The revenue generated from the tariffs is planned to be used for tax cuts for American companies. This uncertainty has also affected the pharma sector.

Over the last three sessions, the Nifty Auto index has fallen by 2%, with Tata Motors seeing a steep 6% drop—the highest among its peers. Experts suggest that Jaguar Land Rover (JLR) may be particularly impacted by the tariff increase.

Samvardhana Motherson International, with operations across North and South America and Europe, dropped by 1.6%, while Sona BLW Precision Forgings plunged over 8% in the past four sessions.

Other auto companies such as Bharat Forge, Tube Investments of India, Balkrishna Industries, Ashok Leyland, Bajaj Auto, Maruti Suzuki India, Exide Industries, Mahindra & Mahindra, Eicher Motors, and MRF saw declines ranging from 3.5% to 0.7%.

In terms of technicals, the Nifty Auto index has found support around the 100-week moving average (WMA) at 20,530, and it is attempting a pullback from oversold levels. Technical charts suggest that the index could rebound to 23,900 levels, offering an upside potential of nearly 11%. Interim resistance for the index is seen at 21,940, 22,080, 22,550, 22,650, and 23,070 levels.

Planning a bank transfer on March 31 Here's why it may not work

Complete financial transactions before March 29 to avoid issues March 31 marks end of financial year, affecting key banking services Complete financial transactions before March 29 to avoid last-minute issues

New Delhi. Imagine rushing to make a crucial bank transfer, only to realise that the system isn't processing transactions. That's exactly what could happen on March 31, as key banking services will be affected due to it being last day of the

While banks will remain open, transactions like fund transfers, cash deposits, and withdrawals may not go through.March 31, 2025, is the last day of the financial year, but certain financial transactions will not be processed on this day. While banks will remain open, services such as fund transfers, cash deposits, withdrawals, and RTGS/NEFT transactions may not be available. It is important for customers and businesses to complete their financial transactions before March 29 to avoid any last-minute issues, since March 30 is a Sunday and March 29 is a Saturday.

WHAT TRANSACTIONS WILL BE AFFECTED?

Fund Transfers - RTGS and NEFT transactions may not be processed on March 31.Cash Deposits and Withdrawals – Banks may not process cash-related transactions on this day. Salary and Vendor Payments – Businesses

should ensure payroll and vendor payments are completed in advance.

Tax Payments – Those making last-minute income tax or GST payments should



penalties.Since March 31 marks the financial year-end, delays in processing transactions could impact compliance, tax filings, and business operations. To avoid any issues:Individuals should clear EMIs,

credit card dues, and utility bills ahead of time.Businesses should process all payments, including vendor settlements

and tax payments, before March 29. complete them before March 29 to avoid Investors should make any last-minute stock market or investment adjustments before the financial

year closes.

While certain banking services will be affected, digital banking options such as UPI, IMPS, and mobile banking will remain operational. Customers can continue using these platforms for routine transactions. However, it is advisable to check with individual banks for specific details regarding services that may be impacted. As March 31 is a non-working day for certain financial transactions, individuals and businesses should complete

all important banking tasks before March 29. This will ensure smooth processing and avoid any last-minute disruptions during the financial year-end.

How this scheme can help you save Rs 20 lakh in 15 years for daughter

New Delhi. Every parent dreams of the first quarter of 2025." giving their child the best education HOW MUCH TO INVEST daughter's higher education expenses, If a parent whose daughter is nine years the Sukanya Samriddhi Yojana (SSY) can be a great savings option.But how much should you invest every month to build a corpus of Rs 20 lakh in the next 15 years? Let's find out.

WHAT IS SSY?

The Sukanya Samriddhi Yojana is a savings scheme launched by the government in 2015, under the "Beti Bachao, Beti Padhao" campaign, designed to encourage parents to save for their daughter's education and marriage expenses, thereby promoting financial security and empowerment for girls. According to CA (Dr.) Suresh Surana, "Under the SSY, an account may be opened by either a parent or a legal guardian in the name of a girl child, provided that the said child has not attained the age of 10 years as of the date of account opening. The interest rate on the deposits made is 8.2% for

possible. If you are planning for your MONTHLY TO GET RS 20 LAKH?

old and wants to accumulate Rs 20 lakh in 15 years, how much should he invest



in SSY? Dr Suresh Surana explained, "In the aforementioned case, the parent intends to accumulate a corpus of Rs 20 lakh over a period of 15 years, requiring an estimated monthly investment of Rs. 6,100.""However, if he plans to make a withdrawal, he may only withdraw up to 50% of the accumulated amount," he noted.He also pointed out that the

calculation assumes a constant rate of interest, which is subject to revision by the government and may vary accordingly. Further, he added, "If the parent intends to withdraw Rs. 20 lakh in full for higher education, the required corpus should be Rs 40 lakh necessitating an estimated monthly investment of Rs.12,100.'

IMPORTANT THINGS TO KNOW

Premature withdrawal from the account shall be permitted, provided that such withdrawal shall only be allowed upon the account holder attaining the age of 18 or successfully passing the 10th standard examination, whichever occurs earlier, subject to the submission of a duly completed application on Form-3, said Dr Surana.

He also noted that the maximum amount that may be withdrawn shall not exceed 50% of the balance available in the account at the end of the financial year immediately preceding the year in which the withdrawal application is

Centre to borrow Rs 8L crore in H1 FY26, 54% of year's target

Mumbai. Govt on Thursday said it will borrow Rs 8 lakh crore or 54% of its total planned borrowing of Rs 14.8 lakh crore for FY26 during the first half of the fiscal. It refrained from front-loading the borrowing programme to avoid any upward pressure on rates when the RBI is infusing a record level of liquidity into the system. Govt also said that in FY26 it will borrow less through bonds with maturity of 30 years and more (super long maturity) since the market had communicated to them about muted demand for such papers. Recent growth moderation needed policy support for at least the next 6-9 months. Hence, in continuation of the ongoing policy measures by govt (sticking to fiscal consolidation without compromising quality of expenditure) and RBI (initiation of monetary



Health insurance rejected Here are 5 things you need to know

New Delhi. Most individuals purchase health insurance to cater for their future healthcare needs. Yet, during claim time, some face rejections due to simple errors. This makes one feel frustrated and suspicious about the intentions of the insurer. Understanding why claims are rejected is important as it will help you avoid unnecessary stress. The following are some common errors when filing health insurance claims and how to avoid

NON-DISCLOSURE OF PRE-EXISTING MEDICAL IGNORING POLICY TERMS AND **CONDITIONS**

One of the most common reasons for claims getting rejected is concealing pre-existing medical conditions. At the time of purchasing the policy, you must disclose health issues like diabetes, high blood pressure, or previous operations. If the insurance company



discovers subsequently that they were not disclosed, the claim can be rejected. To prevent this, one has to be honest about his/her medical history.

CONDITIONS

Numerous claims are rejected since policyholders are not aware of their policy details. For instance, claims for specific treatments such as hernia, cataracts, or knee replacement may be declined during the waiting period (which could be two-three years after

purchasing the policy). In addition, many policies have a room rent limit. If you claim a higher-category room in the hospital, your claim can be partially rejected. Thus, it is recommended to read your policy carefully before purchasing it and clear doubts with the insurance company, if any.

CLAIMING FOR EXCLUSIONS IN THE POLICY

Every health insurance policy includes and excludes specific treatments. At times, people attempt to claim for treatments which are not covered in the insurance policy. Therefore, you must check what your policy covers before undergoing treatment.

POLICY LAPSE OR INSUFFICIENT COVERAGE

Many a time a claim is rejected owing to the expiration of the policy and also when the total medical cost exceeds the easing with sizeable liquidity infusion), frontloading of the borrowing programme has been avoided. This will deny any undue pressure on market interest rates," said Ram Kamal Samanta senior VP - investments, Star Union Dai-ichi Life Insurance.Of the total gross borrowing programme, govt is planning to mobilise 54% in the first half, as compared to 53% in FY25, 58% in FY24 and 59% in FY23. Additionally, govt has decided to borrow 34.5% of total first-half borrowing through super-long tenure securities as compared to 37% during the first half of FY25. The decision comes in the backdrop of widening of yield spreads of super long gilts over the benchmark 10-year gilts from 20 basis points (100bps = 1 percentage point) during Sept 2024 to as high as 47 basis points during late February 2025. This indicates lesser appetite from long term investors amid recent growth moderation, bond market players said.

Razorpay's Shashank Kumar, Harshil Mathur become India's youngest billionaires

Harshil Mathur and Shashank Kumar met at IIT Roorkee, where they shared an interest in technology and problem-solving. Their journey into fintech began in 2014 when they launched Razorpay to simplify digital payments in India.

New Delhi. It's no secret that India's startup ecosystem is one of the most exciting in the world as it has seen entrepreneurs rise faster than ever. And now, out of this thriving landscape, India has got its youngest billionaires, Razorpay co-founders Shashank Kumar and Harshil Mathur. At just 34, they have joined the elite club with a net worth of Rs 8,643 crore each, as per the Hurun Global Rich List 2025. Their rise to billionaire status also highlights the growth of the fintech sector and the increasing influence of homegrown startups in the global economy.Kumar and Mathur met interest in technology and problemsolving. Their journey into fintech began The number of billionaires in India has seen

in 2014 when they launched Razorpay to simplify digital payments in India. Before turning entrepreneurs, both had corporate jobs. Kumar worked as a software development engineer at Microsoft, while Mathur was a wireline field engineer at Schlumberger. Their experience with the challenges of online payments in India led them to create Razorpay. Mathur once mentioned on his LinkedIn profile, "We started Razorpay after discovering the dismal state of online payments in India."

RAZORPAY'S GROWTH

Razorpay has grown into one of India's leading digital payment solutions providers. In December 2021, the company secured \$375 million in its Series F funding round, reaching a valuation of \$7.5 billion. The startu has attracted investment from global firms, including Singapore's sovereign wealth fund GIC, Sequoia Capital, Ribbit Capital, Tiger Global Management, Matrix Partners India, and Y Combinator. The company's success reflects the growing investor confidence in India's fintech industry.

at IIT Roorkee, where they shared an BILLIONAIRE COUNT CONTINUES **TO RISE**

fluctuations over the years. In 2022, the count surged to 249 but dropped to 187 in 2023 due to market challenges. The trend reversed in 2024 with 271 billionaires, and in 2025, the number has increased further to 284. According to Hurun India's founder and chief researcher, Anas Rahman Junaid, "The collective wealth of Indian billionaires has surpassed the trillion-dollar milestone, signalling a new era of prosperity. Notably, 62% of these billionaires have experienced increased wealth, underscoring the positive

> While Kumar and Mathur have become India's youngest billionaires, China's Wang Zelong, aged 29, holds the same net worth of Rs 8,643 crore. The average age of billionaires in India is 68, slightly

economic trends sweeping the nation."

above the global average of 66, showing that wealth accumulation typically happens later in life.Roshni Nadar, chairperson of HCL Technologies, has secured the third spot among India's richest individuals, with a net worth of Rs 3.5 lakh crore. Her rise highlights the growing influence of women in India's corporate landscape.

MUKESH AMBANI SLIPS IN **GLOBAL RANKINGS**

Mukesh Ambani, who has been among the world's richest individuals for years, has dropped out of the top 10. The Hurun Global Rich List 2025 attributes this decline to a Rs 1 lakh crore drop in his wealth, linked to rising debt levels. Meanwhile, Elon Musk remains the world's richest person with a net worth of \$420 billion, followed by Mark Zuckerberg and Jeff Bezos.

INDIA'S BILLIONAIRE CITIES

India's total billionaire wealth now stands at Rs 98 lakh crore, nearly one-third of the country's GDP-surpassing even Saudi Arabia's entire economy. Mumbai remains home to the highest number of billionaires in India, with 90, though it has lost its title as Asia's billionaire capital to

Supreme Court's big remark on freedom of speech: Satire enriches life

The Supreme Court's remarks came as it quashed an FIR filed against Congress MP Imran Pratapgarhi over a poem uploaded by him on social media. It holds importance in the backdrop of the Kunal Kamra row.

Free NEET, CUET coaching to

lakh to get benefit in Delhi

schools.

government school students, 1.63

NEW DELHI. In what could be a good news for the

government school students who cannot afford expensive NEET and CUET coaching, the Delhi

Education Department is preparing to offer free

coaching to Class 12 students of city government

The Directorate of Education on Thursday signed a

Memorandum of Understanding (MoU) with Bharat

Innovation Global Pvt Ltd to provide free online

coaching to Class 12 students of government schools,

preparing for the National Eligibility cum Entrance Test

(NEET) and Common University Entrance Test (CUET

Bharat Innovation Global Private Limited (BIG) is a

collaboration between the National Skill Development

Corporation (NSDC) International, the Union Ministry

of Skill Development and Entrepreneurship, and ed-tech

Chief Minister Rekha Gupta, who attended the MoU

signing at the Assembly, said the initiative would help

over 1.63 lakh students of Delhi government schools to

secure admission to medical colleges and Central

universities. "With this support, more students will have

the opportunity to pursue their dreams of becoming

doctors and securing admissions in top universities," she

The Physics Wallah, based in Noida, has been roped in to

provide classes for 30 days from April 2. Students will

attend six hours of classes every day, which will run until

May 5. The course will cover subjects such as Physics,

Chemistry, Biology, Mathematics, General Aptitude,

and English. PDF notes for revision, regular tests, and a

doubt resolution portal will be made available. Also, a

subject-wise study plan will guide students through the

The previous AAP government had launched the Jai Bhim

Mukhyamantri Pratibha Vikas Yojana to provide free

coaching to SC/ST, OBC and EBC students for entrace

and competitive exams but was discontinued in 2022

pension beneficiaries in Delhi

Officials from the Social Welfare

Department stated that under the

previous administration, no verification

was done, resulting in thousands of

Verification drive soon for

company Physics Wallah Limited.

New Delhi. The Supreme Court on Friday said freedom of expression was an "integral part" of a healthy civilised society as it cancelled an FIR filed in Gujarat against Congress MP Imran Pratapgarhi over a poem uploaded by him on social media.

The top court, in strong remarks against the Gujarat Police, said the offence of promoting enmity cannot be judged by the standards of "insecure people" who see everything as a threat or

"Free expression of thoughts and views is an integral part of a healthy civilised society. Without it, it is impossible to lead a dignified life guaranteed under Article 21 of the Constitution. Literature,

including poetry, drama, art, satire, enriches life," a bench of Justice AS Oka and Justice Ujjal Bhuyan said.

The verdict holds importance against the backdrop of the row involving comedian Kunal Kamra, who is facing a defamation performance. Criticising the Gujarat High The Supreme Court directed the police to Court for refusing to quash the FIR, the

case for calling Shiv Sena chief Eknath Shinde a "traitor" during a parody bench reminded the courts and the police



of their duty to protect constitutional rights, saying free speech was the "most cherished right".

"The courts are duty-bound to uphold and enforce fundamental rights. Sometimes we, the judges, may not like the spoken or written words, but... we are also under an obligation to uphold the Constitution and the respective ideals," the top court said.

ensure that "reasonable restrictions" on free speech remain "reasonable and not fanciful and obstructive".

WHAT IS THE CASE?

A case was filed against Pratapgarhi in Gujarat after the Congress MP shared a poem on social media with the song 'Ae khoon ke pyase baat suno' playing in the background. It was perceived to be a dig at the BJP-ruled government.

On January 17, the Gujarat High Court declined to cancel the FIR. The Supreme Court had reserved its judgment after hearing the case in January.

During the hearing, the top court said the poem was not anti-religious or antinational and the police must show sensitivity and understand the meaning of freedom of speech and expression.

Delhi HC issues notice to L-G V K Saxena on Medha Patkar's plea for new witness

The court noted that the case has been pending for 24 years. However, Patkar's counsel countered that there had been no delay from their end.



NEW DELHI. Social activist and Narmada Bachao Andolan leader Medha Patkar has moved the Delhi High Court against the dismissal of her plea seeking to introduce and examine an additional witness in her longstanding defamation case against Delhi Lieutenant Governor VK Saxena.

Justice Shalinder Kaur, after hearing the matter on Thursday, issued a notice to Saxena, seeking his response. The court also noted that the case has been pending for 24 years. However, Patkar's counsel countered that there had been no delay from their end. During the hearing, her counsel urged the court to stay the recording of Saxena's statement under Section 313 of the Criminal Procedure Code (CrPC), scheduled for the next

However, the court refrained from granting any such relief at this stage. Section 313 of CrPC provides an accused with an opportunity to explain any incriminating evidence presented against them during the trial. The case will now be heard in May. Patkar had approached the HC challenging a March 18 order of the trial court, which had dismissed her plea to introduce a fresh witness. The trial court observed that the request appeared to be a tactic to delay proceedings rather than a genuine necessity.

The origins of the legal battle date back to 2000, when Patkar sued Saxena, who was then heading an Ahmedabad-based NGO, the Council for Civil Liberties, over advertisements allegedly defaming her and the Narmada Bachao Andolan. Saxena, in turn, filed a counter-defamation case against Patkar, accusing her of maligning him in a press note dated November 25, 2000, titled "True Face of Patriot." Patkar had allegedly referred to Saxena as a coward rather than a patriot.

This counter-case resulted in Patkar being sentenced to five months of simple imprisonment last year, though her sentence was later suspended, and she was granted bail. In her plea, Patkar argued that she had the right to call upon any witness under Section 254(1) of CrPC to strengthen her case. She maintained that there was no legal bar preventing her from doing so. However, the trial court found no merit in her argument, ruling that she had already examined all the witnesses listed in her complaint.

India ready to assist: PM Modi after massive earthquake jolts Myanmar, Thailand

Expressing concern over two back-to-back earthquakes of magnitudes 7.7 and 6.4 that struck Myanmar earlier today, PM Modi reached out to the Southeast Asian nation and Thailand, assuring assistance and offering prayers 'for the safety and well-being of everyone.'

New Delhi. Expressing concern over two back-toback earthquakes of magnitudes 7.7 and 6.4 that struck Myanmar earlier today, Prime Minister Narendra Modi reached out to the Southeast Asian nation and Thailand, assuring assistance and offering prayers "for the safety and well-being of everyone.'

"Concerned by the situation in the wake of the Earthquake in Myanmar and Thailand. Praying for the safety and

wellbeing of everyone. India stands ready to offer all possible assistance. In this regard, asked our authorities to



be on standby. Also asked the MEA to remain in touch with the Governments of Myanmar and Thailand," PM Modi

city of Sagaing at a depth of 10 kilometers. As the tremors were felt 900 kilometres away in Thailand's capital, Bangkok, Thai Prime Minister Prayut

The earthquake, recorded at

and Bangladesh

experiencing strong

aftershocks. The epicentre

was located 16 kilometres

northwest of the Burmese

Chan-o-cha declared a state of emergency following a meeting to assess the damage caused by the

Shiv Nadar's Daughter Becomes First Indian In Top 10 Rich List For Women

Her rise in the rankings follows a 47 per cent stake transfer from her father, Shiv Nadar, the founder of HCL Technologies.

New Delhi. Roshni Nadar Malhotra, chairperson of HCL Technologies, has made history by becoming the first

Indian to enter the top 10 in the Hurun Global Rich List 2025 for women. With an estimated net worth of Rs 3.5 lakh crore, she has secured the fifth position among the world's wealthiest women.

Her rise in the rankings follows a 47 per cent stake transfer from her father, Shiv Nadar, the founder of HCL Technologies. This transfer has placed her in control of Vama Sundari Investments (Vama Delhi) and HCL Corp, the promoter entities of HCL Technologies. As a result, Roshni Nadar Malhotra will now oversee all strategic decisions for the \$12 billion technology giant.

With this transfer, Roshni Nadar

voting rights for Vama Delhi's 44.17

per cent stake and HCL Corp's 0.17 per Roshni Nadar Malhotra took over as cent stake in HCL Technologies and HCL Technologies' chairperson in July



voting rights over Vama Delhi's 12.94 per cent stake and HCL Corp's 49.94 per cent stake in HCL Infosystems.

Before this transfer, Shiv Nadar held 51 per cent stake in both Vama Delhi and

2020. She is also a trustee of the Shiv Nadar Foundation, which has established top educational institutions in India.

The Hurun Global Rich List 2025 features several other Indian billionaires. Gautam Adani remains the second-richest person in India and ranks 18th globally. Dilip Shanghvi of Sun Pharmaceutical is at fourth position in India, followed by Azim Premji of Wipro in fifth.

The 2025 Hurun List includes 3,442 billionaires from 71 countries, marking a 5 per cent increase in the number of billionaires compared to

eligible individuals being excluded from last year. Their total wealth has grown HCL Corp, while Roshni Nadar Malhotra now holds control over by 13 per cent. pension benefits. Malhotra owned 10.33 per cent in both NEW DELHI. After announcing an increase in pension PWD Minister Parvesh Verma's 'bhai' amounts for senior citizens and specially-abled individuals in the 2025-26 budget, the Delhi government is set to launch a verification drive for all existing pension holders and eligible applicants. Officials from the Social Welfare Department said that remark sparks row in Delhi Assembly

administration, leading to thousands of eligible individuals being excluded from pension benefits despite meeting the criteria. Since the AAP government assumed office in 2013, the pension system has remained largely unchanged, officials said. Pensions for the elderly, widows

no verification had been conducted under the previous

individuals have continued without updates, they added. "As per regulations, annual verification is required, but this process has not been undertaken for the past 12 years. As a result, many elderly beneficiaries have passed away, while others who are eligible are still waiting for their pensions," a senior official, requesting anonymity, said.

and disabled

The department acknowledged the lack of accurate data on widow and disabled pensioners. To address this, officials outlined a plan to issue 50,000 new pensions while discontinuing those found to be ineligible. Additionally, the entire pension system will be digitized and pension cards will be introduced for all beneficiaries. These cards will contain vital details about the pensioner and their entitlements, ensuring greater transparency and accountability, officials said.

Ruling party legislators argued the opposition was intentionally causing disruptions, especially since the question pertained to Chhath Puja.

NEW DELHI. The fourth day of the Delhi assembly's budget session was marked by a massive uproar after PWD Minister Parvesh Verma directed a comment at Leader of Opposition (LoP) Atishi during the Question Hour. Verma, who was responding to a question on the government's pilgrimage schemes and financial support for religious trips, was interrupted by Atishi.

In response, he presumably referred to her

with an otherwise unremarkable word "Bhai," triggering a 13-minute long disruption and heated exchanges between the ruling BJP and the AAP.

The comment quickly escalated tensions. AAP MLAs protested, demanding an explanation for the remark. Verma defended himself, questioning, "What did I say? How is it wrong to say 'bhai'?" He further clarified, "Atishi ji is my sister, not my brother," amid continued exchanges with AAP lawmakers. Despite Verma's clarification, opposition AAP members remained angry, with Atishi, a former chief minister, standing up to counter the remark.

As the minister tried to resume his speech, loud protests from Atishi and other AAP MLAs continued. After repeated failed attempts to resume his speech, a seemingly exasperated Verma said, "Kahan se laaye ho bhai?"

Atishi, asserting that the language used by Verma was "unparliamentary," once joined in, accusing Verma of disrespect. The Speaker, Vijender Gupta, intervened, asking AAP members to Ravi, one



identify the offensive word, asserting that "bhai" was not objectionable. "I don't understand the issue," he said. As the uproar continued, Speaker Gupta marshalled out two AAP MLAs, Vishesh Ravi and Kuldeep Kumar, from the House. Later, MLA Mukesh Ahlawat was also suspended. However, following

again stood in protest. Other AAP MLAs a request from the AAP delegation, the suspension of Ravi and Kumar was revoked.

> actions, accusing him of bias in favour of the ruling party. This kind of bias encourages ruling party members to make objectionable comments," he said. "It is unacceptable that we are being punished instead of those who are using such words. We will continue to show solidarity for the LoP, who is not just a woman but a former CM of the national

> of the suspended MLAs,

criticised the Speaker's

capital.' Ruling party legislators argued the opposition was intentionally causing disruptions, especially since the question pertained to Chhath Puja. BJP members also raised slogans of "Chhathi Maiyya Ki Jai" in response to the ongoing protests.

Saturday, 29 March 2025

PM Mark Carney say Canada's traditional ties with US are over amid auto tariff threats

OTTAWA. In a dramatic shift in Canada's foreign policy, Prime Minister Mark Carney declared on Thursday that the long-standing economic and security relationship between Canada and the United States has come to an end. This statement followed US President Donald Trump's announcement of new auto tariffs that could severely impact Canada's economy, Politico reported.

The old relationship we had with the United States, based on deepening economic integration and tight security and military cooperation, is over," Carney said on Parliament Hill after breaking from his federal campaign trail to respond to Trump's latest threats. Trump announced on Wednesday that his administration would impose a 25% tariff on auto imports from Canada, the European Union, Japan, and South Korea. He also threatened to introduce additional tariffs targeting other major US trading partners.In response, Carney said he would speak with Trump in the coming days but emphasised that any discussions must respect Canada's sovereignty. "We must fundamentally reimagine our economy. We need to ensure that Canada can succeed in a drastically different world," he said.

Carney convened his Cabinet's committee on Canada-US relations upon returning to Ottawa. Canada has indicated it is prepared to retaliate, but the government has not revealed specific countermeasures. "We are facing a comprehensive and broad negotiation," Carney said, adding that he would not disclose Canada's response strategy prematurely.Flavio Volpe, president of the Automotive Parts Manufacturers Association of Canada, warned that if the tariffs go forward, both countries' auto industries could be paralyzed within a week."One day, two days, three days where you hope the president shows you mercy. You're a publicly traded company whose share price is taking a beating, and you have a fiduciary obligation to shareholders,' Volpe told Politico.

Noted economist honored by Trump warns that 25% tariffs risk 'irreparable damage' to US automakers

WASHINGTON. Noted economist Arthur Laffer warns in a new analysis that President Donald Trump's 25% tariffs on auto imports could add \$4,711 to the cost of a vehicle, adding that the proposed taxes could weaken the ability of U.S. automakers to compete with their foreign counterparts. In the 21page analysis obtained by The Associated Press, Laffer, whom Trump awarded the Presidential Medal of Freedom in 2019 for his contributions to economics, says the auto industry would be in a better position if the president preserved the supply chain rules with Canada and Mexico from his own 2019 USMCA trade pact. The White House has temporarily exempted auto and parts imports under the USMCA from the tariffs starting on April 3 so that the Trump administration can put together a process for taxing non-U.S. content in vehicles and parts that fall under the agreement."Without this exemption, the proposed tariff risks causing irreparable damage to the industry, contradicting the administration's goals of strengthening U.S. manufacturing and economic stability," Laffer writes in the analysis. "A 25% tariff would not only shrink, or possibly eliminate, profit margins for U.S. manufacturers but also weaken their ability to compete with international rivals."While Trump's tariff plans have frightened the stock market and U.S. consumers. Laffer's analysis shows the administration has yet to convince even his favored economists that his import taxes would deliver as promised. The paper reminds Trump that it's not too late to change course, specifically complimenting the USMCA negotiated in his first term as a "significant achievement.""The United States-Mexico-Canada Agreement (USMCA) has served as a cornerstone of President Trump's first term and has quickly become a dominant feature of North American trade policy, fostering economic growth, stabilizing supply chains, and strengthening the U.S. auto industry," Laffer

Suspected US strikes pummel Houthi-controlled areas of Yemen

DUBAI. Suspected U.S. airstrikes pummeled sites across Yemen controlled by the Houthi rebels early Friday, including neighborhoods in the capital, Sanaa. The extent of the damage and possible casualties wasn't immediately clear, though the number of strikes appeared particularly intense compared to other days in the campaign that began March 15.An Associated Press review has found the new American operation under President Donald Trump appears more more extensive than those under former President Joe Biden, as the U.S. moves from solely targeting launch sites to firing at ranking personnel as well as dropping bombs in cities. Initial reports from the Houthis described at least seven people being hurt in the attacks Friday in Sanaa, Yemen's capital. Other strikes hit around the Red Sea port city of Hodeida, the rebel's stronghold of Saada and in Yemen's al-Jawf, Amran and Marib governorates. The Houthis did not immediately acknowledge what at those sites had been targeted, other than Sanaa International Airport. which is used for both civilian and military traffic. Neighborhoods in the capital also are home to military and intelligence service sites — as well as crowded with civilians.

Bangladesh's Chief Adviser Muhammad Yunus meets Chinese President Xi Jinping

with Bangladesh's Chief Adviser Muhammad Yunus here on Friday, official media reported. Yunus, on a four-day visit to China, took part in the country's Boao Forum for Asia Annual Conference in Hainan after his arrival there on Wednesday. He arrived in Beijing on Thursday and was received at the airport by Chinese Vice Foreign Minister Sun Weidong. Gearing up for his meeting with Xi, Yunus called on China on Thursday to reduce interest rates for Chinese loans and waive commitment fees on Chinese-funded projects.In his meeting with the Chinese Executive Vice Premier Ding Xuexiang on the sidelines of the Boao Forum for Asia Annual Conference, Yunus sought Chinese support in an array of development projects, Bangladesh media reports said.He also called for a reduction of interest rates for Chinese loans from three per cent to 1-2 per cent to Bangladesh and sought a waiver of

funded projects in Bangladesh.China is Bangladesh's fourth-largest lender after Japan, the World Bank and the Asian Development Bank, with total loans disbursed since 1975 coming to USD 7.5 billion, according to a report in the Daily Star newspaper of Bangladesh.

In his meeting with Ding, Yunus sought Beijing's help in facilitating the relocation of the Chinese manufacturing industries, including ready-made garments, electric vehicles, light machinery, high-tech electronics, chip manufacturing and the solar panel industry.On the sidelines of the forum, Yunus also met Russian Deputy Prime Minister Alexey Overchuk, who expressed Moscow's interest in exporting more wheat and fertiliser to Bangladesh."Russia would like to export more wheat and fertiliser to Bangladesh," he said. During the meeting, the two leaders discussed the



operationalisation of the Russia-funded Rooppur Nuclear Power Plant. Yunus also met former UN Secretary-General Ban Kimoon, who is the Chairman of the Boao Forum, and sought support and advice for a smooth transition to democracy in Bangladesh. We want to start anew; we need your support and advice. We are having a great opportunity now," Yunus was quoted by the daily as saying. A day ahead of the

China signalled its desire to expand ties with Dhaka in a changed Bangladesh scenario, state-run BSS news agency reported."President Xi Jinping attaches tremendous importance to your (Yunus') visit," BSS quoted Chinese Vice-Premier Ding Xuexiang telling Yunus, hoping for the South Asian nation's prosperity under his interim

Ding said Beijing would extend full support to the Bangladesh government in terms of investment, trade and cultural ties, and people to people exchanges as they mark 50 years since the establishment of bilateral diplomatic ties.According to BSS, Yunus told the Chinese vice-premier about Bangladesh's firm support and commitment to the One China policy, adding that Dhaka takes pride in being the first South Asian nation to join China's Belt and Road Initiative.

US Homeland Security Chief

Issues Stern Warning to

Migrants from El Salvador's

Mega-Prison

illegal migration with a stark message delivered from

one of the world's most notorious prisons. Homeland

Security Chief Kristi Noem recently visited the

Terrorism Confinement Centre (CECOT) in El

Salvador, sending a direct warning to those considering

Standing inside the heavily fortified facility, Noem

declared: "Do not come to our country illegally. You

will be removed and you will be prosecuted." The visit, heavily publicised, showcased the extreme conditions

of the prison, which houses thousands of the region's

most dangerous gang members. The US has recently

deported hundreds of Venezuelan migrants under

controversial legal grounds, alleging they were

affiliated with the feared Tren de Aragua gang. Despite

judicial intervention attempting to halt deportations,

the Trump administration proceeded with sending 238

individuals to El Salvador, where they now face

indefinite detention in the high-security prison.

Old ties with US over, says Canada's new PM amid Trump's tariff threats

Canadian Prime Minister Mark Carney on Thursday declared that the old economic and defence ties with the US were over after his US counterpart, Donald Trump, imposed a 25 percent tariff on automobile imports.

world. Canadian Prime Minister Mark Carney on Thursday declared that the old economic and defence ties with the US were over after his US counterpart, Donald Trump, imposed a 25 percent tariff on automobile imports. In response, Carney called it a "very direct attack" on the Canadian economy."The old relationship we had with the United States, based on deepening integration of our economies and tight security and military cooperations, is over," Prime Minister Carney told reporters today.

"The time will come for a broad relationship."The 60-year-old, who replaced Justin Trudeau last month, said that he was "unclear" about what the Trump administration's next move would be."What is clear is that we as Canadians have agency. We have power. We are masters in our own



home," he said. "We control our destiny. We can give ourselves much more than any foreign government, including the United States, can ever take away."Prime Minister Carney was speaking in Ottawa following a meeting with provincial leaders, where

he discussed Trump's new tariff policy. renegotiation of our security and trade Ahead of the meeting in Ottawa, Carney said that Trump's tariff action will lead to potential economic distress among world. The United States has escalated its stance on US consumers."This is a very direct attack. We will defend our workers. We will defend our companies. We will defend our country," Carney stated earlier.Calling the tariffs "unjustified,"

Carney said that he would look into Trump's latest executive order before announcing any retaliatory

The automobile sector employs nearly 125,000 Canadians and another half a million in related industries, making it Canada's second-largest export sector. Earlier, Trump had exempted auto imports from Mexico and Canada

from tariffs.On April 2, the Trump administration also imposed a 25 percent tariff on Canadian steel and aluminum imports, dealing a huge blow to one of the US's top trading

US-El Salvador Cooperation and Concerns

unlawful entry into the US.

A Chilling Message from Inside CECOT

Alongside the visit, the US signed a new intelligencesharing agreement with El Salvador, aimed at bolstering efforts to combat transnational crime. However, this partnership has sparked backlash from human rights groups, who argue that such deportations violate due process and expose migrants to extreme conditions without proper legal recourse.

Amnesty International has raised concerns over wrongful detentions, while Venezuelan President Nicols Maduro condemned the deportations as acts of "kidnapping" orchestrated by Washington. Some analysts caution that the Trump administration's approach could strain diplomatic relations, as future US governments may reconsider such controversial collaborations. What is El Salvador's Mega-Prison?

The Terrorism Confinement Centre (CECOT), built under President Nayib Bukele's administration, is the largest and most secure prison in Latin America. Designed to house up to 40,000 inmates, it was constructed as part of Bukele's aggressive crackdown on gang violence.

CECOT operates under extreme security measures, including electrified walls, constant military surveillance, and a total ban on family visits. Since its inception in 2022, over 86,000 suspected gang members have been detained under emergency laws, though human rights groups claim thousands were arrested arbitrarily. With the US now deporting alleged criminals to El Salvador, the mega-prison has become a focal point in Washington's latest immigration crackdown. However, as international scrutiny intensifies over potential human rights violations, the long-term implications of this strategy remain uncertain. For now, the message from US officials remains firm: attempt to cross the border illegally, and you may end up in one of the world's most feared

Health and Human Services will lay off 10,000 workers, close agencies in a major restructuring

workers and shut down entire agencies, including ones that oversee billions of dollars in funds for addiction services and community health centers across the country. Health Secretary Robert F. Kennedy Jr. criticized the department he oversees as an inefficient "sprawling bureaucracy" in a video announcing the restructuring Thursday. He faulted the department's 82,000 workers for a decline in Americans' health."I want to promise you now that we're going to do more with less," Kennedy said in the video, posted to social media. The restructuring plan caps weeks of tumult at the nation's top health department, which has been embroiled in rumors of mass firings, the revocation of \$11 billion in public health funding for cities and counties, a tepid response to a measles outbreak, and controversial remarks about vaccines from its new leader.

WASHINGTON. In a major overhaul, Still, Kennedy said a "painful period" the U.S. Department of Health and lies ahead for HHS, which is Human Services will lay off 10,000 responsible for monitoring infectious Democrats quickly panned Kennedy's diseases, inspecting foods and plans, warning they could have untold hospitals, and overseeing health insurance programs for nearly half the country.Overall, the department will



downsize to 62,000 positions, losing nearly a quarter of its staff — 10,000 jobs through layoffs and another 10,000 workers who took early retirement and voluntary separation offers encouraged by President Donald Trump's administration.

The staffing cuts were first reported by The Wall Street Journal.Public health

experts, doctors, current and former HHS workers and congressional consequences for millions of people.

"These staff cuts endanger public health

and food safety," said Brian Ronholm, director of food policy at Consumer Reports, in a statement. "They raise serious concerns that the administration's pledge to make Americans healthy again could become nothing more than an empty promise."But Kennedy, in announcing the restructuring, blasted HHS for failing to improve Americans' lifespans and not doing enough to drive down chronic disease and cancer rates."All of that money," Kennedy said of the department's \$1.7 trillion yearly budget, "has failed to improve the health of Americans."Cancer death rates have dropped 34% over the past two decades, translating to 4.5 million deaths avoided, according to the American Cancer Society.

Trump orders removal of 'anti-American ideology' from premier US museum

Washington. President Donald Trump on Thursday ordered that "improper, divisive or anti-American ideology" be removed from the Smithsonian Institution, the vast museum and research complex that is a premier exhibition space for US history and culture.

The Republican president, in an executive order, directed that Vice President JD Vance undertake the action. The order also directs the Interior Department to restore federal parks, monuments and memorials that have been "removed or changed in the last years to perpetuate a false revision of history."The order, titled "Restoring Truth and Sanity to American History," is vague about what the president views as anti-American ideology. But it suggests Trump is seeking to purge elements of what conservatives view as a revisionist history of the United States that places systemic racism at the heart of its narrative.

The order singles out the National Museum of African American History and Culture as problematic, claiming that it informs visitors that "hard work," "individualism" and "the nuclear family" are aspects of "White culture." The order also asserts the American Women's History Museum plans

to celebrate male athletes participating in women's sports. The White House did not elaborate on the order, and neither the Smithsonian nor the African-American History museum responded to requests for comment. The Smithsonian spans 21 museums, most of them in the nation's capital lining the mall from the US Capitol to the Washington Monument, and including the National Air and Space Museum, the National Museum of American History and the

Hirshhorn Museum and Sculpture Garden. The Smithsonian, whose website says it is the world's largest museum, education and research complex, also encompasses 14 education and research centers, and the National Zoo. The order is in line with the

Trump administration's efforts to do away Trump earlier this year made himself with diversity and inclusion programs in government, universities and corporations. Vance is a member of the Smithsonian's Board of Regents. According to Trump's



order, the Democratic Biden administration "pushed a divisive ideology that reconstrued America's promotion of liberty as fundamentally flawed, inflecting revered institutions like the Smithsonian and national parks with false narratives."

chairman of the Kennedy Center in Washington, indicating that he wants to leave his mark on US arts and culture as part of his presidency. Trump has been a

> strident critic of renaming or removing Confederate statues and monuments. Earlier this year, he restored two US Army bases to their former names of Fort Benning and Fort Bragg despite a federal law that prohibits honoring generals who fought for the South during the Civil War. The administration says the names honor different individuals, all former soldiers.

In 2017, Trump defended white nationalists in Charlottesville, Virginia, who protested the city's decision to remove a statue of the confederate commander Robert E Lee. At the time, he said there were "very fine people of both sides" of the fight, sparking widespread

Saturday, 29 March 2025

Shardul Thakur set the tone, didn't let Abhishek, Head build pressure: Mitchell Marsh

New Delhi. Mitchell Marsh said that Shardul Thakur laid the platform for the Lucknow Super Giants (LSG) in their five-wicket win over Sunrisers Hyderabad (SRH) on Thursday in the Indian Premier League (IPL) clash at the Rajiv Gandhi International Stadium in Hyderabad. Shardul didn't let the opening duo of Abhishek Sharma and Travis Head build pressure on the LSG bowlers. The speedster, who joined the Super Giants as a replacement for Mohsin Khan, got the early wickets of Abhishek and Ishan Kishan, after which he came back to get the wickets of Abhinav Manohar and Mohammed Shami.It was Shardul's spell of 4-0-34-4 that restricted SRH to 190 for nine, after which LSG romped home with 23 balls to spare.



"I thought Shardul bowled exceptionally well and set the tone for us early on. Against batsmen like Abhishek and Travis Head, you're under pressure right away, but Shardul used his experience to great effect. He bowled particularly well towards the end. Overall, it was a solid all-round performance, and it's great to start the tournament with a win," Shardul said in the post-match press conference. 'Prince was really impressive'

Marsh also had words of praise for Prince Yadav, who got the crucial wicket of Head to finish with figures of 4-0-29-1.

"Firstly, I'm really proud of Prince in his second IPL game. The way he bowled and executed his plans was impressive, and I'm sure it will give him a lot of confidence moving forward. As I mentioned the other day, we told him to rely on his depth in this long tournament. For someone like him to get an opportunity early on and step up for us tonight was really impressive," Shardul added. The Super Giants will next be up against Shreyas Iyer's Punjab Kings on Tuesday, April 1 at the Bharat Ratna Shri Atal Bihari Vajpayee Ekana Cricket Stadium

Ravi Shastri 'betting' ad may attract censure from MIB

CHENNAI. A Ravi Shastri advertisement where the cricketer-turned-pundit seemingly endorses a betting company could come under the scanner of the Ministry of Information and Broadcasting (MIB).

Over the last 11 months or so, Shastri has used X (formerly Twitter) to promote Stake, a betting company. He did the same on March 21, one day before the start of the Indian Premier League's 18th edition. "Witness the Ultimate Cricket Extravaganza," he posted to his 2m followers. "Early six? Early wicket? What's your stake? @Stake" There was also a video message to his followers.

He also added a disclaimer: "This content is not intended for the Indian region. Visitors must be 18+ of age to proceed." This daily has learned that the disclaimer may not be applicable for the purposes of legality as the commentator may still be liable.

"This specific advertiser appears to be a betting



platform," Manisha Kapoor, secretarygeneral of the Advertising Standards Council of India (ASCI), told this daily. "Betting is a violation of law, hence adding any disclaimer does not make it okay to advertise. ASCI is reporting such cases to the MIB."Under Indian law, games of chance — betting — are banned save a few exemptions as it's a state subject under the Public Gambling Act.

Shastri has periodically posted such ads on his handle, including during the Paris Olympics and the English Premier League (EPL). Any operator," sports lawyer Vidushpat Singhania told this masthead, "who claims an international license, cannot offer a betting product without a license from an authority in India. In addition they would also need GST registration in India. A celebrity before endorsing a brand is required to do a diligence check, otherwise a celebrity can be held liable under consumer protection laws."Indian cricket has been no stranger to betting advertisements in recent years. In 2022, to stop the encroachment of surrogate advertisements, in the form of L-Shaped commercials during live cricket

Chelsea rallies past Manchester City to reach Women's Champions League semifinals vs. Barcelona

Last week, City had ended Chelsea's unbeaten run with a 2-0 victory to become the first team to defeat Chelsea under coach Sonia Bompastor — in her team's 29th game of the season.

LONDON. Chelsea staged a big first-half comeback to march into the semifinals of the Women's Champions League with a 3-0 victory over Manchester City on Thursday.

Sandy Baltimore scored early in the allbefore Nathalie Björn and Mayra Ramírez netted in a five-minute span to overturn a 2-0 deficit from the first leg and set up a last-four matchup against defending champion Barcelona."We were never in doubt," Chelsea captain Millie Bright told TNT Sports. "We had full confidence in ourselves. We could have had way more than three goals. Unbelievable mentality and desire to come back. A true Chelsea performance."



England quarterfinal at Stamford Bridge Baltimore gave Chelsea a 1-0 lead on a rebound with a left-footed, one-timed strike after a low shot from Lucy Bronze hit the post in the 14th.Björn headed in to double the advantage in the 38th before Lauren James set up Ramírez, whose shot beat goalkeeper Khiara Keating and put Chelsea ahead 3-2 on aggregate. Last week, City had ended Chelsea's unbeaten run with a 2-0 victory to become the first team to defeat Chelsea under coach Sonia Bompastor — in

her team's 29th game of the season.Barcelona routs WolfsburgBarcelona remained on course for a third straight Women's Champions League title after routing Wolfsburg 6-1 in the second leg of their quarterfinal encounter.Forward Salma Paralluelo and Clàudia Pina each scored twice as Barcelona reached the semifinal on a massive 10-2 aggregate score. The Catalan powerhouse has scored a total of 36 goals in eight games in the competition this

season.Barcelona won 4-1 in the first leg last week in the first meeting of the two teams since the Spanish side beat Wolfsburg 3-2 in the 2023 Champions League final.It was nowhere near that margin again at the Estadi Johan Cruyff.Paralluelo completed a fast move with a clinical left-footed low finish from the left corner of the area 10 minutes in. Only 10 minutes later, Esmee Brugts cut back for her from the left to add the second from inside the box before dancing with her smiling teammates in celebration.Brugts made it 3-0 with a powerful drive from some 20 meters (yards) to beat goalkeeper Anneke Borbe. Pina controlled the ball with her left foot before unleashing a rightfooted strike from the edge of the area to add the fourth in the 62nd, less than four minutes after coming on as substitute. Only then did Wolfsburg respond, when substitute Lineth Beerensteyn scored with her first touch of the ball. But Pina curled in a free kick for her second and seventh of the campaign in the 77th and María León netted the sixth from a long-distance free kick in stoppage time."Alexia (Putellas) and María León gave me some really good service and when my first touch is good, it helps with confidence," Pina said. "We're really happy with how we played and what we've done.

Riyan Parag-Guwahati pitch invader row: Aakash Chopra slams 'new low' in journalism

IPL 2025: Aakash Chopra slammed a popular media house for spreading incorrect information over a controversy where a fan breached security to touch Riyan Parag's feet in Guwahati.

New Delhi. Former Indian batter Aakash Chopra recently criticised a renowned media house for reaching a "new low" in clickbait journalism after an article surfaced on social media, claiming that Riyan Parag paid 10,000 INR to a fan for touching his feet during the Indian Premier League (IPL) 2025 match between Rajasthan Royals (RR) and Kolkata Knight Riders (KKR) at the Barsapara Stadium in Guwahati.Chopra condemned the media outlet for circulating unverified rumours without any credible failed to clarify how the media house



determined the payment, emphasising the lack of journalistic integrity. Chopra called for more responsible reporting in sports media. Stumbled upon this article. Headline is explosive, obviously. But there's nothing mentioned in the article about how they figured out that Riyan paid a fan to touch his feet. NOTHING at all. In the world of clickbait journalism, this is a new low. And this is mainstream media, btw," Chopra wrote on

evidence. He pointed out that the article X.Fans breaches security to meet Riyan

During KKR's chase, a fan managed to slip past security and rush onto the field. As Parag was about to bowl his fourth over, the fan approached him, touched his feet, and gave him a hug. Riyan, caught off guard by the unexpected gesture, was met with cheers from the crowd, celebrating Assam's first IPL superstar. The brief interruption caused a delay in play, but security swiftly handled the situation and escorted the fan off

the field.Parag and the Royals haven't had the best of times in the tournament thus far. In two matches, Parag has scored only 29 runs at an average of 14.50. The Royals began their campaign with a 44-run defeat to Sunrisers Hyderabad (SRH) after which KKR beat them by eight wickets. RR are placed at the bottom of the table with a net

IPL 2025: Are RCB overreliant on Virat Kohli CSK coach Stephen Fleming reacts

New Delhi.Chennai Super Kings coach Stephen Fleming has commented on if Royal Challengers Bengaluru are over-reliant on Virat Kohli ahead of the South Indian derby on Friday, March 28. Kohli, who is playing his 18th IPL season for RCB, has been a vital player for Bengaluru since making his debut back in 2008. Kohli started the new campaign with an unbeaten 59 against KKR in the season opener and will head to Chennai to take on RCB's arch-rivals.Kohli has scored 1053 runs against CSK in 33 matches at an average of 37.61 and has hit 9 fifties during this time. Speaking at the press conference ahead of the match, Fleming was asked if RCB tend to be over-reliant on Kohli and



skipper Rajat Patidar when it comes to their batting and if Chennai have a stronghold over their opponents on Friday. Fleming said it is tough to say about it after just one game as both teams are different from last year. The CSK coach said that his side aren't dwelling on past results but admitted that Kohli is a big part of the plans at RCB. Fleming feels if CSK can keep Kohli and Patidar quiet, then they can win the game. It's really hard to coment after just one game. The RCB and CSK from last year is quite different. We don't look into past performances. Certainly, looking at their team, Kohli is a big part of it. But they have strength in their team, like most franchises have. The competition is pretty even this year. If we keep him and Patidar quiet, then it will help us to win," said Fleming.

One of the big names who missed CSK's opening match win over Mumbai Indians was Matheesha Pathirana. Fleming said that the Sri Lankan pacer is suffering from an injury at the moment and he won't be playing against RCB. "Pathirana is recovering from injury. So don't expect him to play tomorrow," said Fleming.Fleming also hinted that there may not be any changes made to the lineup for the clash against RCB.

Barcelona beats Osasuna 3-0 to extend La Liga lead

BARCELONA. Ferran Torres and Dani Olmo scored early goals to lead Barcelona to a 3-0 win over Osasuna and extend its lead of the Spanish league on Thursday.Coach Hansi Flick rested Robert Lewandowski until the final stretch, when the Poland star came on and headed in a cross by fellow substitute Fermin López.

It was Lewandowski's league-leading 23rd goal of the season. The game had been originally scheduled for March 8 but was postponed after a first-team doctor of Barcelona died hours before kickoff.

The victory moved Barcelona three points ahead of Real Madrid and seven points ahead of Atletico Madrid with 10 rounds remaining. Torres culminated a team passing move in the 11th minute when he scored from a low cross by Alejandro Balde.

Frenkie de Jong played Bald clear before the left back found Torres for the striker's 14th goal of the season across all competitions despite playing most games as a second-half substitute for Lewandowski. Torres also hit



the crossbar with a free kick late in the first half."I try to make the most of my minutes,' he said. "I don't consider myself a super sub. I am prepared to play whenever the coach needs me. "Olmo doubled the lead in the 21st

→ The victory moved Barcelona three points ahead of Real Madrid and seven points ahead of Atletico Madrid with 10 rounds remaining.

after converting a penalty on a second try Fleming provides Pathirana update that he had earned when fouled by goalkeeper Sergio Herrera. Herrera saved his initial penalty but Olmo made good on a second attempt after Osasuna midfielder Jon Moncayola invaded the area early.

Olmo left the game a few minutes later with an apparent leg injury.Osasuna's top scorer Ante Budimir, who came from playing with Croatia, went on for the final half hour but

Novak Djokovic beats Sebastian Korda, advances to semifinals in push for 7th Miami Open title

Djokovic, who won all six of his titles at the tournament's previous venue at Key Biscayne, is going for his 100th professional title.

MIAMI GARDENS. Novak Djokovic is finding a higher gear in South Florida after a sluggish start to 2025. Djokovic, gunning for his seventh Miami Open title, dispatched American Sebastian Korda 6-3, 7-6 (7-4) Thursday in one hour, 24 minutes in a quarterfinal match that was postponed from Wednesday night because the women's quarterfinal between Jessica Pegula and Emma Raducanu ran past 11 p.m. and would have begun at about midnight — against new

ATP rules.Djokovic advanced to Friday's semifinals and will face Bulgaria's Grigor Dimitrov. Djokovic is 12-1 against the 33year-old Dimitrov, who reached the tournament finals in 2024.Djokovic, who won all six of his titles at the tournament's previous venue at Key Biscayne, is going for his 100th professional title."I'm getting great support," Djokovic said. "I feel I have a really good chance to go all the way here. ...I'm playing the best I have in some time."

With the Hard Rock Stadium fans cheering the 37-year-old and chanting his name, Djokovic rallied in the second set from 4-1 and 5-2 down to win in a tiebreaker. He served an ace on match point and finished with an 83 firstservice percentage against the 24th-seeded Korda. The 37-year-old Serbian let out a yell after the victory and strummed his racket like a violin."One word — serve," Djokovic said when asked the key to his second-set surge. "I was serving very well — best serving performance in a long time."The men's

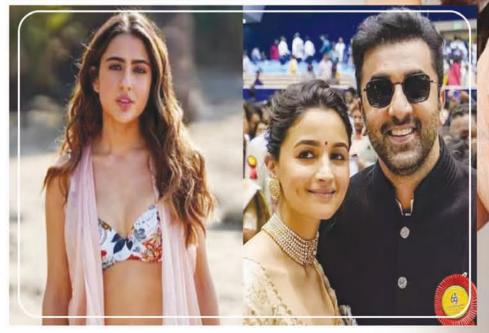
leader in Grand Slam titles at 24 has been out of form this year, starting with an injury retirement at the Australian Open in January.



match at Indian Wells to Botic van de Zandschulp.Saturday's women's final is set with No. 3 Jessica Pegula facing top seed Aryna Sabalenka. It is also a rematch of the 2024 U.S. Open final, won by Sabalenka.In the women's semifinal staged late Thursday, Pegula had to be spectacularly resilient to stop the history-making run of the 19-yearold lefty from the Philippines, Alexandra Eala. Pegula won in a rollercoaster 7-6 (7-3), 5-7, 6-3 victory in a contest that ended at 12:40 a.m. Friday.In the two hour, 26 minute match, Eala showed she is a crafty lefty star in the making with drop shots, deft volleys and a big forehand. The Hard Rock Stadium fans rooted on the player who had taken out major champions Jelena Ostapenko, Madison Keys and Iga Swiatek previously. Pegula fought off a set point in the first set. She was twice down a break in the first set forced a tiebreaker and dominated it. Eala had played forcefully through most of the first set, moving Pegula around and coming to the net at advantageous times to showcase her volley.But suddenly it turned. Eala served for the first set at 5-3, but at set point, she registered two straight double faults, then made an unforced error on her forehand. She lost eight straight points as Pegula seized



Bhatt, 'Dehumanised' Her: 'She Has A Kid Also, Her Life Is Set'



ara Ali Khan has admitted to feeling jealous of Alia Bhatt after the Jigra actress' National Award win. Speaking at NDTV's event, Sara revealed that she was jealous of Alia because of her personal and professional milestones. Sara felt envious that Alia has a National Award and also a happy marriage with a child. Sara Ali Khan said, "When Alia got the National Award, I was like, 'God, she got it, she has a kid also, her life is set.' But I don't know what she went through to get that. I, as an actor, dehumanised her." "You don't know, she must have had challenges and disappointments too, to reach where she has. But I didn't realise what went into it. There are two sides to every coin,"

"Most often, when we are envious of other people, we feel so without all the information. We are envious because we just see that success and then we want that. We don't see what goes behind it; we never see it. Envy means blindness," she added. Alia Bhatt won the National Award for her role in Sanjay Leela Bhansali's Gangubai Kathiawadi. She jointly won the Best Actress award with Kriti Sanon (for Mimi). Although Alia was on a roll with films like Gangubai Kathiawadi and Rocky Aur Rani Kii Prem Kahani, she faced a setback with Jigra. Although her performance was appreciated in the film, Jigra failed at the

Alia is now reuniting with Sanjay Leela Bhansali for Love and War. The film will also star Ranbir Kapoor and Vicky Kaushal. She is also shooting for Alpha with Bobby Deol and Sharvari. Alpha is a standalone spy film by Yash Raj Films. There is also buzz that Alia will be seen in a Maddock horror comedy film in the coming years.

Nayanthara's Adorable **Pictures With Twins Ulagam** And Uyir Are Too Cute To Miss



ctress Nayanthara is a doting mother to twin boys, Ulagam and Uyir, whom she welcomed via surrogacy in October 2022 with her husband, Vignesh Shivan. The actress often treats her fans with adorable glimpses of her happy family moments. Recently, the Jawan actress delighted her Instafam with a string of cute pictures featuring both her baby boys. Sharing the pictures, she wrote in the caption, "I would choose you both in EVERY LIFETIME."The first snapshot is a selfie wherein the actress is seen on her bed along with one of her kids and giving him a peck. The child, on the other hand, kissed her mother's cheek. In the next pic, the mother-son duo is looking straight into the camera.

Another picture featured Natyanthara and her son posing for a cute selfie. The last picture of the carousel post depicted the actress and her kids' legs as they sat inside a car.

in no time, the comment section was flooded with reactions from fans and admirers. An Instagram user commented, "OMG all three are the prettiest." Another one wrote, "Cute click." One of them shared, "Aww, I am loving this mother Nayanthara more and more."

On the work front, Nayanthara is currently gearing up for the release of her upcoming sports thriller film titled Test, co-starring Siddharth, R Madhavan and Meera Jasmine. Helmed by the debutant director S. Sashikanth and produced by YNOT Studios, the film will be streaming on the OTT giant Netflix from April 4 in Hindi, Tamil, Telugu, Kannada and Malayalam languages. Recently, the makers unveiled the film's official trailer, which received huge responses from the audiences. In the film, R Madhavan plays Saravanan, a bright but struggling scientist, while Nayanthara portrays his wife Kumudha.Siddharth plays cricketer Arjun, who struggles with the narrow line between professional and personal choices, while Meera Jasmine portrays his wife Padma, who passionately protects their private space.

Rohanpreet Singh BACKS Wife Neha Kakkar After Melbourne Concert Controversy, Urges Fans Not To Judge Anyone



inger Rohanpreet Singh finally broke his silence on wife Neha Kakkar's Melbourne concert controversy. Taking to Instagram, he wrote a note in Punjabi, urging fans not to judge anyone and to be aware of the 'reality' of the situation. Earlier today, Neha finally shared her first post after the controversy, asking her fans to "wait for the truth". On Thursday, March 27, Rohanpreet Singh shared an official statement in Punjabi. It can be loosely translated in English as, "I want to be humble while sharing something. Till the time we do not know the reality or aren't aware of both the sides, we should not judge anyone. We should implement this in all our lives."

He further added in English, "Huge respect to my wife and band, who went on stage even after so much of difficulties and chaos." The singer dropped a folded hands emoji as the photo caption.

Neha, on Thursday, March 27, dropped a short but crisp note for trolls on her Instagram story. She wrote, "Wait for the truth, you'll regret judging me so quickly".

The words were accompanied with an emoji indicating sadness. However, she didn't explain why she was late to her own concert.

Earlier this week, Neha arrived three hours late to her show in Melbourne. The singer faced an angry crowd, who urged she go back. The Dilbar singer was seen breaking down in front of the audience while apologising for coming late. "Guys, you are really sweet! You have been patient. Itni der se aap log wait kar rahe ho.

I hate it, maine life mein kabhi kisi ko wait nahi karwaya hai. Aap itni der se wait kar rahe ho, I'm so sorry! It means a lot to me. I will remember this evening forever. Aaj aap log mere liye itna kimti time nikaal kar aaye ho. I will make sure that I will make you all dance," she said, while fighting her

However, the crowd was in no mood to hear her apologies. While a section of the audience sided her, others said, "Go back! Rest in your hotel", "This is not India, you're in Australia", "We have been waiting for three hours." Another voice mocked her by saying, "Very good acting! This is not Indian Idol. You're not performing with kids."



Ananya Panday

Listens To Before Her Ramp Walks

massacre.

nanya Panday, recognized for her on-screen don't listen to it, something bad may happen." performances, has also made a name for herself in Ananaya made a strong statement as she walked the fashion industry. The actress has walked the runway for numerous renowned designers over the years and is often praised for her impeccable presence on the stage. Recently, she opened the 25th edition of Lakmé Fashion Week, in collaboration with the Fashion Design Council of India (FDCI). She was the showstopper for Anamika Khanna's Silver Collar



her ritual before she heads out on the ramp. In a recent interview with Filmfare, Ananya Panday discussed her mandatory ritual before walking the ramp. She stated, "I always listen to Fashion Ka Jalwa before walking the

Today I was watching the match, so I almost didn't listen to it. But then I listened to the song because I feel if I the runway in a daring and unconventional outfit. She wore a silver bralette with an elaborate chain design, giving the appearance of vintage armour with a modern touch. Ananya added a splash of colour to her ensemble by pairing the bralette with highwaisted, flared slacks in a brilliant shade of blue. The pants had magnificent silver

embroidery, elaborate zari work, and glittering embellishments, which added to the outfit's grandeur.

Ananya Panday's acting career will soar with her role in Kesari Chapter 2, scheduled for a global release on April 18. The film features R. Madhavan and Akshay Kumar in pivotal roles. The upcoming film is a spiritual sequel to Kesari, with Akshay Kumar as the protagonist and marks Karan Singh Tyagi's directorial debut. The plot

inspired by the brave lawyer C. Sankaran Nair, who pushed the British Raj to uncover the awful truth about the Jallianwala Bagh

The film also includes some personal touches from the creators, as well as scenes from India's struggle fo freedom. Besides Kesari 2, Ananya also has Call Me Bae 2 and Chand Mera Dil alongside Kill fame Lakshya.

